



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] 1 नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 2000 (माघ 1, 1921)  
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 2000 (MAGHA 1, 1921)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की परिषद का सचिवालय

सूचना सं० 15-1/95-टी० एस० 1 दिनांक 18 मार्च, 1997 में निम्नलिखित के अनुसार संशोधन करती है, नामतः—

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1999

उपर्युक्त अधिसूचना में मद (Viii) तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित शामिल किया जाएगा, नामतः—

सं० 15-4/99-टी० एस० 1—प्रौद्योगिकी संस्थान नियमावली, 1962 के नियम 5 के उपनियम (घ) के अनुसरण में परिषद् कार्यकारी मामलों पर स्थायी समिति के गठन को संशोधित करती है तथा भारत के राजपत्र के भाग—III खण्ड-4 में दिनांक 5 अप्रैल, 1997 को प्रकाशित अधि-  
1—429 GI/99

“(IX) विशेष सचिव, माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सदस्य, पदेन।”

डा० एस० डी० कावले  
सचिव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद्

## छावनी परिषद्, महु

महु, दिनांक, 13 जनवरी 2000

महु छावनी में वाहन प्रवेश कर का पुनरीक्षण 2000

एस० आर० ओ० --महु छावनी सीमा में वाहन प्रवेश कर की पुनरीक्षण के प्राप्ति की सार्वजनिक सूचना छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 61 की अपेक्षा-नुसार छावनी परिषद् के सूचना क्रमांक 7551 /वी० इ० टी०/ 813 दिनांक 9 जुलाई, 1999 द्वारा आक्षेप एवं सुझाव दिनांक 8 अगस्त, 1999 तक आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित किया गया।

और उपरोक्त सूचना की छावनी बोर्ड के सूचना पटल पर दिनांक 9 जुलाई, 1999 को प्रदर्शित किया गया।

और छावनी परिषद् को नागरिकों से कोई आक्षेप या सुझाव कथित दिनांक के पूर्व तक प्राप्त नहीं हुए,

और केन्द्रीय शासन द्वारा वाहन प्रवेश कर के पुनरीक्षण के कथित प्राप्ति को उक्त अधिनियम की धारा 60 में यथा अपेक्षित, प्रमाणित एवं अनुमोदित किया गया।

अतः अब छावनी परिषद्, महु छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा एस० आर० ओ० दिनांक 19 दिसम्बर, 1979 का अधिक्रमण करते हुए और भारत के राजपत्र के भाग-III खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना एस० आर० ओ० दिनांक 12 जनवरी, 1980 को अकास्त करते हुए तथा केन्द्रीय शासन की पूर्व स्वीकृति से महु छावनी की सीमा में प्रवेश होने वाले माल अथवा यात्री ले जाने वाले वाहनों पर पुनरीक्षित वाहन प्रवेश कर आरोपित करता है जो कि वाहनों के मालिक/भार साधक/ वाहन के ड्राइवर द्वारा संलग्न अनुसूची में उल्लेखित दर से देय होगा।

## अनुसूची

अ० क्र० सं०	वाहन श्रेणी	प्रति प्रवेश दर
1	2	3
1.	भारवाहक छोटा वाणिज्य वाहन जैसे कि ट्रैक्टर ड्राली सहित, भारवाहक तीन पहिया वाहन, समस्त चार पहिया भार वाहक वाहन जैसे मेटाडोर, टाटा 402, टाटा 407 और इसी आकार के अन्य वाहन	रु० 2.00

1	2	3
2.	अधिकतम 6 पहियों वाले अन्य सभी माल वाहक वाहन।	रु० 5.00
3.	समस्त अन्य मालवाहक तरल पदार्थ वाहक वाहन जिनमें 6 से अधिक पहिये हों जैसे कि ट्रैलर/टैंकर इत्यादि।	रु० 10.00

परन्तु निम्नांकित वाहनों की श्रेणी पर उक्त अनुसूची में प्रदर्शित कर देय नहीं होगा :—

- (अ) केन्द्रीय अथवा मध्य प्रदेश शासन के वाहन,
- (ब) छावनी परिषद् के वाहन,
- (स) केवल शव यात्रियों को लाने ले जाने वाले वाहन,
- (द) विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को उनके निवास स्थान से लाने ले जाने वाले वाहन
- (इ) निजी कारें,
- (फ) लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव में कार्यरत वाहन।

अजय कुमार शर्मा  
छावनी अधिशासी अधिकारी, महु  
महु छावनी  
फाईल क्रमांक 7551 /वी० इ० टी०

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1999

सं० यू०-16/53/98-चि० 2(गुजरात)--कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-165 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024

(जी) दिनांक 23-5-1933 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डॉ० एच० वि० अश्वनिचंद्र चिकित्सा निदेशों की मानकों के अनुसार देश-परिस्थिति पर एक वर्ष की अवधि पर के लिए 01-12-99 से 30-11-2000 तक उप चिकित्सा आयुक्त (उत्तर पश्चिम जोन), अहमदाबाद द्वारा निर्धारित सरसपुरकेन्द्र, अहमदाबाद के क्षेत्रों के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाणपत्र की सत्यता सदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ।

डा० (श्रीमती) एस० सिंह  
चिकित्सा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर, 1999

सं० एन-15/13/13/1/86-यो० एवं वि० (2)--  
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95 के साथ कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 जनवरी 2000 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा उत्तर प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात् :-

“जिला सुल्तानपुर में परगना जगदीशपुर के राजस्व ग्राम कमरौली और पालपुर तथा परगना और तहसील मुसाफिरखाना में उतेलवा”।

जी० एल० कपूर  
निदेशक (यो० एवं वि०)

सं० एन-15/13/14/9/96-यो० एवं वि० (2)--  
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 नवम्बर, 1999 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा तमिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिलनाडु राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात् :-

“जिला तिरुनेलवेली तालुक पलायमकोट्टाई के अन्तर्गत राजस्व ग्राम भेलापलायम और कुलावानीगरपुरम्”।

जी० एल० कपूर  
निदेशक (यो० एवं वि०)

सं० एन-15/13/6/2/96-यो० एवं वि० (2)--  
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 नवम्बर, 1999 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा केरल कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1957 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात्

“जिला तिरुवनन्तपुरम के चोराइनकीशु तालुक में राजस्व ग्राम मुदक्कल के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

जी० एल० कपूर  
निदेशक (यो० एवं वि०)

क्षेत्रीय कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 14 दिसम्बर, 1999

सं० 14 बी० 34/13/1/86-प्रशा०--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष क्षेत्रीय बोर्ड हिमाचल प्रदेश ने (सोलन क्षेत्र जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू है) की स्थायी समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधि-सूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

विनियम 10-ए (1) (ए) के अधीन

1. उप मण्डल अधिकारी, सोलन हिमाचल प्रदेश।

सदस्य

2. विनियम 10-ए (1) (बी) के अधीन  
श्रम निरीक्षक सोलन, हिमाचल प्रदेश।

3. विनियम 10-ए (1) (सी) के अधीन  
मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन

## विनियम 10-ए (1) (डी) के अधीन

4. श्री डी० पी० गुप्ता, उपाध्यक्ष,  
हिमाचल क्यूचरिस्टिक कमनीकेशन वाइरलाईन लिमिटेड,  
चम्बाघाट, सोलन (हि० प्र०)।
5. श्री पी० एस० गुप्ता,  
निकट रोजगार कार्यालय, सोलन, (हि० प्र०)।  
विनियम 10-ए (1) (ई) के अधीन
6. श्री बलवन्त गुलेरिया,  
एच० एफ० सी० एल० वायरलाइन चम्बाघाट,  
जिला सोलन (हि० प्र०)।
7. श्री सीता राम,  
हिमाचल एज्युकाम, सोलन (हि० प्र०)।
8. श्री जगदीश चन्दर,  
सपरून, सोलन (हि० प्र०)।
9. विनियम 10-ए (1) (एफ) के अधीन  
प्रबन्धक स्थानीय कार्यालय,  
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,  
परमाणु।

सदस्यसचिव  
आज्ञा से  
बी० सी० भारद्वाज  
क्षेत्रीय निदेशक

सं० 14 बी० 34/13/1/86-प्रशा०—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम) 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष, क्षेत्रीय बोर्ड हिमाचल प्रदेश ने बरोटीवाला और बदी क्षेत्र (जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू हैं) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

## विनियम 10-ए (1) (ए) के अधीन

1. उप मण्डल अधिकारी, नालागढ़, जिला सोलन।  
विनियम 10-ए (1) (बी) के अधीन
2. श्रम निरीक्षक, नालागढ़, जिला सोलन (हि० प्र०)।  
विनियम 10-ए (1) (सी) के अधीन
3. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी,  
कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय,  
नालागढ़, बरोटीवाला, जिला सोलन (हि० प्र०)।

## विनियम 10-ए (1) (डी) के अधीन

4. श्री पी० के० रिवाड़ी  
ओरो स्पर्निंग मिल्स  
साई रोड, बदी, जिला सोलन (हि० प्र०)।
5. श्री शर्मा, प्रबन्धक,  
जै माता ग्लास लिमिटेड,  
बरोटीवाला, जिला सोलन (हि० प्र०)।
6. श्री के० के० कोलरा,  
हिमाचल फाइबरज लिमिटेड,  
बरोटीवाला, जिला सोलन (हि० प्र०)।  
विनियम 10-ए (1) (ई) के अधीन
7. श्री मेला राम चन्देल,  
विनसम टैक्सटाइल लिमिटेड,  
बदी, जिला सोलन, (हि० प्र०)।
8. श्री सतवीर सिंह,  
मैसर्ज पम्बी टिश्यू पेपर मिल्ज,  
जड़माजरी नालागढ़ (सोलन) (हि० प्र०)।

9. श्री ब्रह्मा नन्द,  
हिमाचल फाइबरज लिमिटेड,  
बरोटीवाला (सोलन) (हि० प्र०)।  
विनियम 10-ए (1) (एफ) के अधीन
10. स्थानीय कार्यालय प्रबन्धक, सदस्य-सचिव  
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,  
बरोटीवाला।

आज्ञा से  
बी० सी० भारद्वाज  
क्षेत्रीय निदेशक

सं० 14 बी 34/13/1/86-प्रशा०—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष क्षेत्रीय बोर्ड हि० प्र० ने परमाणु क्षेत्र (जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू हैं, की स्थानीय समिति का गठन किया। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

## विनियम 10-ए (1) (ए) के अधीन

1. सहायक आयुक्त,  
परमाणु, जिला सोलन (हि० प्र०)।

## सदस्य

विनियम 10-ए (1) (बी) के अधीन

2. श्रीमति निरीक्षक, परमाणु, हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए (1) (सी) के अधीन

3. श्रीमती चिकित्सा अधिकारी, ई० एम० आई० अस्पताल, परवाणू।

विनियम 10-ए (1) (डी) के अधीन

4. श्री विजय पट्टी, प्रबन्धक, मोरोपैन लेबोरेटरीज, (सोलन) हि० प्र०।

5. श्रीमती गीता सचदेव, प्रबन्धक, पुपरोलटरज इण्डिया लिमिटेड, परवाणू, सोलन (हि० प्र०)।

6. श्री सुरेन्द्र ठाकुर, प्रबन्धक, एसोसिएट एनसिलियरी सेक्टर-11 परवाणू, सोलन (हि० प्र०)।

विनियम 10-ए (1) (ई) के अधीन

7. श्री सुरेन्द्र ठाकुर, बी०एम०एम० क्वार्टर यू०एम० क्लब, शिमला।

8. श्री सतीश मनोद, वॉरिंग मैनबर, बी०एम०एम० तालागढ़, जिला सोलन (हि० प्र०)।

9. श्री तारा चन्द, मोरोपैन लेबोरेटरीज लिमिटेड, मसूलखाना परवाणू (हि० प्र०)।

विनियम 10-ए (1) (एफ) के अधीन

10. प्रबन्धक, स्थानीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, परवाणू। सदस्य सचिव

आज्ञा से

बी० सी० भारद्वाज  
क्षेत्रीय प्रबन्धक

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (मुख्य कार्यालय)

भविष्य निधि भवन, भोकाएजी कामा प्लेस,

नई दिल्ली-110066, दिनांक 29 दिसम्बर 1999

फाइल संख्या : एफ०जी०-1/(121)91/बी० एच० ई०  
एल०/कमी०/92371-जहा मैसर्स भारत हैवी इलेक्ट्रिकल  
लि० अंगरौर (हमीर) होटल म० कमी०/6682 ने कर्मचारी  
2-429 GI/99

भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (1 सी) के अन्तर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्रदान करने के लिए अपने एक कर्मचारी श्री बी० मधुबूदन मारमा के संबंध में आवेदन भेजा है।

चूंकि मैं अज्ञात मिह, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, इस बात से संतुष्ट हूं कि भारत सरकार पेंशन नियम (सी० सी० एम० पेंशन नियम) के अन्तर्गत परिवार पेंशन के रूप में लाभ जोकि उक्त स्थापना के कर्मचारियों पर लागू है, कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत उपबन्ध लाभ से अधिक अनुकूल है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1-सी) द्वारा प्रदत्त गतिियों का प्रयोग करते हुए मैं अज्ञात मिह केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त स्थापना के कर्मचारी को जैसा कि इस अनुमोदी-1 में दिया गया है जोकि उक्त स्थापना में आने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में थे तथा सी० सी० एम० पेंशन नियमों द्वारा शामिल थे, निम्नलिखित शर्तों पर अधिसूचना के जारी होने की तिथि से या नौकरी की अन्तिम तिथि से उन कर्मचारियों के संबंध में जो सरकार के 22.1.90 के आदेश के अनुसरण में 22-1-90 से 21.7.90 के बीच विकल्प देने के बाद सेवाएं निवृत्त हुए को कर्मचारी पेंशन स्कीम के सभी उपबन्धों को लागू करने से छूट प्रदान करता हूं।

(1) यह कर्मचारी छूट की तिथि से कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 के अन्तर्गत किसी लाभ के पात्र नहीं होगा।

(2) कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 से छूट प्रदान करने के लिए एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम होगा।

(3) उक्त इस कर्मचारी से संबंधित नियोक्ता संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को वे रिटर्न भेजेगा, वे लेख तैयार करेगा और निरीक्षण करने को वे मुविधाएं देगा जिसे समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्देश करेगा।

अज्ञात मिह  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

## अनुसूची-I

## भारतीय यूनिट ट्रस्ट

स्थापना

मैसर्स भारत हेवी इलेक्ट्रीकल  
लिमिटेड

मैसूर रोड

बंगलौर --560026।

कोड नं०

कर्ना/6682

मुम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1999

सं०यू०टी०/डी०बी०डी०एम०/आर/224/एस०पी०डी०-71  
-7/99-2000 - भारतीय यूनिट ट्रस्ट, अधिनियम, 1963  
(1963 का 52) की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत  
बनाए गए मासिक आय प्लान 1999 (II), जो कथित  
अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई यूनिट योजना,  
मासिक आय योजना 1999 (II) से संबंधित है, का पेशकश  
दस्तावेज, जिसे 11-05-99 को हुई कार्यकारिणी समिति की  
बैठक में तथा दिनांक 3-8-99 को परिचालन द्वारा अनुमोदित  
किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

एस० चटर्जी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

क्र०

नाम

स्थायी पता

सं०

1. श्री बी० मधुसूदन सारमा

वरिष्ठ लेखा अधिकारी  
ग्रेड-1,  
बी० एच० ई० एल०  
इंडस्ट्रियल सिस्टम ग्रुप  
25/1, महात्मा गांधी रोड,  
बंगलौर-560001  
कर्नाटक।

बी० पी० रमैया

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त



भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
मासिक आय प्लान 1999(II)  
पेशकश (ऑफर) दस्तावेज

पेशकश 27 सितंबर, 1999 से 30 अक्तूबर, 1999 तक खुली है

मासिक आय प्लान 1999(II) भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1)(8)(सी) के अंतर्गत बनाया गया है जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत यूटीआई के न्यारी मंडल द्वारा बनाई गई यूनिट योजना, मासिक आय योजना 1999(II) के संबंध में है। यह पेशकश दस्तावेज योजना के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करता है जो भावी निवेशक निवेश करने से पहले जानना चाहते हैं। पेशकश दस्तावेज भविष्य के संदर्भ हेतु रखे जाने चाहिए।

योजना के विवरण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार तैयार किए गए हैं यथा तिथि तक संशोधित एवं सेबी के पास पंजीकृत हैं और जन साधारण के अभिदा हेतु पेश किए गए यूनिट सेबी द्वारा न तो अनुमोदित अथवा अननुमोदित किए गए हैं न ही सेबी ने पेशकश दस्तावेज की यथार्थता अथवा पर्याप्तता को ही प्रमाणित किया है।

#### योजना का उद्देश्य

यह एक आयोन्मुख प्लान है। प्लान का उद्देश्य मासिक/वार्षिक आधार पर नियमित आय प्रदान कर अथवा 5 वर्ष की अवधि के दौरान आय की संवृद्धि को उपलब्ध करा कर निवेशकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

#### विशिष्टताएं

- ☐ यह पांच वर्ष का नियत कालिक प्लान है।
- ☐ इस प्लान के तहत तीन विकल्प हैं : 1) मासिक आय विकल्प 2) वार्षिक आय विकल्प एवं 3) संचयन विकल्प।
- ☐ यूनिट का अंकित मूल्य रु. 10/- है एवं यूनिटों की बिक्री सम-मूल्य पर की जाएगी।
- ☐ तीनों विकल्पों के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा एवं आय वितरण वारंटों को प्रेषण/आय वितरण का संचयन इस प्रकार किया जाएगा:

विकल्प	लागू अवधि	आय वितरण की दर	वारंट/वारंटों का प्रेषण/ आय का संचयन
मासिक आय	नवंबर 99 - मार्च 2000	10.50% प्र.व.	सदस्यता सूचना के साथ
	अप्रैल 2000 - अक्तूबर 2000	10.50% प्र.व.	अप्रैल 2000
	नवंबर 2000 - मार्च 2001	मार्च 2000 में घोषित की जाएगी	अप्रैल 2000
	2004 तक प्रत्येक उत्तरवर्ती अप्रैल - मार्च अवधि हेतु	प्रत्येक वर्ष मार्च माह में घोषित की जाएगी	अप्रैल 2001 और तदुपरांत
	अप्रैल 2004 - अक्तूबर 2004	मार्च 2004 में घोषित की जाएगी	अप्रैल 2004
वार्षिक आय	नवंबर 99 - अक्तूबर 2000	11.00% प्र.व.	अक्तूबर 2000
	नवंबर 2000 - मार्च 2001	मार्च 2000 में घोषित की जाएगी	मार्च 2001
	2004 तक प्रत्येक उत्तरवर्ती अप्रैल - मार्च अवधि हेतु	प्रत्येक वर्ष मार्च माह में घोषित जाएगी	मार्च 2002 और तदुपरांत
	अप्रैल 2004 - अक्तूबर 2004	मार्च 2004 में घोषित की जाएगी	प्रतिदान प्रतिफल के साथ
संचयी (आय का संचयन किया जाएगा)	नवंबर 99 - अक्तूबर 2000	11.00% प्र.व.	अक्तूबर 2000
	नवंबर 2000 - मार्च 2001	मार्च 2000 में घोषित की जाएगी	मार्च 2001
	2004 तक प्रत्येक उत्तरवर्ती अप्रैल - मार्च अवधि हेतु	प्रत्येक वर्ष मार्च माह में घोषित जाएगी	मार्च 2002 और तदुपरांत
	अप्रैल 2004 - अक्तूबर 2004	मार्च 2004 में घोषित की जाएगी	प्रतिदान प्रतिफल के साथ

आवेदन की स्वीकृति तिथि की अवधि हेतु सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत आनेवाले निवेशकों को 31 अक्तूबर '99 तक 10.50% प्रति वर्ष की दर से आय वितरण का भुगतान किया जाएगा। तथापि, 01 नवंबर 1999 के बाद की अवधि हेतु वार्षिक/संचयी विकल्प के अंतर्गत आय वितरण उपरोक्त तालिका के अनुसार प्रथम वर्ष के लिए 11% प्र.व. की दर पर होगा।

- ◇ सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत पुनर्खरीद की अनुमति 1 नवंबर 2002 से एनएवी आधारित पुनर्खरीद मूल्य पर होगी।
- ◇ अभिदान बंद होने की तिथि से छः माह के भीतर योजना की यूनिटों को एनएसई के थोक ऋण खंड पर सूचीबद्ध कराया जाएगा।



- ◇ योजना में निवेशित पूंजी परिपक्वता पर सुरक्षित रहेगी अर्थात् यूनिटें एनएवी या सम-मूल्य, जो भी अधिक हो पर विमोचित की जाएंगी। ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा इस पूंजी सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी। 01 नवंबर 2002 से 31 अक्तूबर 2004 के बीच किए गए पुनर्खरीदों के लिए ऐसी कोई गारंटी नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य प्रचलित शुद्ध आस्ति मूल्य के अनुसार होगी।
- ◇ एनआरआई तथा ओसीबी के लिए आय वितरण और पुनर्खरीद/प्रतिदान प्राप्तियां पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय हैं, जहां निवेश विदेशों में विप्रेषण के माध्यम से या एनआरआई खाते को नामे करके अथवा एफसीएनआर जमाओं की राशि से चेक/ड्राफ्ट जारी करके किया गया हो और निवेशक अनिवासी बना रहता हो।
- ◇ वर्तमान में भागीदारी फर्मों व कंपनियों सहित करदाता के सभी वर्गों को प्राप्त होने वाला आय वितरण आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (33) के अंतर्गत आयकर की अदायगी से पूरी तरह मुक्त होगा।
- ◇ प्रचलित कर कानूनों के अनुसार सभी निवेशकों के लिए यूटीआई द्वारा स्रोत पर कर की कटौती नहीं की जाएगी, भले ही निवेशक को योजना से प्राप्त होने वाली आय कितनी भी क्यों न हो। फिर भी, प्लान को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 115 आर के अंतर्गत, वितरित आय की राशि पर वर्तमान में 11% (अधिभार सहित) की दर से आय वितरण कर अदा करना आवश्यक होगा।
- ◇ योजना के अंतर्गत निवेश का मूल्य धनकर की उगाही से पूर्णतया मुक्त है।
- ◇ उपहार कर अधिनियम, 1958 ने 01 अक्तूबर, 1998 या उसके बाद दिए गए उपहारों के संबंध में उपहार कर की उगाही को समाप्त कर दिया है। अतः यूटीआई के यूनिटों के उपहार पर उपहार कर की उगाही नहीं होगी।
- ◇ पूंजी वृद्धि से होने वाला पूंजीगत अभिलाभ, यदि कोई हो, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 एवं 112 के अंतर्गत कर लाभ के अधीन होगा।
- ◇ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54ईए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट का लाभ उठाने के लिए पात्र निवेश, आवेदन स्वीकृति की तिथि से तीन वर्ष की अवरुद्ध अवधि के बाद यूनिटों की पुनर्खरीद/अंतरण/ गिरवी के अधीन है।

## II. नियत तत्परता प्रमाणपत्र

## एमआईपी 99(II) हेतु सेबी को प्रस्तुत किया गया नियत तत्परता प्रमाणपत्र

इस बत्त की पुष्टि की जाती है कि :

- I. पेशकश दस्तावेज का ड्राफ्ट भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (न्यूजुमन फंड) अधिनियम, 1996 एवं समय-समय पर सेबी द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं निर्देशों के अनुसार है ;
- II. इस योजना के प्रारंभ किए जाने से संबंधित सभी विधिक आवश्यकताएं एवं साथ ही इस संबंध में सरकार या अन्य किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देश, निर्देश आदि का विधिवत् अनुपालन किया गया है ;
- III. पेशकश दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरण सत्य, उचित एवं प्रस्तावित योजना में निवेश के लिए निवेशकों का सोच समझकर निर्णय लेने में सहायता देने के लिए पर्याप्त है ;
- IV. पेशकश दस्तावेज में उल्लिखित सभी बिंदुओं के लिए सेबी के साथ पंजीकृत हैं और आज की तिथि के अनुसार ऐसा पंजीकरण वैध है।

दिनांक : 17.05.99

स्थान : मुंबई

हस्ताक्षर

ह/-

नाम : बी एस पंडित

अनुपालन अधिकारी

मुहर के साथ

## III. परिभाषाएं

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो -

- (क) "स्वीकृति तिथि" का अर्थ ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा ट्रस्ट को प्रेषित आवेदन पत्र के संदर्भ में वह तिथि है जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है;
- (ख) "अधिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) से है;
- (ग) "वैकल्पिक आवेदक" का अर्थ नाबालिग के मामले में माता-पिता के अलावा उस माता-पिता से है जिन्होंने नाबालिग की ओर से आवेदन किया हो।
- (घ) "आवेदक" का अर्थ है वह व्यक्ति जो योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान में शामिल होने के लिए पात्र होगा, जो अवयस्क नहीं होगा और आवेदन पत्र में उल्लिखित वैकल्पिक आवेदक सहित जब मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों की बिक्री की गयी हो और प्लान के खण्ड IV के अंतर्गत आवेदन करता हो।
- (ङ.) योजना/प्लान की पांच वर्ष की अवधि "प्रारंभ होने की तिथि", 01 नवंबर 1999 है।
- (च) "पात्र संस्था" का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली, 1964 में यथापरिभाषित कोई पात्र ट्रस्ट है।
- (छ) फर्म, भागीदार और भागीदारी के अर्थ भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में दिए गए अर्थ हैं, परंतु अभिव्यक्ति भागीदार में कोई भी व्यक्ति सम्मिलित हो सकता है, जो नाबालिग हो और जिसे भागीदारी के लाभ प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया हो।
- (ज) सूचीबद्धता का अर्थ एनएसई के थोक ऋण खंड या अन्य कोई स्टॉक एक्सचेंज/खंड जैसा कि सेबी के अनुमोदन से निश्चित किया जाए पर व्यवसाय करने के प्रयोजन से यूनिटों का सूचीबद्ध किया जाना है।
- (झ) योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान में "सदस्य" के रूप में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का अर्थ और इसमें शामिल उस आवेदक से है, जिसे इस योजना में यूनिट आबंटित किए गए हों।
- (ञ) "मानसिक विकलांग व्यक्ति" का अर्थ वह व्यक्ति, जो ऐसी मानसिक अक्षमता से ग्रस्त हो, जो उसे जीवन के सामान्य कार्य करने से वंचित रखती हो।
- (ट) "अनिवासी भारतीय (एनआरआई)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रीयता/मूल के अनिवासियों से है। जैसा कि मूलतः अधिनियमित भारत सरकार अधिनियम, 1935 में परिभाषित है, किसी भी व्यक्ति को "भारतीय मूल का व्यक्ति" माना जाएगा यदि वह या उसके माता-पिता या पितामह-पितामही में से कोई भी, श्रेणी अथवा पूर्वज के रूप में कितना ही बड़ा क्यों न हो, चाहे पितृपक्ष या मातृपक्ष से हो, भारत में जन्मा हो/जन्मी हो।

- (ट) जारी समझे जानेवाले यूनिटों की संख्या" का अर्थ बेचे गए और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (ड) "विदेशी निगमित निकाय" (ओसीबी) के अंतर्गत विदेशी कंपनियां, भागीदारी फर्म, समितियां और अन्य निगमित निकाय जिनका कम से कम 60% तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के बाहर रहने वाले भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल के व्यक्तियों का हो तथा विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 60% लाभप्रद हित अप्रतिसंहरणीय रूप से ऐसे व्यक्तियों द्वारा धारित हो, शामिल हैं।
- (ढ) "व्यक्ति" में ऊपर यथापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है।
- (ण) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी सेवाएं ट्रस्ट द्वारा योजना के अंतर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए ली जा सकें।
- (त) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली, 1964 है।
- (थ) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अंतर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड।
- (द) "समिति" का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत स्थापित समिति या फिलहाल प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अन्य कोई समिति है।
- (ध) "ट्रेडिंग" का तात्पर्य यूनिटों के पहले आबंटन के बाद शेयर बाजार के जरिए यूनिटों के खरीद अथवा बिक्री में व्यवहार से है।
- (न) "यूनिट" का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर है।
- (प) "यूनिट पूंजी" का तात्पर्य फिलहाल यूनिट योजना के अंतर्गत निर्गत और शेष यूनिटों के अंकित मूल्य के योग से है।
- (फ) "यूनिट ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से है।
- (ब) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में दिये गये हैं।
- (भ) एक वचन वाले शब्दों में बहुवचन शामिल हैं और सभी पुल्लिंग संदर्भों में स्त्रीलिंग तथा एक में दूसरे के विपर्यय शामिल हैं।

## IV. जोखिम के तत्व

- ◆ म्यूचुअल फंड एवं प्रतिभूतियों में निवेश पर बाजार का जोखिम होता है। 01 नवंबर 2002 से 31 अक्टूबर 2004 के बीच किए गए पुनर्खरीद हेतु पूंजी की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है क्योंकि ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्य पर निर्भर होगा।
- ◆ जैसे प्रतिभूतियों में किए जाने वाले किसी भी निवेश में होता है, योजना के अंतर्गत जारी यूनितों का एनएवी पूंजी बाजार को प्रभावित करनेवाली शक्तियों एवं कारकों पर निर्भर करते हुए ऊपर या नीचे जा सकता है।
- ◆ पूर्व योजनाओं/प्लानों का कार्यनिष्पादन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का द्योतक नहीं है।
- ◆ मासिक आय प्लान 1999(II) केवल प्लान का नाम है और यह किसी भी प्रकार से प्लान की गुणवत्ता का संकेत नहीं देता है।
- ◆ सभी नियतकालिक योजनाओं के समान इसमें अनियमित सौदों का जोखिम एवं यूनितों के बाजार मूल्य के एनएवी पर बट्टा काटे जाने की संभावना होती है।
- ◆ **डेरिवेटिव्स :** ऑप्शन्स एवं फ्यूचर्स जैसे डेरिवेटिव्स प्रतिभूतियों में लेन-देन करना एक अत्यंत विशेषीकृत कार्य है एवं इसमें सामान्य निवेश के जोखिमों से कहीं अधिक जोखिम होता है। हालांकि प्लान का अभिप्राय केवल पोर्टफोलियो के बचाव के उद्देश्य के लिए ही डेरिवेटिव्स में लेन-देन करना है, इस खंड में समग्र बाजार बहुत ही अनिश्चित हो सकता है जो इस बाजार में अन्य प्रतिभागियों के कार्य के कारण है। डेरिवेटिव्स में लेन-देन की सफलता निधि प्रबंधक के बाजार की भावी प्रवृत्ति का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता पर निर्भर करती है और यदि निधि प्रबंधक अपने पूर्वानुमान में गलत होता है तो निधि का कार्यनिष्पादन, यदि यह निवेश योजना प्रयोग में न लाई गई होती तो जो रहा होता उसकी तुलना में घट गया होता।
- ◆ **विदेशी बाजारों में निवेश :** विदेशी बाजारों में निवेश की सफलता निधि प्रबंधक की बाजार की उन परिस्थितियों एवं जानकारियों का विश्लेषण करने की योग्यता पर निर्भर करता है जो भारतीय बाजारों से भिन्न हो सकती हैं। जैसा कि इसमें विदेशी बाजारों में परिचालन शामिल है, बाजार के जोखिमों के अलावा विनिमय दर के उतार-चढ़ाव के जोखिम भी हो सकते हैं।
- ◆ **स्टॉक उधार देना :** यह न्यून जोखिम के साथ प्लान के लिए अतिरिक्त आय जुटाने का साधन है। स्क्रिप्ट उधार दिए जाने की अवधि के दौरान बिक्री हेतु सुलभ स्टॉक की अनुपलब्धता के रूप में जोखिम हो सकता है।
- ◆ ट्रस्ट मासिक आय प्लान के अंतर्गत यूनित पूंजी में से आय अदा करने की प्रक्रिया अपना रहा है और जो सदस्य परिपक्वता अवधि से पहले ही यूनितों की पुनर्खरीद करते हैं, उनको इस प्रक्रिया के कारण कम एनएवी मिल सकती है। इसलिए, योजना की अवधि के दौरान, प्रतिफल यूनित पूंजी में से अदा किया जा सकता है और उस हद तक एनएवी कम हो जाएगी।

- ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा गारंटी प्रदान करने के आधार पर इस योजना के अंतर्गत आय का आश्वासन दिया गया है। डीआरएफ की गारंटी के साथ आश्वासित आय वाली 20 योजनाओं के अंतर्गत दिनांक 30.06.99 को 18235.58 करोड़ रुपये की निवेश योग्य निधियों के प्रति 31.08.99 को डीआरएफ की मात्रा 836.48 करोड़ रुपये थी। डीआरएफ की आस्तियों का करीब 61% इक्विटियों में है जबकि 38% आस्तियां मुद्रा बाजार लिखतों में एवं शेष ऋण लिखतों में हैं।

### V. यूनिटें एवं पेशकश

यह योजना मासिक आय योजना 1999(II) [एमआईएस '99(II)] कही जाएगी और इस योजना के अंतर्गत बनाया गया प्लान मासिक आय प्लान 1999(II) कहा जाएगा।

2. यह योजना पांच वर्ष की अवधि के लिए अर्थात् 1 नवंबर 1999 से 31 अक्टूबर 2004 तक के लिए होगी।
3. यूनिटों की बिक्री 27 सितंबर 1999 से 30 अक्टूबर 1999 तक 34 दिनों के लिए होगी। ट्रस्ट आरंभिक पेशकश अवधि को बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है, बशर्ते प्रारंभिक पेशकश अवधि 45 दिन से अधिक दिनों तक खुली न हो। बशर्ते, यूनिट ट्रस्ट के न्यासी मंडल की कार्यकारिणी समिति/अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने पर, स्टॉक एक्सचेंजों में व्यवसाय न होने पर या अन्य सामाजिक-आर्थिक कारणों से अखबारों में 7 दिन नोटिस देने के बाद या ऐसी पद्धति से जैसा ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाए, योजना के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री स्थगित कर सकता है।
4. इस योजना के अंतर्गत जारी किए गए प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य दस रुपये होगा।

#### 5. यूनिटों के लिए आवेदन :

यूनिटों के लिए आवेदन निवासियों और अनिवासियों द्वारा भी किये जा सकते हैं।

- (i) निवासी व्यक्ति (व्यक्तियों)/या अनिवासी (अनिवासियों) द्वारा एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त।
- (ii) निवासी या अनिवासी नाबालिग की ओर से माता-पिता, सौतेले माता-पिता या अन्य विधिक अभिभावक। बालिग और नाबालिग संयुक्त रूप से आवेदन नहीं कर सकते हैं।
- (iii) योजना में यथापरिभाषित पात्र संस्था, जिसमें अप्रतिसंहरणीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है।
- (iv) मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए कोई व्यक्ति।
- (v) योजना में यथापरिभाषित कोई समिति।

(vi) पंजीकृत सहकारी समिति।

(vii) कंपनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत निर्मित कंपनी सहित अन्य निगमित निकाय एवं बैंक।

(viii) निवासी या अनिवासी हिन्दू अविभक्त परिवार।

(ix) सेना/नौसेना/वायु सेना/पैरामिलिट्री निधियां।

(X) भागीदारी फर्म।

भागीदारी फर्म द्वारा आवेदन, फर्म के अधिकतम तीन सदस्यों द्वारा किया जाना चाहिए तथा ट्रस्ट सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए प्रथम नामित सदस्य को ही सदस्य के रूप में मान्यता देगा।

(XI) विदेशी निगमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वत्वाधिकार कम से कम 60% तक हो।

## 6. न्यूनतम निवेश राशि

मासिक एवं वार्षिक आय विकल्प के अंतर्गत आवेदन न्यूनतम रु. 10,000/- और संचयी विकल्प के अंतर्गत न्यूनतम रु. 5000/- के लिए किया जाना चाहिए। कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी। रु. 10/- के गुणकों में नहीं रहने वाले निवेश के लिए यूनिटों का आबंटन भिन्नांक में दशमलव के बाद तीन अंकों तक किया जाएगा। रु. 50,000/- और उससे अधिक निवेश के मामले में, अनिवासी सामान्य खाते के जरिए निवेश करने वाले निवासी या अनिवासी भारतीय को सलाह दी जाती है कि यदि उसका आयकर पीएन/जीआईआर संख्या है तो वह उसे तथा संबंधित आयकर सर्किल के पते का उल्लेख करे।

## 7. इश्यू की लक्ष्य राशि

योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपए की राशि की उगाही का लक्ष्य रखा गया है।

यदि लक्ष्य राशि का अभिदान न हो, तो योजना के अंतर्गत एकत्र की गई सम्पूर्ण राशि को यूनिटों की बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताह के भीतर ट्रस्ट द्वारा खाते में देय चेक/धन-वापसी आवेदों द्वारा धन वापस किया जाएगा। ऐसी परिस्थितियों में निवेशक स्वीकृति तिथि से योजना की समाप्ति की तिथि तक 10.50% प्र.व. की दर से आय वितरण प्राप्त करने का पात्र नहीं होगा। उक्त अवधि के भीतर राशि वापस न करने की स्थिति में यूनिटों की बिक्री बंद होने की तिथि के 43वें दिन से धन-वापसी की तिथि तक ट्रस्ट आवेदक को 15% प्रति वर्ष की दर से ब्याज का भुगतान करने का जिम्मेदार होगा।

## 8. सूचीबद्धता

योजना के अंतर्गत जारी यूनिट को एनएसई के थोक ऋण खंड या अन्य कोई स्टॉक एक्सचेंज/खंड, जैसा सेबी की अनुमति से निश्चित किया जाए, अभिदान बंद होने की तिथि से छः माह के भीतर सूचीबद्ध किया जाएगा। सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के विनियम 32 के अनुसार सेबी से योजना का अनुमोदन प्राप्त होने के तुरंत बाद शेयर बाजार को सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा। बिक्री योग्य 100 यूनिटों का लॉट प्रति यूनिट रु.10/- अंकित मूल्य का है।

## 9. सदस्यता सूचना

प्लान के अंतर्गत बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताहों के भीतर ट्रस्ट सदस्यता सूचना भेजेगा। सदस्य, जो यूनिट का अंतरण या स्टॉक एक्सचेंज के जरिए यूनिट बेचने का इच्छुक है और यदि वह सदस्यता सूचना के बदले में यूनिट प्रमाण-पत्र बिक्री योग्य लॉट या एकल प्रमाण-पत्र में चाहते हैं तो वे इस बात का उल्लेख करते हुए रजिस्ट्रार को लिखें। ऐसे अनुरोध प्राप्त होने की तिथि से 7 दिन के अंदर रजिस्ट्रार द्वारा यूनिट प्रमाणपत्र/प्रमाणपत्रों को जारी किया जाएगा।

अनिवासी भारतीय सदस्यता सूचना के स्थान पर सदस्यता सूचना या यूनिट प्रमाणपत्र/यूनिट प्रमाणपत्रों के प्रेषण के लिए निम्नलिखित में से किसी एक तरीके का चयन कर सकते हैं :

- (i) आवेदक के भारतीय/विदेशी पते पर  
या
- (ii) आवेदक के भारत में स्थित रिश्तेदार के पते पर  
या
- (iii) सुरक्षित अभिरक्षा हेतु उसके भारत स्थित बैंक को।

## 10. यूनिटों का अंतरण/गिरवी रखा जाना/समनुदेशन :

सदस्यता सूचना अंतरणीय/गिरवी रखे जाने योग्य/समनुदेशनीय नहीं है। सदस्य जो स्टॉक एक्सचेंज के जरिए यूनिट बेचने के इच्छुक हैं या यूनिट का अंतरण करना चाहते हैं वे उपरोक्त अनुच्छेद 9 में बताए गए अनुसार सदस्यता सूचना के स्थान पर यूनिट प्रमाणपत्र/प्रमाणपत्रों के लिए रजिस्ट्रार को लिखें। इस तरह जारी किया गया यूनिट प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तों के अधीन अंतरण/गिरवी रखे जाने/समनुदेशन के योग्य होगा :

- (i) 'उपरोक्त अनुच्छेद V(5) के अंतर्गत वर्शाए अनुसार निवेशकों की श्रेणियों के पक्ष में अंतरण होगा।
- (ii) यूनिटधारण करने की क्षमता रखनेवाले अंतरणकर्ता और अंतरिती के द्वारा और उनके मध्य अंतरण प्रभावकारी होगा। किसी अन्य अंतरण को मान्यता देने के लिए ट्रस्ट बाध्य नहीं होगा।
- (iii) विधिवत् मुहर लगा हुआ निर्विष्ट अंतरण विलेख संबंधित यूनिट प्रमाणपत्रों के साथ और अंतरण माह और उसके बाद के अनधुनाये गए आय वितरण वारंट (मासिक आय विकल्प के मामले में) तथा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्धारित शुल्क के साथ योजना के रजिस्ट्रार के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- (iv) प्रत्येक अंतरण लिखत पर अंतरणकर्ता संयुक्त धारिता के मामले में सभी अंतरणकर्ताओं द्वारा तथा अंतरिती के हस्ताक्षर होंगे और रजिस्ट्रार द्वारा अंतरिती का नाम धारकों के रजिस्टर में दाखिल करने तक अंतरणकर्ता को ही यूनिट का धारक समझा जाएगा।
- (v) अंतरणकर्ता के स्वत्वाधिकार या यूनिटों का अंतरण करने के उसके अधिकार के समर्थन में रजिस्ट्रार ऐसा कोई सबूत मांग सकते हैं जो उन्हें आवश्यक लगे।



- (vi) यदि यूनिट प्रमाणपत्र खो गया हो, चुरा लिया गया हो, नष्ट हो गया हो तो कुछ अपेक्षाओं, जिन्हें रजिस्ट्रार जरूरी समझे, को पूरा करने के बाद मूल यूनिट प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के संबंध में रजिस्ट्रार छूट देंगे।
- (vii) यूनिटों के अंतरण का पंजीकरण होने पर अंतरण के सभी लिखत और यूनिट प्रमाणपत्र रजिस्ट्रार के पास रहेंगे।
- (viii) अंतरण को मान्यता देने वाले तथा पंजीकृत करनेवाले रजिस्ट्रार, उक्त अंतरण एवं प्रमाणपत्रों तथा वारंटों को जारी करने के संबंध में देय प्रभारों की अदायगी तथा वसूली के बाद, मूल या नया यूनिट प्रमाणपत्र और आय वितरण वारंट, यदि कोई हों (मासिक आय विकल्प के मामले में) अंतरिती को जारी करेंगे।
- (ix) यदि कोई अंतरिती अधिकारिक क्षमता के कारण, विधि के परिचालन से या गिरवी लागू होने पर अनुसूचित बैंक यूनिटों का धारक बन जाता है तो इच्छुक अंतरिती यूनिटों के धारण के लिए अन्यथा पात्र होने पर रजिस्ट्रार ऐसे साक्ष्य जिसे पर्याप्त समझें, के प्रस्तुतीकरण के अधीन अंतरण प्रभावी करेंगे।
- (x) कंपनी या किसी अन्य कंपनी के साथ कोई निगमित निकाय अथवा निगमित निकाय या कोई व्यक्ति, जिनमें से कोई भी नाबालिग न हो, यूनिटों के धारण करने हेतु विशेष परिस्थितियों में ट्रस्ट द्वारा विचार किया जाएगा।
- (xi) इसमें ऊपर उल्लिखित प्रावधानों के अधीन ट्रस्ट अंतरण को पंजीकृत करेगा और आय वितरण वारंट के साथ यूनिट प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, संबंधित अंतरण लिखत के साथ यूनिट प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर अंतरिती को वापस करेगा। संयुक्त अंतरितियों के मामले में यूनिट प्रमाणपत्र और यूनिट प्रमाणपत्र के संबंध में सभी भुगतान केवल पहले सदस्य के नाम में किया जाएगा।

#### 11. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति/रोल ओवर/समापन

- (i) योजना 31/10/2004 को समाप्त हो जाएगी, सदस्यों के बकाया यूनिटों का प्रतिदान किया जाएगा और सदस्यों को उनके यूनिटों के मूल्य की अदायगी ट्रस्ट द्वारा निर्धारित प्रतिदान मूल्य पर की जाएगी। प्रतिदान एनएवी या रु. 10/-, जो भी अधिक हो, पर होगा। डीआरएफ इस पूंजी की सुरक्षा की गारंटी देगा। 01 नवंबर 2002 से 31 अक्टूबर 2004 के बीच किए गए पुनर्खरीद हेतु ऐसी कोई गारंटी नहीं है और ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य प्रचलित एनएवी पर आधारित होगा। उपरोक्तानुसार निर्धारित पुनर्खरीद/प्रतिदान मूल्य प्राप्त करने के अलावा पुनर्खरीद/प्रतिदान मूल्य में वृद्धि के रूप में या पुनर्खरीद/प्रतिदान की तिथि के पश्चात्पूर्ति अवधि हेतु आप के रूप में किसी भी प्रकार का कोई लाभ सदस्यों को उपार्जित नहीं होगा।
- (ii) फिर भी, ट्रस्ट, सेबी की पूर्व अनुमति से इस योजना को 5 वर्ष एवं सात माह से आगे बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ऐसी स्थिति में सदस्यों को विकल्प दिया जाएगा कि या तो वे यूनिटों को वापस ट्रस्ट को बेच दें अथवा इस योजना में बने रहें। ट्रस्ट द्वारा निवेशक को यह विकल्प भी दिया जा सकता है कि वह पुनर्खरीद की राशि को आरंभ की गई अथवा उस समय परिचालन में रहने वाली किसी भी योजना में परिवर्तित कर सके।

5 वर्ष से अधिक योजना की अवधि में विस्तार सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली 1996 के विनियम 33 के उप-विनियम 4 के अनुसार होगा। उप विनियम के प्रावधान हैं :

“एक नियतकालिक योजना परिपक्वता अवधि के उपरान्त पूरी तरह उन्मोचित होगी।

बशर्ते, नियतकालिक योजना को रोल-ओवर की अनुमति दी जाएगी यदि रोल-ओवर के उद्देश्य, अवधि एवं अन्य शर्तें एवं रोल-ओवर के तुरंत पहले आस्तियों का संभावित निपटान सहित योजना की महत्वपूर्ण जानकारीयां, शुद्ध आस्तियां एवं योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य का प्रकटीकरण यूनिटधारकों को और इसकी एक प्रति सेबी को भेजी गई हो।

इसके अतिरिक्त बशर्ते केवल उन्हीं यूनिटधारकों के मामले में रोल-ओवर की अनुमति दी जाएगी जिन्होंने लिखित में अपनी सहमति दी हो एवं जो यूनिटधारक रोल-ओवर का विकल्प नहीं चुनते हैं या लिखित सहमति नहीं देते हैं उन्हें शुद्ध आस्ति मूल्य पर अपनी धारिताओं का मोचन करने की अनुमति दी जाएगी।”

(iii) ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान को निम्नलिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है :

(क) योजना के पांच वर्ष पूरे होने पर अर्थात् 31 अक्तूबर, 2004 को अथवा पांच वर्ष के आगे ऐसी तारीख की समाप्ति पर जो ट्रस्ट द्वारा यथानिर्धारित हो।

(ख) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे ट्रस्ट की राय में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या

(ग) प्लान के 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का संकल्प पारित करने पर ; या

(घ) प्लान के सदस्यों के हित में सेबी ऐसा करने के लिए निर्देश दें।

(iv) जहां उपर्युक्त उप खण्ड (iii) के मद (ख), (ग) व (घ) के अनुसरण में योजना की समाप्ति की जाती है, तो ट्रस्ट को योजना को समाप्त करने वाले कारणों की सूचना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेबी को और अखिल भारतीय स्तर पर परिचालित होने वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में और मुंबई में एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देगा।

(v) समाप्ति संबंधी विज्ञापन की तिथि को और उस तिथि से ट्रस्ट -

(क) इस योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक क्रियाकलाप नहीं करेगा।

(ख) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों को उत्पन्न और रद्द करना बंद करेगा।

(ग) इस योजना में यूनिटों को जारी करना और यूनिटों का प्रतिदान भी बंद करेगा।

- (vi) न्यासी मंडल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जाएगा तथा साधारण बहुमत से आवश्यक संकल्प पारित किया जाएगा और बैठक में मतदान द्वारा न्यासियों अथवा किसी अन्य व्यक्ति को योजना की समाप्ति हेतु कदम उठाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

परन्तु यदि योजना परिपक्वता अवधि के पूरा होने पर समाप्त की जाती है तो बैठक आवश्यक नहीं होगी।

- (vii) (क) न्यासी मंडल या योजना के उप खंड (vi) के अन्तर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना से संबंधित आस्तियों को योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में निपटाएगा।

- (ख) ऊपर दिए गए उप खण्ड (vii)(क) के अनुसार की गई बिक्री की राशि को पहले दृष्टान्त में, योजना के अंतर्गत ऐसी देयताओं के उन्मोचन के लिए उपयोग किया जाएगा जो उचित रूप से देय हों और ऐसी समाप्ति से संबंधित व्ययों को चुकाने के लिए उचित प्रावधान करने के बाद समाप्ति का निर्णय लेने वाली तिथि को योजना की आस्तियों में यूनिट धारकों के हित के समानुपात में उन्हें शेष राशि का भुगतान किया जाएगा।

- (viii) समाप्ति पूरी होने पर, ट्रस्ट सेबी और सदस्यों को समाप्ति के बारे में एक रिपोर्ट प्रेषित करेगा जिसमें ऐसी परिस्थितियां, जिनके कारण योजना समाप्त हुई, समाप्ति से पूर्व योजना की आस्तियों के निपटान के लिए उठाए गए कदम, समाप्ति के लिए किया गया योजना का व्यय, सदस्यों को वितरण के लिए उपलब्ध शुद्ध आस्तियां और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाणपत्र भेजेगा।

- (ix) इसमें ऊपर दी गई किसी भी बात के बावजूद, जब तक योजना समाप्त न हो जाए या समापन की कार्यवाही पूरी न हो जाए, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के प्रावधान, अर्धवार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए लागू रहेंगे।

- (x) उपरोक्त खण्ड (viii) में संदर्भित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि सेबी संतुष्ट हो जाता है कि योजना समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गयी है, तो योजना समाप्त हो जाएगी।

- (xi) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्र के साथ सदस्यता सूचना/विधिवत् रूप से उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर और अन्य प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने पर यथाशीघ्र पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा। सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र पुनर्खरीद के लिए प्राप्त अनुरोध पत्र और अन्य फार्म, यदि कोई हों, ट्रस्ट द्वारा रद्दकरण के लिए रख लिए जाएंगे।

- (xii) अनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद/प्रतिदान राशियां या निवेश के स्रोत पर निर्भर करते हुए निम्नानुसार विप्रेषित की जाएंगी :

- क. जब यूनिटों की खरीद विदेश से विप्रेषित विदेशी मुद्रा से की गई हो अथवा सदस्य की एफसीएनआर जमाओं की राशि से की गई हो अथवा सदस्य के भारत में स्थित बैंक के अनिवासी बाह्य खाते (एनआरई) में धारित निधियों से की गई हो तो प्राप्तियां, सदस्य को विदेशी मुद्रा में विप्रेषित की जा सकती हैं या एनआरई खाते या अनिवासी सामान्य (एनआरओ) खाते में क्रेडिट किया जा सकता है अथवा भारत स्थित उसके रिश्तेदार को भुगतान किया जा सकता है।

- ख. जब यूनिटों की खरीद तब की गई हो जब आवेदक भारत का निवासी था या सदस्य के एनआरओ खाते में धारित निधियों से की गई हो तो परिपक्वता प्राप्ति या तो निवेशक के भारत स्थित बैंक को उसके एनआरओ खाते में क्रेडिट करने या भारत में निवेशक के रिश्तेदार को प्रेषित किया जाएगा।

## VI. व्यय

- 1) (i) योजना के प्रारंभिक निर्गम खर्चों का अनुमान निम्नानुसार है :

मद	योजना के अंतर्गत उगाही गई निधियों का %
मुद्रण और डाक	1.50
प्रचार, मार्केटिंग और विक्रय संवर्धन	3.25
रजिस्ट्रारों का प्रभार	0.50
बैंक प्रभार	0.25
स्टाम्प शुल्क	0.50
योग	6.00

फिर भी, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के अनुसार कुल आरंभिक निर्गम व्ययों के रूप में कुल व्यय एकत्र निधि की 6% की सीमा के भीतर होंगे। इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किए गए प्रत्येक रुपये में से कम से कम 94 पैसे का इस योजना में निवेश किया जाएगा।

- (ii) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्रारंभ की गई योजनाओं का प्रारंभिक निर्गम व्यय इस प्रकार है :

योजना	व्यय (एकत्रित निधि का %)
एमआईपी-98(III)	2.81
एमआईपी-98(IV)	2.95
आईआईएसएफयूएस 98(II)	0.14
एमआईपी-98(V)	3.06
एमईपी-99	34.08
सीजीजीएफ (पुनःआरंभ)	7.82
आरयूपी (पुनःआरंभ)	9.40
एमआईपी-99	2.38
जीएसएफ ब्रांड वैल्यू	5.55
जीएसएफ फार्मा	4.84
जीएसएफ सॉफ्टवेयर	4.83
जीएसएफ पेट्रो	4.85
जीएसएफ सर्विसेज	4.89

- (iii) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्रारंभ की गई योजनाओं के संबंध में ट्रस्ट द्वारा वहन किए गए व्यय (डीआरएफ द्वारा प्रभारित) इस प्रकार हैं :

योजना	व्यय (एकत्रित निधि का %)
एमईपी 99	28.08

- 2(i) आवर्ती व्यय : आरंभिक निर्गम व्ययों के अतिरिक्त, आवर्ती आधार पर योजना में निम्नलिखित व्यय प्रभारित किए जाएंगे। अनुमानित वार्षिक आवर्ती व्यय निम्नानुसार हैं :

व्यय	औसत साप्ताहिक एनएवी का %
प्रशासनिक व्यय	0.90
अभिरक्षण शुल्क	0.50
डीआरएफ में अंशदान	0.25
कर्मचारी कल्याण निधि	0.10
रजिस्ट्रारों के लिए शुल्क	0.50
योग	2.25

- (ii) उपरोक्त व्यय अनुमानित हैं और वास्तविक रूप से किए गए व्ययों के साथ परिवर्तित किए जाने के अधीन हैं।
- (iii) योजना का कुल वार्षिक आवर्ती व्यय, आरंभिक निर्गम व्ययों एवं प्रतिदान व्ययों के परिशोधन को छोड़कर परंतु प्रशासनिक व्ययों, विकास प्रारक्षित निधि और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान को सम्मिलित करते हुए निम्नलिखित सीमा के अधीन होंगे :

- (क) योजना की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों के प्रथम 100 करोड़ रुपये पर - 2.25%
- (ख) योजना की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों के अगले 300 करोड़ रुपये पर - 2.00%
- (ग) योजना की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों के अगले 300 करोड़ रुपये पर - 1.75%
- (घ) योजना की आस्तियों के शेष पर - 1.50%

- (iv) प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान एवं कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान, सेबी (एमएफ) विनियम, 1996 के विनियम 52 के खण्ड 2 के अंतर्गत उल्लिखित सीमा से अधिक नहीं होंगे, नामतः

- (क) योजना के लिए प्रत्येक लेखा वर्ष में बकाया साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्तियों का संचा प्रतिशत जब तक कि शुद्ध आस्तियां 100 करोड़ रुपये से अधिक नहीं हो जाती, और
- (ख) 100 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त राशि का एक प्रतिशत, जहां इस प्रकार परिगणित शुद्ध आस्तियां 100 करोड़ से अधिक हों।

(3) सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली अधिनियम, 1996 के अनुसार, यूटीआई निवेश-प्रबंधन एवं परामर्श शुल्क नहीं लेता है। तथापि, यूटीआई द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्गम पूर्व व्यय एवं वार्षिक आवर्ती व्यय, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के विनियम 52 के अंतर्गत दर्शाई गई सीमा के भीतर ही हों।

#### (4) विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंशदान

- (i) साप्ताहिक औसत शुद्ध अस्ति मूल्य का 0.25% प्र.व. ट्रस्ट के डीआरएफ में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। डीआरएफ अंशदान आवर्ती व्यय का अंश होगा।
- (ii) ट्रस्ट ने इस निधि की स्थापना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि ट्रस्ट नई योजनाओं को लागू करने के संबंध में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अवधारणा के स्तर पर प्रवर्तन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत से अन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े अथवा संबंधित न हों, पर होने वाले व्ययों को पूरा कर सके। इस निधि का उपयोग आर्थिक और पूंजी बाजार अनुसंधान, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंधान, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट के छवि निर्माण संबंधी ऐसे प्रयासों जो किसी विशेष योजना से जुड़े हुए न हों तथा मानव संसाधन विकास संबंधी प्रयासों जिनका दीर्घकालिक प्रभाव हो और जो ट्रस्ट के भविष्य के कार्यकलापों से संबंधित हों, तथा ट्रस्ट की किन्हीं भी योजनाओं में दिए गए आश्वासित प्रतिफल की वर में कमी साथ ही भारहीन योजनाओं हेतु निर्गम व्ययों की पूर्ति करने के लिए भी किया जा सकता है।

#### (5) कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान

औसत शुद्ध अस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारी कल्याण न्यास की स्थापना अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए की है जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सा सहायता, स्वास्थ्य सहायता अथवा इसी प्रकार के अन्य प्रयोजन शामिल हैं।

### VII. यूनिटों की बिक्री

#### 1. बिक्री संविदा/सदस्यता सूचना जारी करना

(क) पेशकश की अवधि के दौरान यूनिटों की बिक्री सममूल्य पर होगी। ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री-संविदा, स्वीकृति तिथि को पूरी हुई समझी जाएगी। बिक्री-संविदा पूर्ण होने पर ट्रस्ट यथाशीघ्र आवेदक को सदस्यता सूचना जारी करेगा। ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्था, फर्म या निगमित निकाय को जारी सदस्यता सूचना पात्र संस्था/फर्म/निगमित निकाय के नाम से जारी किया जाएगा। इस प्रकार प्रेषित सदस्यता सूचना के खो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत डिलिवरी या डिलिवरी नहीं होने का कोई वायित्व ट्रस्ट पर नहीं होगा।

(ख) गैर-व्यक्तिगत आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ केवल यूटीआई कार्यालयों में स्वीकार किए जाएंगे।

(ग) ट्रस्ट, प्लान के अंतर्गत बिक्री बंद होने की तिथि से 6 हफ्तों के भीतर सदस्यता सूचना भेजेगा।

## 2. भुगतान विधि

(क) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। यदि आवेदन यूटीआई के शाखा कार्यालयों में जमा किए जाएं, तो चेक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की शाखा पर आहरित किए जाएं, जिस शहर में स्थित शाखा कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।

लेकिन, जहां वैयक्तिक निवेशक ट्रस्ट के शाखा कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष अधिकृत कार्यालय वाले स्थान से भिन्न स्थान से आवेदन करता है तो उसे ट्रस्ट के शाखा कार्यालय को आवेदन बैंक ड्राफ्ट के साथ बैंक ड्राफ्ट में से बैंक ड्राफ्ट क्रय करने हेतु रु. 25/- तक का बैंक प्रभार या वास्तविक खर्च की गई राशि, जो भी कम हो, घटाकर भेजना चाहिए। ऊपर बताए गए अनुसार वैयक्तिक निवेशक द्वारा रु. 25/- से अधिक अदा किया गया बैंक ड्राफ्ट कमीशन प्रभार, निवेशक को स्वयं वहन करना होगा। संग्रहण केंद्र/फ्रेन्चाइस कार्यालय/एजेंसी बैंक स्थानीय देय चेक या यूटीआई की संबंधित शाखा कार्यालय पर देय डिमांड ड्राफ्ट के साथ आवेदन स्वीकार करने हेतु प्राधिकृत हैं, जिसमें वैयक्तिक निवेशक रु. 25/- की सीमा तक या उसके द्वारा वास्तविक खर्च की गई राशि, जो भी कम हो, काट सकता है। ड्राफ्ट कमीशन प्रभार प्लान के आरंभिक निर्गम व्ययों का एक अंश होगा।

(ख) जहां बैंक ड्राफ्ट का भुगतान गैर वैयक्तिक आवेदक द्वारा किया जाता है, वहां बैंक ड्राफ्ट हेतु कमीशन प्रभार आवेदक को स्वयं वहन करना होगा।

(ग) किंतु, जहां ट्रस्ट के शाखा कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष विक्री कार्यालय है और आवेदन स्थानीय बैंक ड्राफ्ट के साथ मिला है तो बैंक ड्राफ्ट कमीशन निवेशक को ही वहन करना होगा।

(घ) यदि भुगतान चेक/ड्राफ्ट द्वारा किया जाए तो आवेदन प्राप्ति की तिथि, ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केंद्र द्वारा आवेदन प्राप्ति की तिथि होगी, बशर्ते चेक की वसूली हो।

(ङ) यदि इस प्लान के अंतर्गत आवेदन राशि न्यूनतम निवेश से कम है, तो सम्पूर्ण राशि ट्रस्ट द्वारा यथोचित रीति से आवेदक को उसके खर्चों पर वापस लौटा दी जाएगी।

(च) अनिवासी भारतीय (एनआरआई)/विदेशी निगमित निकाय(ओसीबी) संभवतः अपने आवेदन एनआरआई शाखा, मुंबई या यूटीआई की किसी भी शाखा में एनआर(ई)/एनआर(ओ) चेक या रुपए में ड्राफ्ट के साथ उस स्थान पर देय जहां आवेदन स्वीकार किए जाते हैं, पर प्रस्तुत करें।

## 3) प्रत्यावर्तन लाभों के साथ निवेश की भुगतान विधि

एनआरआई/ओसीबी द्वारा किए गए निवेश पर प्रत्यावर्तन का अधिकार निवेशित पूंजी और उस पर अर्जित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि कोई हो) पर तब तक होगा जब तक निवेशक भारत के बाहर का निवासी बना रहता है। इन स्थितियों में निवेश निम्नलिखित विधियों में से किसी एक के माध्यम से किया जा सकता है :

(क) विदेश में परिचालित बैंक/विनिमय गृह द्वारा यूटीआई के पक्ष में रुपये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय संपर्ककर्ता बैंकों पर आहरित हो।

(ख) भारत स्थित बैंक में निवेशक द्वारा कायम रखे गए एनआरआई खाते पर आहरित चेक द्वारा।

- (ग) निवेशक के एफसीएनआर जमाओं की राशि से जारी किए गए चेक/ड्राफ्ट द्वारा।
- (घ) नेपाल व भूटान की मुद्राओं में भुगतान स्वीकार नहीं किया जाता है।

#### 4) प्रत्यावर्तन लाभों के बिना निवेश की भुगतान विधि

(क) जहां एनआरओ खाते में धारित निधियों का उपयोग यूनिटों की खरीद के लिए किया जाता है तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और पूंजी वृद्धि (यदि कोई हो), भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के लिए योग्य नहीं होगी। इसी प्रकार निवेशक के भारत का निवासी रहने के दौरान रुपए में खरीदे गए यूनिट में निवेश और तत्पश्चात् उसके अनिवासी हो जाने पर यूनिटों का बिक्री प्रतिफल प्रत्यावर्तन के योग्य नहीं होगा।

(ख) भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपत्र ए.डी. (एम.ए.शृंखला) सं. 18 के अनुसार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरांत अर्जित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होगी। इन मामलों में यूटीआई एनआरओ खाते में जमा करने के लिए रुपये में अदायगी करेगा। निवेशकों को यह सूचना दी जाती है कि यदि वे यूनिटों पर आय वितरण का विदेश में विप्रेषण चाहते हैं तो अपने बैंक/कर सलाहकार से संपर्क करें।

#### 5. पात्र संस्थाओं, नाबालिगों और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदक आदि द्वारा आवेदन और प्लान के सदस्य के रूप में पंजीकरण :

- (i) पात्र संस्थाएं, निगमित निकाय और समितियां (सहकारी समितियों सहित) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जाएंगी।
- (ii) पात्र संस्थाओं, निगमित निकायों या समितियों से जब कभी अपेक्षा की जाएगी, उन्हें यूनिट में निवेश करने की आवेदक की क्षमता से संबंधित सभी दस्तावेज, जैसे संस्था के अंतर्नियम और बहिर्नियम उप-नियम आदि, प्रबंध निकाय द्वारा यूनिट में निवेश हेतु प्राधिकृत करने के लिए पारित संकल्प की प्राधिकृत प्रति और अपेक्षित मुख्तारनामा की प्रति ट्रस्ट के समक्ष पेश करनी होगी।
- (iii) वयस्क, जो किसी नाबालिग का माता-पिता, सौतेला माता-पिता या विधिक अभिभावक है, अधिनियम की धारा 21 की उपधारा (2ए) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख सकता है और क्रय-विक्रय कर सकता है। अपेक्षानुसार ऐसा वयस्क ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से नाबालिग की उम्र और नाबालिग की ओर से यूनिट रखने तथा क्रय-विक्रय करने की क्षमता का प्रमाणपत्र ट्रस्ट के समक्ष पेश करेगा। आवेदन में ऐसे वयस्क द्वारा किये गये कथन के अनुसार बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।
- (iv) जहां किसी व्यक्ति द्वारा मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदन किया जाए वहां ट्रस्ट प्रस्तुत कथन के आधार पर कार्य करेगा और ऐसा करने में यह समझा जाएगा कि ट्रस्ट सद्भावपूर्वक कार्य कर रहा है। ट्रस्ट को हक होगा कि वह केवल आवेदक के साथ व्यवहार करे और उसकी मृत्यु की स्थिति में सभी व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करे तथा उक्त आवेदक या वैकल्पिक आवेदक को ट्रस्ट द्वारा यूनिट के संबंध में किया गया भुगतान ट्रस्ट के लिए सही उन्मोचन माना जाएगा।



- (V) फर्म को सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र फर्म के नाम से बनाया जाएगा।

## 6. आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकार :

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक के अनुसार योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके। ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिटें जारी करने हेतु आवेदन अस्वीकृत कर सकता है :

- (i) यदि आवेदन यथास्थिति रु. 10,000/- या रु. 5,000/- की न्यूनतम निवेश राशि से कम के लिए प्राप्त हुआ हो।
- (ii) यदि आवेदन, पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो।
- (iii) यदि आवेदक, योजना में निवेश करने के लिए पात्र न हो। योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।
- (iv) आवेदन अपूर्ण पाये जाने पर अस्वीकृत कर दिया जाएगा और बिना किसी ब्याज या अन्य राशि के, चाहे जो भी हो, बिना किसी देयता के वह वापस लिए जाने के योग्य होगा।
- (v) प्रथम आवेदक के बैंक विवरण के बिना कोई भी आवेदन, अस्वीकार किए जाने के योग्य होगा।  
अस्वीकार किए गए ऐसे मामलों में धन-वापसी ब्याज या अन्य कोई राशि, चाहे जो भी हो, बिना किसी देयता के आवश्यक परिचालनगत एवं प्रक्रियागत औपचारिकताओं के बाद किया जाएगा।

## 7. यूनिट जारी होने से पहले आवेदक को योजना के अंतर्गत अपेक्षाओं को पूरा करना होगा

(क) नाबालिग/मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति की तरफ से योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिटों के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को आवेदन करने की अपनी पात्रता के बारे में ट्रस्ट को संतुष्ट करना होगा और ट्रस्ट की सभी अपेक्षाएं, जैसे नाबालिग की ओर से प्राप्त आवेदन पत्र के मामले में जन्म प्रमाणपत्र/मानसिक विकलांगता के मामले में मनोचिकित्सक या नेत्र चिकित्सक का प्रमाणपत्र, पूरी करनी होंगी।

(ख) भागीदारी फर्मों/सहकारी समितियों/निगमित निकायों/कंपनियों जैसे निकायों की तरफ से यूनिटों के लिए आवेदन के साथ भागीदारी संलेख की प्रमाणित प्रति/समिति के उप-नियम/निगमित निकायों को शासित करने वाला अधिनियम/योजना में निवेश करने हेतु प्रबंध समिति के संकल्प के साथ कंपनी के अंतर्नियम एवं बहिर्नियम प्रस्तुत करने होंगे। यूनिटों की पुनर्खरीद के समय, पुनर्खरीद हेतु अधिकृत करने वाला समिति का संकल्प एवं औपचारिकताओं को अनुपालन के लिए निकाय के संबंधित अधिकारी/(अधिकारियों)को पुनर्खरीद चेक को स्वीकार करने के प्राधिकार को प्रस्तुत करना होगा।

(ग) गलत घोषणा करके यूनिट रखने वाला व्यक्ति अपनी सदस्यता के निरस्तीकरण का भागी होगा और उसका नाम सदस्यों की पंजी से काट दिया जाएगा।

(घ) उपरोक्त मामलों में ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसी स्थिति में 25% वण्ड के तौर पर घटाने के बाद सममूल्य या एनएवी पर, जो भी कम हो पर या ट्रस्ट द्वारा निर्धारित मूल्य पर यूनिटों की पुनर्खरीद करे और गलती से भुगतान किये गये आय वितरण की वसूली पुनर्खरीद राशि से करे और शेष वापस करे। पुनर्खरीद करने और आवेदक को पुनर्खरीद राशि भेजने में ट्रस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।

## 8. सदस्यों द्वारा नामांकन

- (i) नामांकन सुविधा केवल अपनी ओर से आवेदन करने वाले व्यक्तियों अर्थात् एकल या संयुक्त रूप से दो तक के लिए उपलब्ध है।
- (ii) आवेदक एक व्यक्ति को नामित कर सकते हैं।
- (iii) अवयस्क तथा अनिवासी भारतीय भी नामित किए जा सकते हैं।
- (iv) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गये दिशानिर्देशों के अनुसार अनिवासी भारतीय नामित किए जा सकते हैं।
- (v) प्लान के चालू रहने के दौरान आवेदक किसी भी समय नामांकन में परिवर्तन कर सकता है।
- (vi) सदस्य जो नाबालिग की ओर से माता-पिता या विधिक अभिभावक हों तथा पात्र संस्था, समिति, निगमित निकाय, एचयूएफ, भागीदारी फर्म और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिट हेतु आवेदन करने वाले आवेदक को नामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।
- (vii) अन्य प्रावधान विनियमों में उपलब्ध कराई गई सीमा तक रहेंगे।
- (viii) भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 39ए के अंतर्गत सदस्य को सांविधिक नामांकन की सुविधा उपलब्ध है। तदनुसार, जहां यूटीआई सामान्य विनियम, 1964 के अनुसार किसी यूनिट के संदर्भ में नामांकन किया गया है, सदस्य की मृत्यु के उपरांत सदस्य को देय राशि पर अधिकार उसी का होगा तथा किसी अधिकार, स्वत्वाधिकार, दावा तथा अन्य व्यक्ति के हित की शर्तों के अधीन या उपरोक्त यूनिटों के संदर्भ में ऐसे विनियमों में उल्लिखित एवं उपरोक्त यूनिटों के संदर्भ में किसी प्रभार या किसी बाधा की शर्त के अधीन नामिती को देय होगा। उपरोक्त के अनुसार न्यास द्वारा किया गया भुगतान उपरोक्त यूनिटों के संदर्भ में ट्रस्ट को सभी देयताओं से पूर्ण रूपेण मुक्त होगा।

### VIII. यूनिटों की पुनर्खरीद

1. प्लान के अंतर्गत यूनिटों की पुनर्खरीद प्लान के आरंभ होने के तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 नवंबर, 2002 से सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत आरंभ होगी। योजना और उसके अंतर्गत बनाए प्लान के अंतर्गत पहले तीन वर्ष के दौरान मृत्यु संबंधी दावों के निपटान के मामले छोड़कर कोई पुनर्खरीद नहीं की जाएगी। पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के एनएवी पर (पूर्ववर्ती आधार पर) आधारित होगा और उसे प्लान के आरंभ होने की तारीख से छः माह पश्चात् अर्थात् 01.05.2000 को तथा उसके बाद साप्ताहिक आधार पर समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा। सप्ताह के लिए मान्य पुनर्खरीद मूल्य (सोमवार से रविवार) पिछले सप्ताह के बुधवार के एनएवी पर आधारित होगा। पुनर्खरीद मूल्य परिकलित करते समय ट्रस्ट को प्रशासनिक लागत और अन्य प्रभार, जो प्रति यूनिट एनएवी के 5% से अधिक न हों, की कटौती करने की स्वतंत्रता होगी।

#### 2. मासिक आय विकल्प

- (i) पुनर्खरीद, सादे कागज पर अनुरोध पत्र के साथ जो सभी धारकों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो, एवं एक अन्य व्यक्ति, जिसका नाम, पेशा और पता दिया गया हो, के साक्ष्य सहित, सदस्यता सूचना/विधिवत् उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर, प्रभावी होगी।
- (ii) आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, बशर्ते सदस्य द्वारा न्यूनतम शेष रु. 10,000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए।
- (iii) पुनर्खरीद के लिए आवेदन करते समय सदस्य को पुनर्खरीद माह सहित तथा उसके बाद के महीनों के बचे हुए शेष अनभुनाए हुए आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपने होंगे।
- (iv) मासिक आधार पर प्रदत्त पूरे वर्ष के आय वितरण के हकदार बनने के लिए सदस्य को यूनिट पूरे वर्ष तक रखने होंगे। वर्ष के किसी भाग के लिये यूनिट रखनेवाला सदस्य केवल धारण अवधि के लिये, जो हमेशा पूर्ण अंग्रेजी कैलेंडर मास की होगी, आनुपातिक आय वितरण प्राप्त करने का हकदार होगा और माह के भाग को, चाहे वह कितने भी दिन का क्यों न हो, हमेशा छोड़ दिया जाएगा।
- (v) पूर्ण रूप से पुनर्खरीद की स्थिति में, ट्रस्ट पुनर्खरीद के अनुरोध पत्र सहित सदस्यता सूचना/विधिवत् उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर स्वीकृति के महीने या भावी महीने के लिए यूनिट पर आय वितरण का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा और न ही पुनर्खरीद की प्राप्ति पर कोई ब्याज देय होगा।
- (vi) प्राप्त सभी दस्तावेज और अनभुनाए आय वितरण वारंट, यदि कोई हों, निरस्तीकरण के लिये ट्रस्ट द्वारा रख लिये जाएंगे।
- (vii) पूर्ववर्ती उप-खण्डों में अन्तर्विष्ट किसी बात के बावजूद, ट्रस्ट यूनिटों की पुनर्खरीद करते समय, सदस्य द्वारा उस समय तक बकाया आय वितरण वारंटों को अभ्यर्पित नहीं करने की स्थिति में ट्रस्ट, पुनर्खरीद राशि में से आय वितरण वारंटों पर भविष्य में देय राशि जो अभ्यर्पित नहीं किए गए, घटाकर सदस्य को शेष राशि का भुगतान करने के लिए स्वतंत्र होगा। ट्रस्ट को सदस्यता सूचना और पुनर्खरीद का अनुरोध पत्र/विधिवत् उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाने के बाद तथा पूर्ण पुनर्खरीद की स्थिति में सदस्य को स्वीकृति माह के आय वितरण सहित भावी आय वितरण प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा और ऐस बकाया आय वितरण की राशि का दावेदार ट्रस्ट होगा।

- (viii) आंशिक पुनर्खरीद की स्थिति में, अपने पास रखे जानेवाले यूनिटों की संख्या पर निर्भर करते हुए सदस्य को नयी सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र और स्वीकृति माह सहित शेष अवधि के लिए आय वितरण वारंटों का नया सेट जारी किया जाएगा। पुनर्खरीद राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।
- (xi) सदस्य/सदस्यों की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधिक प्रतिनिधि या नामिती द्वारा सदस्यता सूचना/ यूनिट प्रमाणपत्र, पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्र और बकाया अनभुनाए आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपे जाने के बाद वह (ट्रस्ट) दावे की मान्यता संबंधी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर अपने नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार इसमें ऊपर उपखण्ड (iv) और (vii) में यथावर्णित रूप में यूनिटों की पुनर्खरीद करेगा और दावे की निपटान तिथि तक के बकाया मासिक आय वितरण का आनुपातिक भुगतान करेगा।

### (3) वार्षिक एवं संचयी विकल्प

आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, बशर्ते सदस्य द्वारा वार्षिक आय विकल्प के अंतर्गत न्यूनतम शेष रु. 10,000/- (अंकित मूल्य) एवं संचयी विकल्प के अंतर्गत न्यूनतम शेष रु. 5000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए।

(4) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीदे गए यूनिटों के लिए भुगतान, कटौती, यदि कोई हो, करने के बाद सदस्यता सूचना के साथ पुनर्खरीद हेतु अनुरोध पत्र/विधिवत् रूप से उन्मोचित यूनिट प्रमाणपत्र तथा अनभुनाए आय वितरण वारंट, यदि कोई हो, के प्राप्त होने के 10 कार्य दिन के भीतर (बशर्ते आवेदन यथोचित रूप से पूर्ण हो) ऐसे केन्द्र पर किया जाएगा जहां पुनर्खरीद अनुरोध संसाधित किए जाते हैं।

आवेदक को देय पुनर्खरीद की राशि पर किसी भी कारण से कोई ब्याज देय नहीं होगा तथा ट्रस्ट द्वारा प्रेषित चेक या ड्राफ्ट का वसूली खर्च या प्रेषण की लागत (डाक खर्च सहित) आवेदक द्वारा वहन किया जाएगा।

(5) अनिवासी भारतीय/ओसीबी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद राशि निवेश के स्रोत पर निर्भर रहते हुए अनुच्छेद V(11) (Xii) में बताए अनुसार प्रेषित की जाएगी।

### (6) यूनिटों की पुनर्खरीद पर प्रतिबंध :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में अंतर्विष्ट किसी बात के बावजूद ट्रस्ट यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए बाध्य नहीं होगा :

- (i) ऐसे दिन, जो कार्य-दिवस नहीं हों; और
- (ii) ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित किसी भी उद्देश्य के लिए सदस्यों की पंजी बंद हो, ऐसी (ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित) अवधि के दौरान।

**स्पष्टीकरण :** इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य दिवस" का अर्थ वह दिन है, जो न तो

- (i) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, जहां ट्रस्ट के कार्यालय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अंतर्गत अधिसूचित हो और न ही
- (ii) भारत के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

## IX. आय वितरण

(क) सदस्य को निम्नलिखित में से किसी विकल्प में भाग लेने का अधिकार होगा :

- 1) मासिक आय विकल्प या
- 2) वार्षिक आय विकल्प या
- 3) संचयी विकल्प

यह योजना में निवेश के समय किया जाएगा और एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा। रु 10,000/- या उससे अधिक के निवेश के लिए निवेशक द्वारा विकल्प नहीं दिए जाने के मामले में उसे मासिक आय विकल्प समझा जाएगा। यदि आवेदन रु. 5,000/- से अधिक परंतु रु. 10,000 से कम हैं, तो उसे संचयी विकल्प के अंतर्गत समझा जाएगा और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी।

## 1. मासिक आय विकल्प

(i) मासिक आय विकल्प के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा और आय वारंटों का प्रेषण निम्नानुसार किया जाएगा :

लागू अवधि	आय वितरण की दर	वारंट/वारंटों का प्रेषण
नवंबर 99 -मार्च 2000	10.50% प्र.व.	सदस्यता सूचना के साथ
अप्रैल 2000 - अक्तूबर 2000	10.50% प्र.व.	अप्रैल 2000
नवंबर 2000-मार्च 2001	मार्च 2000 में घोषणा की जाएगी	अप्रैल 2000
वर्ष 2004 तक प्रत्येक परवर्ती अप्रैल - मार्च की अवधि हेतु	घोषणा प्रत्येक वर्ष के मार्च माह में की जाएगी	अप्रैल 2001 और उससे आगे
अप्रैल 2004 - अक्तूबर 2004	घोषणा मार्च 2004 में की जाएगी	अप्रैल 2004

प्लान के निवेश उद्देश्यों और प्रचलित नीतियों तथा लिखतों से अनुमानित लाभ, जिनमें योजना की निधियों का निवेश किया जाएगा के आधार पर, योजना प्लान के अंतर्गत 10.50% प्रति वर्ष की दर से मासिक रूप से देय प्लान के प्रथम वर्ष के लिए आश्वासित आय अदा करने के लिए पर्याप्त आय प्राप्त कर सकेगी।

- (ii) प्रत्येक माह के लिये आय वितरण अगले महीने के प्रारंभ में देय होगा और बैंकों के साथ पूर्व भुगतान व्यवस्था के अंतर्गत भुगतान ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट बैंक की शाखाओं पर सममूल्य पर देय आय वितरण वारंट या ईसीएस द्वारा या किसी लिखत के माध्यम से किया जाएगा।
- (iii) एक आय वितरण वारंट आवेदन प्राप्ति की तिथि से 31 जनवरी, 2000 तक (दिनांकित 1 दिसंबर, 99) की अवधि हेतु तथा 2 उत्तर दिनांकित वारंट फरवरी 2000 से मार्च 2000 तक की अवधि हेतु सदस्यता सूचना के साथ भेज दिए जाएंगे। प्रत्येक वर्ष मार्च माह के लिए आय वितरण वारंट पर तारीख 31 मार्च होगी।
- (iv) उप खण्ड (iii) के उपबंधों के अधीन, मासिक आधार पर आय वितरण के भुगतान के लिए वारंट सदस्य को अग्रिम रूप से भेजे जाएंगे। वारंट को इस प्रकार दिनांकित किया जाएगा कि सदस्य भुगतान के लिए परिपक्व होने पर प्रत्येक वारंट को भुना सके। हरेक वारंट तीन महीने के लिए वैध रहेगा।

- (v) वैध अवधि पूरी होने के पहले सदस्य के पास कोई वारंट नहीं पहुंचने या उनके पुराने हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट ब्याज का भुगतान करने के लिये बाध्य नहीं होगा।
- (vi) पुनर्खरीद की स्थिति में, सदस्य द्वारा अनभुनाए वारंटों को अभ्यर्पित नहीं करने पर, ऐसे आय वितरण वारंटों की राशि पुनर्खरीद प्राप्ति में से काट ली जाएगी और ऐसे मामलों में सदस्य परवर्ती माह हेतु बकाया वारंटों तथा वारंटों के परिपक्वता तिथि तक सदस्य के पास रहे वारंटों को भुनाने का पात्र होगा।
- (vii) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में यदि नामिती/विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पात्र है और आगे भी यूनिट रखना चाहता है, तो ऐसा नामिती/विधिक उत्तराधिकारी अपने पक्ष में आवश्यक सुधार के लिए भावी महीनों के अनभुनाए सभी वारंट वापस करने के लिए बाध्य होगा। तथापि, आगे यूनिट रखने के इच्छुक नामिती/विधिक उत्तराधिकारी मृत सदस्य के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सुधार करके नये प्रविष्ट सदस्य के पक्ष में करने में लगनेवाले समय के लिये कोई ब्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।
- (viii) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये आवेदक द्वारा आवेदन किया गया है, वहां वैकल्पिक आवेदक को आवश्यक सुधार के लिये भावी महीनों के अनभुनाए सभी आय वितरण वारंट वापस करने होंगे। लेकिन, ऐसा वैकल्पिक आवेदक मृत आवेदक के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सुधार करके नये प्रविष्ट आवेदक के पक्ष में करने में लगनेवाले समय के लिए कोई ब्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

## 2. वार्षिक आय विकल्प

मासिक आय विकल्प के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा और आय वारंटों का प्रेषण निम्नानुसार किया जाएगा :

लागू अवधि	आय वितरण की दर	वारंट/वारंटों का प्रेषण
नवंबर 99 - अक्तूबर 2000	11.00% प्र.व.	अक्तूबर 2000
नवंबर 2000-मार्च 2001	घोषणा मार्च 2000 में की जाएगी	मार्च 2001
वर्ष 2004 तक प्रत्येक परवर्ती अप्रैल - मार्च की अवधि हेतु	घोषणा प्रत्येक वर्ष के मार्च माह में की जाएगी	मार्च 2002 एवं उससे आगे
अप्रैल 2004 - अक्तूबर 2004	घोषणा मार्च 2004 में की जाएगी	प्रतिबान प्राप्ति के साथ

## 3. संघयी विकल्प

इस विकल्प के अंतर्गत कोई आय वितरित नहीं की जाएगी। संघयी विकल्प के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा एवं आय का संघयन निम्नानुसार किया जाएगा :

लागू अवधि	आय वितरण की दर	वारंट/वारंटों का प्रेषण
नवंबर 99 - अक्तूबर 2000	11.00% प्र.व.	अक्तूबर 2000
नवंबर 2000-मार्च 2001	घोषणा मार्च 2000 में की जाएगी	मार्च 2001
वर्ष 2004 तक प्रत्येक परवर्ती अप्रैल - मार्च की अवधि हेतु	घोषणा प्रत्येक वर्ष के मार्च माह में की जाएगी	मार्च 2002 एवं उससे आगे
अप्रैल 2004 - अक्तूबर 2004	घोषणा मार्च 2004 में की जाएगी	प्रतिबान प्राप्ति के साथ

वार्षिक एवं संचयी विकल्प के अंतर्गत निवेशक को 10.50% प्र.व. की दर पर आय वितरण, आवेदन स्वीकृति की तिथि से 31 अक्टूबर 99 तक सभी तीन विकल्पों के अंतर्गत सदस्यता सूचना के साथ चेक के माध्यम से अदा किया जाएगा। हालांकि, वार्षिक/संचयी विकल्प के अंतर्गत, 01 नवंबर 1999 से बाद की अवधि हेतु आय वितरण प्रथम वर्ष के लिए 11% प्र.व. की दर पर होगा।

#### प्लान के अंतर्गत 10.50% प्र.व. प्रतिलाभ का औचित्य

मान लीजिये 100 करोड़ रुपये एकत्र होते हैं और आरंभिक व्यय 3% हैं और उन्हें 5 वर्षों की अवधि के दौरान अपलिखित किया जाता है। पहले वर्ष के लिए उपलब्ध निवेश योग्य निधियां 97 करोड़ रुपये होंगी।

यह भी भावा कि योजना 70% ऋण लिखतों में निवेश करेगी, जिनका जोखिम तत्त्व न्यून से मध्यम हो। इन लिखतों का वाईटीएम 13% से 14.50% की सीमा में है। निवेश औसत भारित प्रतिलाभ का 13.68% आय प्राप्त करेगा।

इक्विटी में निवेश किए गए 30% राशि पर लाभांश के रूप में वार्षिकीकृत आय, इक्विटी पोर्टफोलियो के मूल्य में हुई मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास एवं प्राप्त लाभों को ध्यान में रखते हुए 15% के करीब रहेगी।

उपरोक्त उदाहरण में योजना द्वारा प्रथम वर्ष में 13.65% आय अर्जित करने का अनुपात है, जैसे नीचे दिया गया है :

लिखतें	पोर्टफोलियो का %	निवेश योग्य निधियां	आय (%)
डिबेंचर	70	67.90	13.68
इक्विटी	30	29.10	15.00

$$\text{पोर्टफोलियो पर भारित औसत प्रतिलाभ} = \frac{67.90 * 13.68 + 29.10 * 15}{100} = 13.65\%$$

वार्षिक व्यय एवं प्रावधानों को 1.25% मानते हुए, वितरण के लिए उपलब्ध आय 12.40% होगी। यह सभी विकल्प के अंतर्गत प्लान के प्रथम वर्ष हेतु आय वितरण कर पर 11% प्र.व. कर का भुगतान करने के बाद मासिक आय विकल्प के अंतर्गत 10.50% प्र.व. और वार्षिक आय व संचयी विकल्प के अंतर्गत 11% प्र.व. की दर से आय का भुगतान करने हेतु पर्याप्त होगी।

यह एक दृष्टांत है और प्लान के शुरुआत के समय बाजार की स्थितियों पर आधारित है और निम्नलिखित अनुमान है:

- जुटाई गई संपूर्ण निधि को कम से कम समय में जैसे 1 माह में अभिनियोजन करने के पर्याप्त अवसर होंगे।
- इक्विटी पोर्टफोलियो में तरल स्क्रिप्स होंगे और सक्रिय व्यापारिक व्यूहरचना अपनाएगा।

#### 4. निवेशकों के बैंक विवरण :

##### इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा :

(क) हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक ने पेश किए गए इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) के अंतर्गत एक नई सुविधा मुंबई/कलकत्ता/चेन्नई/नई दिल्ली/अहमदाबाद के निवेशकों को संबंधित केंद्रों पर उनके बैंक खातों में सीधे क्रेडिट करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जहां एकल लिखत की राशि रु. 5,00,000/- से अधिक नहीं है।

(ख) बैंक शाखा सदस्य के खाते में क्रेडिट करेगी तथा पासबुक/खाता विवरण में क्रेडिट प्रविष्टि को "ईसीएस" से निर्दिष्ट करेगी। जो आवेदक यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं वे आवेदन पत्र में अपने बैंक का नाम और पता, खाते का प्रकार और नंबर, 9 अंकों वाली बैंक एवं शाखा कूट संख्या इत्यादि भरें।

(ग) यदि इस सुविधा पर मिली प्रतिक्रिया इसके संचालन हेतु पर्याप्त नहीं है या कोई अन्य कारण है तो ट्रस्ट "ईसीएस" के जरिए आय का भुगतान करने के बजाय आय वारंट जारी करके आय की अदायगी कर सकता है।

आय वितरण वारंट/पुनर्खरीद चेक/परिपक्वता चेक के कपटपूर्ण नकदीकरण से बचने के लिए सेबी ने निवेशकों के स्वयं के हित में आवेदन पत्र में उपयुक्त स्थान पर बैंक - ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। बैंक-ब्यौरों के बिना आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। तदनुसार, पांच महानगरों के निवेशक जो उपरोक्त सुविधा का लाभ नहीं उठाते हैं तथा कलकत्ता, चेन्नई, मुंबई, नई दिल्ली एवं लखनऊ अहमदाबाद - नगरों से बाहर रहने वाले आवेदकों से अनुरोध किया जाता है कि वे आवेदन फार्म में उपयुक्त स्थान पर तथा पावती रसीद वाले भाग पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण (अर्थात् खाते का प्रकार एवं खाता संख्या, बैंक का नाम) दें। तब आय वितरण वारंट पुनर्खरीद/परिपक्वता चेक इस प्रकार से निर्दिष्ट किए गए उनके खाते में जमा करने के लिए बैंक के पक्ष में तैयार कर उन्हें भेजे जाएंगे।

### अनिवासी भारतीय निवेशक को आय वितरण

प्लान के अंतर्गत आय विदेशी मुद्रा नियंत्रण विनियमों के अनुसार अदा की जाएगी। आय के भुगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :

- i) वारंट निवेशक के नाम जारी किया जा सकता है तथा सदस्य के एनआरई/एनआरओ खाते में जमा करने के लिए, जैसा भी मामला हो, उसके किसी ऐसे रिश्तेदार को भेजा जा सकता है जो भारत का निवासी हो।

अथवा

- ii) वारंट किसी ऐसे रिश्तेदार के नाम जारी किया जा सकता है जो भारत का निवासी हो तथा उसे भेजा जा सकता है ताकि वह अपने खाते में जमा कर सके।

## X. निवेश उद्देश्य, नीतियां, स्टॉक उधार एवं सहवर्ती (डेरिवेटिव्स)

### 1. निवेश उद्देश्य :

- (i) योजना का निवेश उद्देश्य मुख्यतः सदस्य को नियमित आय उपलब्ध कराना तथा योजना की परिपक्वता पर ग्राहक की पूंजी में वृद्धि के लिए प्रयत्न करना भी है। योजना के अंतर्गत संग्रहीत निधियों का सभी प्रारंभिक परिचालन पूर्व और परिचालनगत खर्चों का प्रावधान करने के बाद सामान्यतः निम्न रूप में निवेश किया जाएगा :

- (क) निधियों का कम से कम 70% ऋण लिखतों में निवेश किया जाएगा। निवेश का जोखिम तत्त्व न्यून से मध्यम होगा।



- (ख) निधियों का 30% से अधिक इक्विटी और इक्विटी संबंधी लिखतों में निवेश किया जाएगा। जोखिम तत्व इक्विटी निवेश में उच्च हो सकता है।
- (ii) न्यूनतम एवं अधिकतम आस्ति निर्धारण :  
ऋण - न्यूनतम 70% अधिकतम 100%  
इक्विटी,- अधिकतम 30%
- (iii) मुद्रा बाजार लिखतों के लिए सामान्यतः कोई नियत नियोजन नहीं किया जाएगा। मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश न्यूनतम रखा जाएगा ताकि प्लान की तरलता की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। तथापि, ऊपर कथित निवेश उद्देश्य के अनुसरण में, प्रतिभूतियों में योजना की निधियों का अभिनियोजन लंबित रखकर, मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश कर सकता है।
- (iv) ट्रस्ट रक्षात्मक सोच-विचार पर लघु अवधि हेतु आस्ति आबंटन में परिवर्तन करने का विकल्प अपने पास रखता है।

## 2. मूल विशेषताएं

(क) “मूल विशेषताओं” का अर्थ निम्नलिखित है।

- (i) योजना का प्रकार : मासिक आय प्लान 1999 (II) एक नियतकालिक आय निधि है।  
(ii) निवेश उद्देश्य : जैसा कि इस पेशकश दस्तावेज के खंड X के अंतर्गत बताया गया है।  
(iii) निर्गम की शर्तें : सूचीबद्धता, यूनिटों की पुनर्खरीद/प्रतिदान एवं व्यय के संबंध में इस पेशकश दस्तावेज में प्रावधान है।

(ख) योजना की मूल विशेषताओं में कोई भी परिवर्तन कम से कम तीन चौथाई सदस्यों की सहमति से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मूल विशेषताओं में कोई परिवर्तन होने पर जो अपनी सहमति न दें उन्हें योजना से अपनी यूनिटधारिताओं का मोचन करने की अनुमति होगी।

(ग) बोर्ड समय-समय पर योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में परिवर्धन या अन्यथा उसमें संशोधन कर सकता है तथा ऐसा कोई संशोधन/परिवर्धन भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 21(4) की शर्तों के अनुसार सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

(घ) योजना के मूल विशेषताओं में कोई परिवर्तन/संशोधन/परिवर्धन सेबी के पूर्व अनुमोदन से किया जाएगा। अन्य कोई परिवर्तन/संशोधन/परिवर्धन, जो मूल विशेषताओं में संशोधन नहीं है और जो यूनिटधारकों के हितों को प्रभावित नहीं करते हैं, सेबी के पूर्व अनुमोदन से बनाएं जाएंगे।

## 3. निवेश नीतियां

- (i) सभी ऋण लिखतें जिनमें योजना द्वारा निवेश किया जाता है, उनके निवेश दर्जे का निर्धारण समय-समय पर भ्रान्यता प्राप्त किसी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा किया जाएगा, बशर्ते यदि ऋण लिखत का निर्धारण नहीं किया गया हो, तो निवेश के लिए ट्रस्ट के न्यासी मंडल से विशिष्ट अनुमोदन लिया जाएगा।

- (ii) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं दिये जाएंगे।
- (iii) ट्रस्ट प्रतिभूतियों का क्रय विक्रय सुपुर्दगियों के आधार पर करेगा और खरीद के सभी मामलों में संबंधित प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लेगा और बिक्री के सभी मामलों में प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी करेगा और किसी भी मामलों में खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे इसे मंदड़िया बिक्री करनी पड़े या सौदे का वायदा (कैरी फारवर्ड) करना पड़े या बदला वित्त में लिप्त होना पड़े।
- (iii) ट्रस्ट प्रतिभूतियों की खरीद या अंतरण ट्रस्ट के नाम से करवाएगा।
- (v) आवश्यक अनुमोदन की शर्त पर यूटीआई उपयुक्त परिस्थितियों में फ्यूचर्स एवं ऑप्शन्स और अन्य सहवर्ती जैसी तकनीक एवं लिखत लागू विनियमों एवं प्रतिपक्ष जोखिम निर्धारण की शर्त पर, जब और जैसे की वे भारतीय बाजारों में लागू हो जाते हैं, प्लान के निवेश नीति प्राप्त करने के उद्देश्यों या बचाव या जोखिम न्यून करने हेतु प्रयोग कर सकता है।
- (vi) योजना समय-समय पर सेबी की प्रतिभूति उधार देने की योजना के अनुसार अस्थाई अवधि हेतु, यदि म्यूचुअल फंड एवं यूटीआई को स्टॉक उधार लेने की अनुमति प्राप्त होती है तो योजना इस संबंध में उपयुक्त परिस्थितियों में सेबी विनियमों के अनुसार स्टॉक उधार ले सकती है।
- (vii) योजना, समुद्रपारीय/विदेशी कंपनियों द्वारा जारी एवं विदेश में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों या भारतीय निकायों द्वारा विदेशी/समुद्रपारीय निवेशकों को जारी एवं विदेशी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों में निवेश इस संबंध में समय-समय में जारी सेबी/आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार ऐसे निर्गमों में अभिदान करके या विदेशी स्टॉक एक्सचेंजों के जरिए क्रय करके सीधे निवेश कर सकती है।
- (viii) योजना इनमें से किसी में निवेश नहीं करेगी ;
- क) ट्रस्ट की समूह या सहायक कंपनी की कोई असूचीबद्ध प्रतिभूति ; या
- ख) ट्रस्ट की समूह या सहायक कंपनी द्वारा निजी नियोजन के माध्यम से जारी की गई कोई प्रतिभूति; या
- ग) ट्रस्ट की समूह कंपनी की सूचीबद्ध प्रतिभूतियां जो ट्रस्ट की सभी योजनाओं के शुद्ध आस्तियों के 25% का आधिक्य है।
- (ix) प्लान की प्रतिभूतियों के लेन देन के लिए शेयर-दलाली फर्म और यूटीआई की सहायक संस्था यूटीआई सिक्क्योरिटीज एक्सचेंज लिमिटेड (यूटीआई-एसईएल) की सेवाएं ली जा सकती हैं जो नीतियों के अनुसार हों और ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा तय की गई सीमाओं के अधीन हों। यूटीआई एसईएल 1994 में स्थापित की गई थी। इसका पंजीकृत कार्यालय मुंबई में है।
- (X) जनता को पेश न किए गए ऋण लिखतों में निवेश, उपलब्ध आय पर निर्भर करते हुए योजना जनता को पेश न किए गए ऋण प्रतिभूतियों में निवेश कर सकती है।

- (xi) योजना का सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश की सीमा का कोई बंधन नहीं है, तरलता आवश्यकता के आधार पर, योजना भारत सरकार/राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में निवेश कर सकती है।

#### 4. ट्रस्ट की योजनाओं में अपरेटिव निवेश और इन कंपनियों में ट्रस्ट का निवेश

- (i) 30/06/99 के अनुसार उन योजनाओं की सूची जहां कंपनियों ने योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य का 5% से अधिक निवेश किया है।

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना की आस्तियों के 5% से अधिक धारिता वाली कंपनी का नाम
1.	आईआईएसएफयूएस, 97	हिन्दुस्तान लीवर लि. एचडीएफसी
2.	यूटीआई-एमएमएफ	अहमदाबाद इलेक्ट्रिसिटी कं. लि. एसएचसीआईएल यूटीआई बैंक लि.
3.	यूटीआई-आईईएफ	आईसीआईसीआई आईडीबीआई
4.	एमआईपी 97(IV)	ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
5.	आईआईएसएफयूएस 97 (II)	पियरलेस जनरल फायनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
6.	आईआईएसएफयूएस 98	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
7.	आईआईएसएफयूएस 98 (II)	नैशनल हाऊसिंग बैंक
8.	यूटीआई बॉण्ड फंड	आईडीबीआई आईटीसी लि. बेनेट कोलमन कं.लि.
9.	मास्टर वैल्यू यूनिट प्लान	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आईडीबीआई
10.	मास्टर इंडेक्स फंड	बैंक ऑफ बड़ौदा ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आईडीबीआई
11.	ग्रोथ सेक्टर फंड (ब्रांड वैल्यू)	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
12.	ग्रोथ सेक्टर फंड (पेट्रो)	द सुखजीत स्टार्च एंड केमिकल्स लि. यूटीआई बैंक लि.
13.	ग्रोथ सेक्टर फंड (फार्मा)	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
14.	ग्रोथ सेक्टर फंड (सर्विसेज)	स्टेट बैंक ऑफ इंदौर
15.	ग्रोथ सेक्टर फंड (सर्विसेज)	अन्योन्य सहकारी मांडली को-ऑपरेटिव बैंक लि.
16.	ग्रोथ सेक्टर फंड (सॉफ्टवेयर)	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद

- (ii) 30/06/99 को उपरोक्त योजना द्वारा या यूटीआई की किसी अन्य योजना द्वारा उपरोक्त कंपनियों या उसके अनुषंगियों में सकल आधार पर किया गया निवेश ।

(रु. करोड़ में)

कंपनी का नाम	इक्विटी (लागत)	ऋण (लागत)	मीयादी ऋण	जमा	कुल
अहमदाबाद इलेक्ट्रिसिटी कं. लि.	9.87	2.16	2.96	0.00	14.99
अन्योन्य सहकारी मांडली को-ऑपरेटिव बैंक लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
बेनेट कोलमन कं.लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
बैंक ऑफ बड़ौदा	23.65	47.66	0.00	0.00	71.31
एचडीएफसी	296.00	58.13	0.00	0.00	354.13
हिन्दुस्तान लीवर लि.	1506.53	0.00	0.44	0.00	1506.97
हिन्दुस्तान लीवर केमिकल्स लि. (एचएलएल सब्सिडरी)	13.14	0.00	0.00	0.00	13.14
एचपी स्टेट को-ऑप बैंक लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आईसीआईसीआई	214.72	1511.58	597.50	0.00	2323.80
आईसीआईसीआई बैंकिंग कार्पो.लि. (आईसीआईसीआई सब्सिडरी)	46.28	10.03	0.00	0.00	56.31
आईसीआईसीआई सिक्कूरिटीज एंड फायनेंस कंपनी लि. (आईसीआईसीआई सब्सिडरी)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आईसीआरए	2.92	0.00	0.00	0.00	2.92
आईडीबीआई	355.71	1955.88	0.00	0.00	2311.59
आईडीबीआई बैंक लि.(आईडीबीआई सब्सिडरी)	1.66	0.00	0.00	0.00	1.66
आईटीसी लि.	2739.12	74.32	0.00	0.00	2813.44
आईटीसी होटल (आईटीसी सब्सिडरी)	33.84	0.03	0.00	0.00	33.84
लकमे लि. (एचएलएल सब्सिडरी)	5.56	0.00	0.00	0.00	5.56
नैशनल हाऊसिंग बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	30.12	0.00	0.00	0.00	30.12
एसएचसीआईएल	7.33	0.00	0.00	0.00	7.33
एस आईडीबीआई (आईडीबीआई सब्सिडरी)	0.00	75.93	0.00	0.00	75.93
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	763.96	55.12	0.00	0.00	819.08
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआई सब्सिडरी)	0.00	30.37	0.00	0.00	30.37
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	0.00	0.76	0.00	0.00	0.76
स्टेट बैंक ऑफ इंदौर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
द सुखजीत स्टार्च एंड केमिकल्स लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पियरलेस जनरल फायनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
यूटीआई बैंक लि.	89.12	0.00	0.00	0.00	89.12
<b>योग</b>	<b>6040.54</b>	<b>3819.81</b>	<b>597.94</b>	<b>0.00</b>	<b>10458.29</b>

यूटीआई द्वारा यह निवेश अपने सामान्य कारोबार अवधि के दौरान किया गया।

### XI. अंतर योजना अंतरण

इस योजना से ट्रस्ट की दूसरी योजना/प्लान में अंतरण केवल तभी किया जाएगा जब -

क) उद्धृत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूल्य पर ऐसे अंतरण स्पोर्ट आधार पर किए गए हों।

स्पष्टीकरण : “स्पोर्ट आधार” का अर्थ वही होगा जो स्टॉक एक्सचेंज द्वारा स्पोर्ट सौदों के लिए निर्दिष्ट है।

ख) ऐसी अंतरित प्रतिभूतियां उस योजना/प्लान के निवेश उद्देश्यों के अनुरूप हों जिनमें ऐसे अंतरण किए जाते हैं।

ग) प्लान से/में असूचीबद्ध या अनोद्धृत निवेश का ट्रस्ट की अन्य योजना/प्लान में/से अंतरण ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार किया जाएगा।

### XII. संयुक्त सौदे एवं उधार

1. योजना यूनिटों की पुनर्खरीद, प्रतिदान या सदस्यों को आय या ब्याज की अवायगी करने की योजना की अस्थाई नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने के अलावा उधार नहीं लेगी। परन्तु उधार योजना की शुद्ध आस्ति के 20% से अधिक नहीं लिया जाएगा और इस तरह के उधार की अवधि छः माह से अधिक नहीं होगी।

2. भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 20 के अनुसार ट्रस्ट को निम्नलिखित उधार लेने की शक्तियां प्राप्त हैं :

(i) ट्रस्ट, भारत या भारत से बाहर के किसी प्राधिकरण या व्यक्ति जो सरकार या रिज़र्व बैंक न हो, ऐसी प्रतिभूति के प्रति एवं ऐसी शर्तों एवं परिस्थितियों पर जिस पर वे आपस में सहमत हो, उधार ले सकता है।

(ii) ट्रस्ट रिज़र्व बैंक से उधार ले सकता है -

(क) भारत में इस समय लागू किसी कानून द्वारा जिससे न्यासी ट्रस्ट का धन निवेश करने हेतु प्राधिकृत है, स्टॉक, निधियों एवं प्रतिभूतियों के प्रति (अच्छल संपत्तियों के अतिरिक्त) मांग पर या नियत अवधि की समाप्ति पर प्रतिदेय जो इस प्रकार ली गई राशि की तिथि से नब्बे दिन से अधिक न हो ;

(ख) केंद्रीय सरकार के अनुमोदन से बांडों की प्रतिभूति के प्रति जिसे ट्रस्ट जारी कर सकता है मांग या जिस तिथि से ऐसी राशि उधार ली गई है, उस तिथि से अठारह महीनों की अवधि के भीतर प्रतिदेय है;

- (ग) प्रथम यूनिट योजना के अतिरिक्त किसी अन्य योजना के प्रयोजन हेतु जिसे इस संवध में रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया है ट्रस्ट की ऐसी अन्य संपत्तियों की प्रतिभूति के प्रति या ऐसी शर्तों एवं नियमों पर :

बशर्ते कि इस खंड के अंतर्गत उधार ली गई कोई राशि एवं किसी समय बकाया इससे ज्यादा न हो -

- (क) ऐसी प्रत्येक योजना के संबंध में पांच करोड़ रुपए से ज्यादा न हो ; एवं
- (ख) समग्र रूप से ऐसी समस्त योजनाओं के संबंध में दस करोड़ रुपए।
- (iii) ट्रस्ट द्वारा धारा 20 की उप धारा (ii) के अंतर्गत जारी बांड के मूल राशि की अदायगी की गारंटी केंद्रीय सरकार द्वारा दी जाएगी एवं ब्याज का भुगतान बांड जारी करते समय केंद्रीय सरकार द्वारा निश्चित दर पर किया जाएगा।

### XIII. एनएवी निर्धारण एवं आस्तियों का मूल्यांकन

#### 1. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटीकरण :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपचयों और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की आस्तियों के मूल्य को निर्धारित कर और योजना की देयताओं को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के एनएवी में उस तिथि को जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग दे कर किया जाएगा। योजना का एनएवी मासिक आय विकल्प, वार्षिक आय विकल्प और संचयी विकल्प के लिए अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा। अभिदान बंद होने की तिथि से छः माह के भीतर और उसके बाद साप्ताहिक आधार पर शुद्ध आस्ति मूल्य (पूर्ववर्ती आधार पर) समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा।

#### 2. इस योजना की आस्तियों का मूल्यांकन

- (क) अवरोद्ध अवधि के अधीन वाले निवेशों, यदि कोई हों, सहित उद्धृत निवेशों परंतु सरकारी प्रतिभूतियों को छोड़कर, का मूल्यांकन, मूल्यांकन की तारीख को बाजार में बंद मूल्य पर किया जाता है तथा इसके उपलब्ध न होने पर मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि में बिल्कुल हाल ही की उपलब्ध दर पर किया जाता है। यदि मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि हेतु, कोई भाव उपलब्ध नहीं है तो उसे अनोद्धृत निवेश माना जाता है।
- (ख) उद्धृत सरकारी प्रतिभूतियां मूल्यांकन तिथि को अंतिम एनएससी बाजार दर पर मूल्यांकित की जाती हैं और इसकी अनुपस्थिति में मूल्यांकन तिथि से पहले 7 दिनों के अंदर उपलब्ध नवीनतम भाव को मूल्यांकन के लिए लिया जाता है। यदि मूल्यांकन की तिथि से साठ दिन पूर्व की अवधि हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं हो तो उसे अनोद्धृत सरकारी प्रतिभूतियां माना जाएगा।
- (ग) उद्धृत डिबेंचरों और बांडों के मामले में, बाजार दर, जो ब्याज सहित है उसे ब्याज तत्त्व यदि कोई हो, के लिए समायोजित किया जाता है।

- (घ) शेयरों के अधिकार पत्रता का मूल्यांकन, लाभांश तत्त्व हेतु बट्टा काटकर, जहां लागू हो बाजार दर पर किया जाता है।
- (ङ) अनोद्धृत अधिमान शेयर/संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर लागत पर लिए जाते हैं।
- (च) अनोद्धृत इक्विटी शेयर जैसे न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित किया जाए, उचित मूल्यांकन आधार पर मूल्यांकित किया जाता है।
- (छ) अनोद्धृत डिबेंचर, बॉण्ड एवं अंतरणीय नोट परिपक्वता पर प्रतिफल पर मूल्यांकित किए जाते हैं, जो न्यासी मंडल द्वारा मूल्य वृद्धि के अनुमोदन के साथ भारत सरकार की प्रतिभूतियों (आय कर्ब) से जुड़ा है।
- (ज) अनोद्धृत वारंट, अंतरनिहित शेयरों के बाजार दर पर, लाभांश तत्त्व के लिए बट्टा काटकर यदि कोई हो, तथा वेय प्रायोगिक मूल्य से कम करके, लिए जाते हैं। जिन मामलों में इस तरह लिए गए मूल्य से प्रायोगिक वेय मूल्य ज्यादा हो, वहां वारंटों का मूल्य शून्य लिया जाता है।
- (झ) अनोद्धृत सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन प्रचलित ब्याज दर पर परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर किया जाता है।
- (ञ) परिवर्तनीय डिबेंचर एवं बॉण्ड, जहां मिश्र बाजार भाव उपलब्ध न हो, वहां परिवर्तनीय भाग का मूल्यांकन, संबंधित इक्विटी शेयरों के बाजार दर पर जिनमें लाभांश तत्त्व, यदि कोई हो, काट कर किया जाता है। ऐसे डिबेंचरों एवं बॉण्डों का अपरिवर्तनीय भाग, यदि कोई हो, का मूल्यांकन, उपरोक्त (घ) के अनुसार किया जाता है। जहां परिवर्तनीय भाग के लिए परिवर्तन की शर्तें विनिर्दिष्ट न हों, वहां उन्हें लागत पर लिया जाता है।
- (ट) पूंजी सूचकांकित बाण्ड लागत पर मूल्यांकित किए जाते हैं।
- (ठ) **मुद्रा बाजार लिखतों के लिए मूल्यांकन नीति :-**
- (i) मुद्रा बाजार लिखतें एवं अन्य निवेश मुक्त मूल्य पर लिए जाते हैं।
- (ii) अंतर बैंक कॉल बाजार में निवेशित राशि लागत पर ली जाती है।
- (iii) बट्टा/ब्याज उपार्जन लिखत में निवेशित राशि का मूल्यांकन, उस प्रतिफल पर किया जाता है जिसमें लिखत का सीधा पिछली बार किया गया था। इस उद्देश्य हेतु भाव मूल्यांकन स्थिति से पहले दो कार्य दिवसों का उपलब्ध हाल ही का भाव लिया जाता है। जब पिछले दो कार्य दिवस में कोई भाव उपलब्ध न हो, तो लिखत लागत एवं लिखत के परिपक्व होने के बाकी बचे दिनों के लिए लागू एक समान लागत और पृष्ठ मूल्य के मध्य अंतर पर मूल्यांकित किया जाता है।
- (iv) अनोद्धृत प्रतिभूतियों सहित अन्य मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन लागत एवं लिखत के परिपक्व होने के बाकी बचे दिनों पर लागू एक समान लागत और पृष्ठ मूल्य के अंतर पर किया जाता है।

खंड X (3), XIII (1) एवं XIII (2) के संदर्भ में किसी बात के बावजूद आस्तियों का मूल्यांकन एनएवी की गणना, पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण एवं उनके प्रकटीकरण की आवृत्तियां, समय-समय पर सेबी द्वारा जारी सेबी (एमएफ) विनियमों/निर्देशकों/निदेशों के प्रावधानों के अनुसार होगा।

#### XIV. लेखा नीतियां

##### 1. आय की मान्यता

- (क) सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों पर लाभांश आय भूतपूर्व लाभांश तिथि पर प्रोद्भूत की जाती है। असूचीबद्ध इक्विटी शेयरों एवं अधिमान शेयरों पर लाभांश आय का हिसाब प्राप्ति आधार पर किया जाता है।
- (ख) निवेशों पर ब्याज एवं प्रतिबद्धता प्रभार का हिसाब प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।
- (ग) निवेशों की बिक्री पर लाभ या हानि की पहचान भारित औसत लागत के आधार पर व्यापार तिथियों पर की जाती है।
- (घ) डिबेंचर/बॉण्डों के प्रतिदान पर प्रीमियम एवं लाभ या हानि की पहचान देय तिथि पर की जाती है।
- (ङ) जब कोई राशि जिस्मे नहीं आती हो तो हामीदारी कमीशन को नकदी आधार पर राजस्व माना जाता है। जिस्मे आई राशि के मामले में, पूर्ण हामीदारी कमीशन एवं निवेशों की लागत में से कम किया जाता है।
- (च) शेयरों एवं डिबेंचरों के निवेश पर फ्रंट एंड फीस को ऐसे निवेशों की लागत से कम किया जाता है।
- (छ) जीरो कूपन बाण्डों, डीप डिस्काउंट बाण्डों और अन्य दीर्घावधि बट्टाकृत लिखतों के संबंध में पुनर्खरीद मूल्य एवं परिपक्वता मूल्य के मध्य अंतर को वाईटीएम आधार पर लिखत के शेष अवधि के दौरान आय समझा जाता है।
- (ज) अन्य आय प्राप्ति आधार पर लिए जाते हैं।

##### 2. व्यय

- क. व्यय की गणना प्रोद्भवन आधार पर की जाती है।
- ख. भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 25(4) के प्रावधानों के अनुसार यूनिट योजना 1964 के अंतर्गत किए गए खास सामान्य खर्चों का विनिधान अन्य योजनाओं पर किया जाता है।
- ग. नियत आस्तियों वाली यूनिट योजना 1964 कथित आस्तियों के उपयोग के लिए अन्य योजनाओं से स्वीकृत आधार पर पट्टा किराया वसूल करती है।

##### 3. आस्थगित राजस्व व्यय



भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 25(3) के प्रावधानों के अनुसार, कुछ खास व्ययों को आस्थगित किया गया है, जो निम्नानुसार हैं -

- (i) नियत कालिक योजनाओं द्वारा किया गया एजेंटों को भुगतान कमीशन सहित आरंभिक निर्गम व्यय, योजनाओं की समयावधि पर एक समान रूप से बटूटे खाते में डाल दिया जाता है।
- (ii) जब यूनिटों की पुनर्खरीद की जाती है/पुनःक्रय किया जाता है, उस वर्ष प्रभारित किए जाने वाले एवं अन्य असमाप्त अवधि के लिए आस्थगित राजस्व व्यय को उचित रूप से समायोजित किया जाता है।

#### 4. निवेश

- क. निवेशों का विवरण लागत पर या अवलिखित लागत पर दिया जाता है।
- ख. द्वितीयक बाजार कारोबार के मामले में निवेश को व्यापार तिथियों पर किया गया माना जाता है।
- ग. आबंटन पर प्राथमिक बाजार निर्गमों में अभिदान को निवेश माना जाता है।
- घ. बोनस/अधिकार पत्रताओं को पूर्ववर्ती-बोनस/पूर्ववर्ती अधिकार तिथियों पर माना जाता है।
- ङ. निवेश अर्थात् डिबेंचर/बॉण्ड प्रतिदान/देय तिथि को चालू आस्तियों में स्थानांतरित की जाती हैं।
- च. निवेश की लागत में दलाली एवं सेवा - कर शामिल हैं लेकिन स्टाम्प शुल्क शामिल नहीं है, जिसे राजस्व में प्रभारित किया जाता है।

#### 5. प्रावधान एवं मूल्यहास :

##### (क) संदिग्ध समझी गई आय के प्रति प्रावधान :

पिछली दो तिमाही या उससे अधिक के लिए देय बाकी ब्याज आय के संबंध में प्रावधान किया जाता है। यदि लाभांश, पिछले लाभांश की तिथि से एक वर्ष से अधिक के लिए अदत्त है तब वर्ष के अंत में प्रावधान किया जाता है।

##### (ख) निवेश के मूल्य में हास

- (i) उपरोक्त खंड XIII(2) के अनुसार गणना किए गए निवेशों के कुल मूल्य की तुलना ऐसे निवेशों की कुल लागत से की जाती है और परिणामस्वरूप हास, यदि हो, सामान्य प्रारक्षित निधि/यूनिट प्रारक्षित निधि को प्रभारित किए जाते हैं। यदि कुल मूल्य, कुल लागत या पिछले वर्ष के अंत के कुल मूल्य से अधिक हो जाता है तो मूल्य वृद्धि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि/सामान्य प्रारक्षित निधि में उस सीमा तक जोड़ी है जहां तक हास पिछली बार समायोजित किया गया था।
- (ii) जहां अनोधृत इक्विटी या अधिमान शेयर पिछले वर्षों में अपलिखित किए गए हों, तो ऐसे निवेशों की लागत, जैसे ही उधृत या उचित मूल्य उपलब्ध है, लागत पर पुनरांकित किए जाते हैं।
- (iii) आस्तियां जिन पर ब्याज पिछली दो तिमाही या अधिक से बकाया है, अनुपयोज्य आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसी आस्तियों के लिए प्रावधान अलग-अलग बनाया जाता है (जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है)। ऐसा प्रावधान उसी कंपनी की अन्य उपयोगी आस्तियों के लिए नहीं किया जाता है।

आस्ति के अनुपयोज्य रहने की अवधि

प्रावधान का प्रतिशत

रक्षित आस्ति

अ-रक्षित आस्ति

दो वर्षों तक	10%	10%
दो वर्षों से अधिक परंतु तीन वर्षों तक	20%	100%
तीन वर्षों से अधिक परंतु पांच वर्षों तक	30%	100%
पांच वर्षों से अधिक	50%	100%

- (iv) जहां मूल पुनर्भुगतान (i) 3 वर्षों तक की अवधि के संतुलित परिपक्वता वाले ऋण लिखतों के संबंध में पहले से ही देय अवधि के दो तिमाहियों हेतु और (ii) 3 वर्षों से अधिक अवधि के संतुलित परिपक्वता वाले ऋण लिखतों के संबंध में पहले से ही देय अवधि के एक वर्ष हेतु बकाया रहने के कारण ऐसी बकाया किस्तों हेतु प्रावधान बनाया जाता है। ऐसी आस्तियों के लिए समग्र प्रावधान, उपरोक्त तालिका में उल्लिखित प्रतिशत (जमानती आस्तियों हेतु 50% तथा गैर जमानती आस्तियों हेतु 100%) या चूक वाली राशि, जो भी अधिक हो, तक सीमित है।

ऐसे मामले जिनमें मूल चूक जारी रहती है, किसी भी परवर्ती किस्त के लिए प्रावधान, संबंधित देय तिथि से 30 दिनों के बाद किया जाता है।

- (v) बकाया देय ब्याज के पूंजीकरण के द्वारा, ब्याज के निधीयन के मामले में, उसके चूक की अवधि के बावजूद प्रावधान किया जाता है।
- (vi) गैर निष्पादी आस्तियों के लिए प्रावधान यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि/सामान्य प्रारक्षित निधि/राजस्व लेखा, जैसा भी मामला हो, में प्रभारित किए जाते हैं।
- (vii) अनुच्छेद 5(क) और 5(ख)(iv) के अंतर्गत बनाए गए प्रावधान प्राप्ति या आस्तियों के पुनर्संरचना आधार पर पुनरांकित किए जाते हैं। 5(ख)(v) के अंतर्गत प्रावधान प्राप्ति आधार पर पुनरांकित किए जाते हैं।

## 6. यूनिटों का पुनःक्रय :

शेयर बाजार में सूचीबद्ध एवं खुले बाजार के क्रियाकलाप के जरिए प्रतिदान के लिए पुनःक्रय की गई योजनाओं की यूनिटें व्यापार-तिथियों पर हिसाब में ली जाती हैं। अभिग्रहण लागत एवं अंकित मूल्य के बीच के अंतर को राजस्व विनियोजन लेखे में प्रभारित किया जाता है।

## 7. आय वितरण :

- (क) पूंजीकरण हेतु लंबित आवेदन राशि के संबंध में उन योजनाओं के आय वितरण के लिए प्रावधान किए जाते हैं, जहां यूनिटें अंकित मूल्य पर बेचे गए हों तथा अन्य योजनाओं के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया जाता है। आय वितरण को पूंजीकरण किए जाने वाले वर्ष में राजस्व विनियोजन लेखे में प्रभारित किया जाता है।

- (ख) आय वितरण हेतु प्रावधान यूनिट पूंजी पर न्यासी मंडल द्वारा अनुमोदित दर पर किया जाता है।

- (ग) 01 जनवरी 1997 के बाद प्रारंभ किए गए मासिक आय प्लान के संबंध में, जिसमें आय वितरण आश्वासित है, संचयी विकल्प के संबंध में देयता, प्रत्येक वर्ष अप्रैल से मार्च की अवधि के लिए लेखा पुस्तकों में प्रदान की जाती है।

## 8. वित्तीय परिणामों का प्रकाशन :

यथा 31 दिसंबर अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम 2 माह के भीतर एवं यथा 30 जून लेखा-परीक्षित वार्षिक परिणाम लेखे को अंतिम रूप देने के 6 माह के भीतर एक अंग्रेजी दैनिक एवं एक मराठी दैनिक में प्रकाशित किया जाएगा।

## XV. निवेशों का कर - निरूपण

### 1. कर निरूपण

#### (क) निवासी

- (i) प्लान के अंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान प्रचलित कर कानूनों के अधीन होगा।
- (ii) वित्त अधिनियम 1999 के अनुसार ट्रस्ट की सभी योजनाओं/प्लानों के अंतर्गत सभी वर्ग के निवेशकों को प्राप्त होने वाली आय, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (33) के अंतर्गत कर से पूरी तरह मुक्त होगी। साथ ही प्लान को वितरित आय की राशि पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115 आर के अंतर्गत 11% (अधिभार सहित) की दर पर आय वितरण कर का भुगतान करना आवश्यक है।
- (iii) प्लान में निवेश की पूंजी वृद्धि से होने वाला कोई भी दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 में दिए गए निर्देशों के अधीन होगा। वर्तमान में निवेशक को लागत स्फीति सूचकांक का लाभ उठाने के बाद दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ पर 20% की दर से कर का भुगतान करना होता है।
- (iv) इस प्लान के अंतर्गत यूनिटों में किए गए निवेश का मूल्य धनकर से पूर्णतः मुक्त है।
- (v) उपहार की अधिनियम, 1958 ने 1 अक्टूबर, 1998 या उसके बाद दिए गए उपहारों के मामले में उपहार कर की उगाही को समाप्त कर दिया है। अतः प्लान की यूनिटों का उपहार कर की उगाही से पूर्णतः माफ है।

#### (ख) अनिवासी

- (i) योजना के अंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान प्रचलित कर कानूनों के अधीन होगा।
- (ii) वित्त अधिनियम 1999 के अनुसार ट्रस्ट की सभी योजनाओं/प्लानों के अंतर्गत सभी वर्ग के निवेशकों को प्राप्त होने वाली आय, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (33) के अंतर्गत कर से पूरी तरह मुक्त होगी चाहे निवेश का स्रोत कुछ भी हो।
- (iii) एनआरओ खाते से प्लान में निवेश की पूंजी वृद्धि से होने वाला कोई भी दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 में दिए गए निर्देशों के अधीन होगा। वर्तमान में निवेशक को लागत स्फीति सूचकांक का लाभ उठाने के बाद दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ पर 20% की दर से कर का भुगतान करना होगा।
- (iv) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों में किए गए निवेश का मूल्य धनकर से पूर्णतः मुक्त है।
- (v) उपहार की अधिनियम, 1958 ने 1 अक्टूबर, 1998 या उसके बाद दिए गए उपहारों के मामले में उपहार कर की उगाही को समाप्त कर दिया है। अतः प्लान की यूनिटों का उपहार कर की उगाही से पूर्णतः माफ है।

### 2. धारा 54 ईए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट हेतु पात्रता

दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से प्राप्त होने वाली सम्पूर्ण या आंशिक शुद्ध राशि का एमआईपी-99 (II) में किया गया निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ईए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट के लिए पात्र होगा, बशर्ते यूनिटों की पुनर्खरीद/अंतरण/गिरवीकरण, आवेदन की स्वीकृति तिथि से तीन वर्षों के बाद किया जाए।

### 3. पात्र ट्रस्टों के लिए

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)(बी) के अंतर्गत यूनिट स्वीकृत प्रतिभूतियां हैं। अतः यूनिटों में निवेश कर रहे पात्र ट्रस्ट आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 और 13 के अंतर्गत आय और निधि के लिए आवश्यक कर छूट के योग्य होंगे।

## XVI. निवेशकों के अधिकार एवं सेवाएं

1. प्लान के अधीन सदस्यों को प्लान की आस्तियों के लाभकारी स्वामित्व तथा प्लान द्वारा घोषित आय में समानुपातिक अधिकार है।
2. सदस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जो उनके निवेशों पर प्रतिकूल प्रभाव रखती हो तथा सदस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिए न्यासी बाध्य होंगे।
3. सदस्यों को प्लान के अंतर्गत बिक्री बंद होने की तारीख से छः सप्ताह के भीतर सदस्यता सूचना जारी किए जाने का तथा सदस्यता सूचना के स्थान पर यूनिट प्रमाणपत्र जारी करने हेतु निवेदन प्राप्त होने के 7 दिन के भीतर यूनिट प्रमाणपत्र जारी किए जाने का अधिकार है।
4. सदस्यों को अधिकार है कि जिस कार्यालय में पुनर्खरीद आग्रह संसाधित किए जाते हैं वहां आवेदन प्राप्त होने की तिथि से 10 कार्य दिवसों के भीतर (बशर्ते कि आवेदन सही हो) पुनर्खरीद/प्रतिदान प्राप्ति या उन्हें भेजी जाए।
5. संबद्ध लेखा वर्ष की समाप्ति की तिथि से छः माह के भीतर मासिक आय प्लान 1999(II) के संदर्भ में संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति सभी सदस्यों को भेजी जाएगी एवं निरीक्षण के लिए केंद्रीय निवेशक कक्ष में उपलब्ध कराया जाएगा एवं इसकी प्रति सदस्यों को न्यूनतम शुल्क, यदि कोई हो, के भुगतान पर उपलब्ध कराया जाएगा।
6. प्लान की मूलभूत विशेषताओं में किसी तरह का परिवर्तन प्लान के तीन-चौथाई सदस्यों की स्वीकृति से किया जाएगा। मूलभूत विशेषताओं में किसी प्रकार के परिवर्तन की स्थिति में, जो अपनी स्वीकृति नहीं देते हैं उन्हें अपनी धारिताएं उन्मोचित करने की अनुमति होगी।
7. निर्दिष्ट परिस्थितियों के अंतर्गत सदस्यों का अनुमोदन 'पोस्टल बैलट' के जरिए मांगा जाएगा।
8. सदस्यों को केन्द्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, बेसमेंट द्वार नं. 1, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुंबई-400 020 में रखे निम्नलिखित वस्तावेजों के निरीक्षण का अधिकार है :

- \* यूटीआई अधिनियम
- \* सामान्य विनियम
- \* अभिरक्षक, रजिस्ट्रार और संग्रहणकर्ता बैंकों के साथ किए गए करार

\* पेशकश दस्तावेज एमआईपी 99 (II) की प्रति

## XVII. भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना एवं प्रबंधन

### यूटीआई की स्थापना

यूटीआई अधिनियम, 1963 के अंतर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य बचत एवं निवेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रबंधन और निपटान से ट्रस्ट को प्रोद्भूत होनेवाली आय, लाभों और अभिलाभों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1964 से कार्य करना आरंभ किया।

### यूटीआई का प्रबंधन

ट्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है।

मंडल के अलावा, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होते हैं। यह समिति मंडल की कार्यक्षमता के अंतर्गत आने वाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

### न्यासी मंडल \*

1. श्री पी.एस. सुब्रमन्यम	अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
2. डॉ. पी.जे. नायक	कार्यपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
3. श्री जी.पी. मुनिअप्पन	कार्यपालक निदेशक, रिजर्व बैंक
4. श्री जी.पी. गुप्ता	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आईडीबीआई
5. श्री एन.एस. सेखसरिया	प्रबंध निदेशक, गुजरात अंबुजा सिमेन्स लि.
6. श्री राजेन्द्र पी चितले	सनदी लेखाकार
7. डॉ. विश्वनाथ बी. देसाई	अर्थशास्त्री
8. श्री जी. कृष्णमूर्ति	अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम
9. श्री जी.जी. वैध	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
10. श्री के.सी. चौधरी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

\* वर्तमान में न्यासियों की अन्य निदेशिकाएं इस प्रकार हैं :

1. श्री पी.एस. सुब्रमन्यम - (i) अध्यक्ष एवं निदेशक-इंडिया फंड, (ii) अध्यक्ष एवं निदेशक - इंडिया ग्रोथ फंड, (iii) अध्यक्ष एवं निदेशक - इंडिया एसेस लि., (iv) अध्यक्ष एवं निदेशक - इंडिया पब्लिक सेक्टरफंड लि., (v) शासी परिषद के अध्यक्ष - यूटीआई इन्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, (vi) अध्यक्ष एवं निदेशक - यूटीआई निवेशक सलाहकार सेवा लि., (vii) अध्यक्ष एवं निदेशक - यूटीआई निवेशक सेवा लि., (viii) अध्यक्ष - यूटीआई सिक्यूरिटीज एक्सचेंज लि., (ix) निदेशक - यूटीआई बैंक लि., (x) अध्यक्ष एवं निदेशक - ओवर द काउंटर एक्सचेंज ऑफ इंडिया, (xi) सदस्य - भारतीय जीवन बीमा निगम, (xii) निदेशक - भारतीय मितिकाता एवं वित्त गृह लि (xiii) निदेशक - सिक्युरिटीज ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि

2. डॉ पी.जे. नायक - (i) शासी परिषद के सदस्य - यूटीआई इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, (ii) निवेशक - भारतीय यूनिट ट्रस्ट निवेशक सेवा लि., (iii) निवेशक - भारतीय यूनिट ट्रस्ट निवेशक सलाहकार सेवा लि., (iv) निवेशक - भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (v) अध्यक्ष एवं निवेशक - यूटीआई - इंटरनेशनल लि. (vii) निवेशक - इंडिया डेट फंड लिमिटेड, (viii) निवेशक - इंडिया आईटी फंड लिमिटेड।

3. श्री जी.पी.गुप्ता - (i) अध्यक्ष - भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, (ii) निवेशक - इंडिया फंड, (iii) निवेशक - इंडिया ग्रोथ फंड, (iv) निवेशक-भारतीय मितिकाता एवं वित्त गृह लि., (v) निवेशक-भारतीय आयात-निर्यात बैंक, (vi) निवेशक-भारतीय प्रतिभूति व्यापार एवं निगम लि., (vii) निवेशक-इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फायनेंस कं. लि., (viii) निवेशक - इंडियन एअरलाइन्स लि. (ix) निवेशक - आईडीबीआई बैंक लि. (X) सदस्य - भारतीय नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लि., (X) सदस्य - भारतीय जीवन बीमा निगम लि., (xi) सदस्य - भारतीय साधारण बीमा निगम लि., (xii) निवेशक - दक्षिण एशिया क्षेत्रीय निधि, (xiii) अध्यक्ष - दक्षिण एशिया डेवलपमेंट फंड, (xv) समिति सदस्य-भारतीय बैंक संघ, (xv) सदस्य-बैंकर प्रशिक्षण कॉलेज (आरबीआई), (xvi) सदस्य - एशिया एवं प्रशांत में विकासशील वित्तीय संस्थाओं का संघ, (xvii) सदस्य-बैंकिंग कर्मचारी चयन संस्था, (xviii) सदस्य-भारतीय कंपनी सचिव संस्था।

4. श्री एन.एस. सेखसरिधा - (i) निवेशक - गृह फाइनेंस लि. (ii) निवेशक - राधा माधव इन्वेस्टमेंट लि. (iii) निवेशक - गृह न्यास हाऊसिंग फाइनेंस कं. लि., (iv) निवेशक - अंबुजा सिमेंट फाउंडेशन (v) निवेशक - अंबुजा शैक्षणिक संस्थान।

5. श्री राजेन्द्र पी. धितले - (i) निवेशक - भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (ii) निवेशक - नेशनल सेक्युरिटीज क्लीअरिंग कॉर्पोरेशन लि. (iii) निवेशक - जे एम कैपिटल मैनेजमेंट लि. (iv) निवेशक - ज्युरीथ असेट मैनेजमेंट कंपनी (इंडिया) लि. (v) निवेशक - इंडिया इंडेक्स सर्विसेज एवं प्रोडक्ट लि. (vi) निवेशक - असोशिएशन ऑफ लिजिंग एवं फाइनेंसियल सर्विसेज कंपनी (vii) सदस्य - राष्ट्रीय शेयर बाजार की कार्यकारी समिति (शासी मंडल) (viii) सदस्य - इंडिया सलाहकार बोर्ड ऑफ बैंक ऑफ अमेरिका एनटी एवं एसए (ix) सदस्य - निवेश समिति, भारतीय जीवन बीमा निगम।

6. श्री विश्वनाथ जी. देसाई - सलाहकार - आईसीआईसीआई लिमिटेड

7. श्री जी. कृष्णमूर्ति - (i) अध्यक्ष - भारतीय जीवन बीमा निगम (ii) अध्यक्ष - एलआईसी (अंतर्राष्ट्रीय) ईसी, बेहरीन (iii) अध्यक्ष - एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. (iv) निवेशक - भारतीय साधारण बीमा निगम (v) निवेशक - पोयसा औद्योगिक कं. लि. (vi) अध्यक्ष, सरकारी बोर्ड - नेशनल इन्व्युरेंस अकाडमी (vii) निवेशक - नेशनल हाउसिंग बैंक (viii) निवेशक - यूटीआई बैंक लि. (ix) निवेशक - डिस्काउंट एवं भारतीय वित्त गृह (x) निवेशक - केनिडिया एन्वयोरेंस कं. लि., केन्या (xi) निवेशक - भारतीय औद्योगिक ऋण एवं निवेश निगम (xii) अध्यक्ष - एन्वयोरेंस कार्डसिल का शासी निकाय।

8. श्री जी जी बैद्य - (i) अध्यक्ष - एसबीआई कैपिटल मार्केट लि., (ii) अध्यक्ष - एसबीआई निधी प्रबंधन लि. (iii) अध्यक्ष - एसबीआई गिल्ड्स लि. (iv) अध्यक्ष - एसबीआई सेक्युरिटीज लि. (v) अध्यक्ष - एसबीआई

फैक्टर्स एवं कमर्शियल सर्विसेज लि. (vi) अध्यक्ष - एसबीआई यूरोपियन बैंक लि. (vii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंदौर (viii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र (ix) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ पटियाला (x) अध्यक्ष - स्टेट

बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर (xi) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद (xii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ मैसूर (xiii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर (xiv) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया) (xv) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कनाडा) (xvi) उपाध्यक्ष, गवर्निंग काउंसिल - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स (xvii) निदेशक - राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (xviii) निदेशक - भारतीय आयात-निर्यात बैंक (xix) निदेशक - साधारण बीमा निगम (xx) सदस्य, शासी मंडल एवं अध्यक्ष, वित्त समिति - राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्था, (xxi) सदस्य शासी मंडल, अध्यक्ष, वित्त समिति एवं कार्यालय परिसर समिति एवं आईबीपीएस कर्मचारी निधि प्रशासक समिति - बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (xxii) सदस्य - बैंकिंग टेक्नोलॉजी विकास एवं अनुसंधान संस्था (xxiii) निदेशक - इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास वित्त निगम (xxiv) निदेशक - इन्फ्रास्ट्रक्चर लिजिंग एवं फाइनेंस सर्विसेज लि. (xxv) निदेशक - निर्यात क्रेडिट गारंटी निगम।

9. श्री के सी चौधरी - (i) अध्यक्ष - बैंक अंकेक्षण पर लघु समूह, भारतीय बैंक संघ, (ii) अध्यक्ष - बैंकिंग परिचालन, भारतीय बैंक संघ, (iii) अध्यक्ष - ऋण संबंधी मामलों पर लघु समूह, भारतीय बैंक संघ, (iv) अध्यक्ष - आईबीए व्यापार निकाय/संघों के साथ समन्वय हेतु कार्य समूह, (v) अध्यक्ष - भारतीय बैंक संघ (vi) सदस्य - प्रबंध समिति, भारतीय बैंक संघ - (vii) अध्यक्ष - सेंट बैंक गृह वित्त लि. (viii) अध्यक्ष - सेंट बैंक फायनैशियल एवं कस्टोडियल सर्विसेस लि., (ix) निदेशक - भारतीय कृषि वित्त निगम लि., (x) निदेशक - मास्टरकार्ड एशिया/पैसेफिक बोर्ड, (xi) निदेशक - द न्यू इंडिया एंश्योरेंस कं. लि., (xii) सदस्य - टास्क फोर्स, भारतीय बैंक संघ।

**निधि का प्रबंधन -**

श्री आशीष रानावाडे, सहायक महाप्रबंधक निधि प्रबंधक होंगे।

**योग्यता :** बी.ई., एमएमएस

**अनुभव एवं पृष्ठभूमि -** वर्तमान में ट्रस्ट के निधि प्रबंधन विभाग में कार्यरत हैं जो घरेलू आय उन्मुख योजनाओं के निधि के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी हैं। वर्तमान पद से पूर्व का उनका कार्य अनुभव इस प्रकार है :

पदनाम	विभाग	अवधि	उत्तरदायित्व
प्रबंधक	क्रेडिट रेटिंग कक्ष	अक्तूबर '94 से अप्रैल '99	उद्योग का विश्लेषण, जोखिम मूल्यांकन, लिखतों की संरचना एवं वर्जा निर्धारण (वर्जा निर्धारण समिति के सदस्य के रूप में)
सहायक महाप्रबंधक	क्रेडिट रेटिंग कक्ष	मई '99	उद्योग का विश्लेषण, जोखिम मूल्यांकन, लिखतों की संरचना एवं वर्जा निर्धारण (वर्जा निर्धारण समिति के सदस्य के रूप में)

साथ ही 1991 से 1992 तक उत्पादन फर्म में उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रबंधन में इंजीनियर के रूप में कार्य किया है।

### XVIII. योजना के लिए अन्य सेवाएं देने वाले

#### 1. अभिरक्षक

भारतीय स्टॉक धारिता निगम के साथ 17 जनवरी 1994 को हुए करार के अनुसार हमारी सभी योजनाओं और प्लानों का अभिरक्षक भारतीय स्टॉक धारिता निगम है जिसका कार्यालय मित्तल कोर्ट, बी विंग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400 021 में स्थित है।

अभिरक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों की सभी प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी लें और उन्हें अपनी अभिरक्षा में रखें। अभिरक्षक प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी केवल ट्रस्ट के अनुदेशों के अनुसार और प्रतिफल प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यथा निर्देशन दिया गया हो, अभिरक्षक, एजेंट के रूप में उसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों, अन्य आस्तियों की बिक्री, खरीद, अंतरण एवं अन्य लेन-देन से संबंधित अभिरक्षा संबंधी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिए सभी गैर विवेकाधीन एवं प्रक्रियात्मक ब्यौरों के लिए सामान्यतया प्राधिकृत होगा।

अभिरक्षक सभी सूचनाएं रिपोर्टें अथवा ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों से संबंधित प्रतिभूतियों के वास्तविक सत्यापन एवं मिलान और लेखा परीक्षा के प्रयोजन हेतु ट्रस्ट अथवा ट्रस्ट के लेखा परीक्षकों द्वारा मांगा गया कोई भी स्पष्टीकरण उपलब्ध करायेंगे।

भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि. (एसएचसीआईएल) का सेबी रजिस्ट्रेशन नंबर आईएन/सीयूएस/011 है।

एसएचसीआईएल शुल्क की दर इस प्रकार है :

	इलेक्ट्रॉनिक	वास्तविक
डीमटेरियलाइजेशन	रु. 5 प्रति प्रमाणपत्र	-
खरीद	5.5 आधार बिंदु	प्रति डीआईपी रु. 100
बिक्री	5.5 आधार बिंदु	प्रति डीआईएस रु. 100
अभिरक्षा	1.5 आधार बिंदु दैनिक आधार पर परिकलित	8 आधार बिंदु साप्ताहिक आधार पर परिकलित
गैर बाजार खरीद	3.5 आधार बिंदु	-
गैर बाजार बिक्री	3.5 आधार बिंदु	-
रीमटेरियलाइजेशन	प्रति प्रमाणपत्र रु. 15	-

#### 2. लेखा परीक्षक

मेसर्स चतुर्वेदी एंड कंपनी, चाटर्ड एकाउंटेंट, 60 बेंटिक स्ट्रीट, कलकत्ता 700 069 एवं मेसर्स बाटलीबॉय एण्ड पुरोहित, चाटर्ड एकाउंटेंट, नेशनल एंशयोरेंस बिल्डिंग, 204, डी.एन. रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 एवं योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति आईडीबीआई द्वारा की जाती है और वे प्रत्येक वर्ष बदले जाने के अधीन हैं।

#### 3. रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट



मेसर्स एमसीएस लि. - सेबी रजिस्ट्रेशन सं. आईएनआर000000056- को रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है।

यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि रजिस्ट्रार के पास आवेदन पत्रों, अंतरण फार्मों एवं पुनर्खरीद आग्रहों की प्रोसेसिंग करने, सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्रों एवं आय वितरण वारंटों को निर्धारित समय के भीतर प्रेषित करने और निवेशक की शिकायतों को दूर करने जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पर्याप्त क्षमता है।

आवेदन पत्रों की प्रोसेसिंग और बिक्री के पश्चात् सेवाएं रजिस्ट्रार की निम्नलिखित शाखाओं द्वारा प्रदान की जाएंगी :

**पश्चिमी अंचल (गुजरात राज्य के अतिरिक्त) :** श्री पद्मावती भवन, प्लॉट सं. 93, रोड नं. 16, एमआईडीसी एरिया, अंधेरी (पूर्व), मुंबई 400 093. टेलि. नं.: 820 1785, 836 8681.

**केवल गुजरात राज्य के लिए :** 101, शतदल कॉम्प्लेक्स, पहली मंजिल, बाटा शो रुम के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009 दूरध्वनि--6582878

**पूर्वी अंचल :** श्री वेंकटेश मंगलम, 24/26 हेमंत बसु सराणी, कलकत्ता - 700 001. टेलि. नं. : 210 2805, 210 2806, 210 2807.

**दक्षिणी अंचल :** श्री वेंकटेश भवन, 225, थम्बू चेदटी स्ट्रीट, चेन्नई 600 001. टेलि. नं. : 524 0116, 524 0120.

**उत्तरी अंचल :** श्री वेंकटेश भवन, 212-ए, शाहपुरजात, नई दिल्ली-110049. टेलि. नं. : 649 4830, 649 1784.

#### 4. संग्रहणकर्ता एवं भुगतानकर्ता बैंक

अखिल भारतीय आधार पर भारतीय स्टेट बैंक संग्रहणकर्ता एवं भुगतानकर्ता बैंक के रूप में कार्य करेगा। यूटीआई बैंक को संग्रहण एवं स्थानीय भुगतान तथा साथ ही सीमित स्थानों पर सम-मूल्य भुगतानों हेतु नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त दक्षिणी अंचल के लिए केनरा बैंक भी संग्रहणकर्ता एवं भुगतानकर्ता बैंक के रूप में कार्य करेगा।

आवेदन यूटीआई शाखा कार्यालयों, सीआर संग्रहण केंद्रों एवं विशेष बिक्री कार्यालयों में भी स्वीकार किए जाएंगे। यूटीआई शाखा कार्यालयों के पते अंतिम पृष्ठ पर दिए गए हैं। ओमान सल्तनत में ओमान अंतर्राष्ट्रीय बैंक की चुनी हुई शाखाएं, अनिवासियों से आवेदन पत्रों का संग्रहण करने हेतु नियुक्त की गई हैं। सभी अनिवासी आवेदनों का व्यवहार एवं संसाधन प्रमुख रूप से एमसीएस लि. के मुंबई कार्यालय द्वारा किए जाएंगे।

**बैंकों के मुख्य व्यापार के पते :**

#### भारतीय स्टेट बैंक

एस.ए.ओ.जी.

(विकास एवं निजी बैंकिंग)

स्थानीय मुख्य कार्यालय, मादाम कामा रोड,

पो. बॉ. नं 10003, मुंबई - 400 021

#### ओमान अंतर्राष्ट्रीय बैंक एस.ए.ओ.जी

1-ए, मिस्तल कोर्ट, नरीमन प्वाइंट,

मुंबई - 400 021

**केनरा बैंक**

तंबूचेट्टी स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001

**यूटीआई - बैंक लि.**

केंद्रीय कार्यालय, मेकर टॉवर - 'एफ'

13वीं मंजिल, कफ परेड, कोलाबा,

मुंबई - 400 005.

**XIX. निवेशकों की शिकायतों का निवारण**

1. सभी निवेशक अपनी शिकायतें निवेश संबंधी पूर्ण विवरण देते हुए संबंधित निवेशक संपर्क कक्ष को निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं :

**पश्चिमी अंचल :**

सुश्री तन्वी उपाध्ये/  
श्री प्रकाश सहस्रबुद्धे  
भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
'जीएन' ब्लाक, बान्दरा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स  
बान्दरा (पूर्व), मुंबई 400 051  
टेली : 652 0850

**पूर्वी अंचल :**

श्री एस एल चक्रवर्ती  
भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
29, एन.एस. रोड  
कलकत्ता-700 001  
टेली : 221 0533

**दक्षिणी अंचल :**

सुश्री शिरिन रामप्रसाद/सुश्री हरी प्रिया एस.  
भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
यूटीआई हाउस, 29, राजाजी सालै,  
चेन्नई-600 001  
टेली : 5260146

**उत्तरी अंचल :**

सुश्री अंजू कृष्णन  
भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
हेरॉल्ड हाउस, 2री मंजिल,  
5ए, बहादुरशाह ज़फर मार्ग,  
नई दिल्ली 110 002  
टेली : 332 1801/3315574

**2. निवेशकों की शिकायतों, जिनका निवारण किया गया, का रिकॉर्ड**

पिछले तीन वर्षों की दौरान प्राप्त शिकायतें, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, इस प्रकार हैं:

अवधि	शिकायतों की संख्या	कुल प्राप्त में से निवारणाधीन
------	--------------------	----------------------------------

	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	शिकायतें
01-07-95 से 30-04-96	685997	651813	34184	4.98%
01-04-96 से 31-03-97	470169	447495	22675	4.82%
01-04-97 से 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%
01-04-97 से 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%

01-08-98 से 31-07-99 तक की अवधि के लिए प्राप्त शिकायतों की संख्या, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, उनका योजनावार विवरण नीचे दिया गया है :

योजना	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	निवारणाधीन शिकायतें
सीसीसीएफ	702	698	4	0.5%
सीजीजीएफ	4680	4615	65	1.39%
सीजीएस-83	22	22	0	0.00%
सीजीयूएस-91	615	615	0	0.00%
सीआरटीएस	94	93	1	1.06%
डीआईपी-91	1218	1202	16	1.31%
डीआईयूपी-93	4534	4500	34	0.75%
डीआईयूपी-95	530	525	5	0.94%
डीआईयूएस-90	238	238	0	0.00%
डीआईयूएस-91	201	200	1	0.50%
डीआईयूएस-92	303	302	1	0.33%
ईओएफ	40	38	2	5.00%
जीसीजीआई	722	659	63	8.73%
जीआईयूएस-89(II)	36	36	0	0.00%
जीएमआईएस-91	748	734	14	1.87%
जीएमआईएस-92 (I)	420	419	1	0.24%
जीएमआईएस-92 (II)	472	472	0	0.00%
जीएमआईएस-बी-92	1330	1314	16	1.20%
जीएमआईएस-बी-92(II)	533	533	0	0.00%
ग्रैंडमास्टर-93	815	800	15	1.84%
गृहलक्ष्मी यूनिट प्लान	898	897	1	0.11%
आवास यूनिट योजना	111	111	0	0.00%
आईईएफ-97	88	88	0	0.00%
आईआईएसएफयूएस	10	10	0	0.00%
95,96,97				
मास्टर इंडेक्स फंड	170	170	0	0.00%
मास्टर वेल्यू यूनिट प्लान	3	3	0	0.00%
मास्टरगेन-92	23718	23715	3	0.01%
मास्टरग्रोथ-93	2364	2289	75	3.17%
मास्टरप्लस-91	31471	31452	19	0.06%
मास्टरशेयर-86	18270	18266	4	0.02%

एमईपी-91	1540	1484	56	3.64%
एमईपी-92	9093	8853	240	2.64%
एमईपी-93	6107	6022	85	1.39%
एमईपी-94	4497	4431	66	1.47%
एमईपी-95	7797	7715	82	1.05%
एमईपी-96	1128	1074	54	4.79%
एमईपी-97	103	99	4	3.88%
एमईपी-98	394	394	0	0.00%
एमआईपी-93	3488	3450	38	1.09%

योजना	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवारणाधीन शिकायतें
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
एमआईपी-94(I)	764	752	12	1.57%
एमआईपी-94(II)	1828	1813	15	0.82%
एमआईपी-94(III)	1441	1407	34	2.36%
एमआईपी-95	583	568	15	2.57%
एमआईपी-95(II)	679	669	10	1.47%
एमआईपी-95(III)	266	259	7	2.63%
एमआईपी-96	339	332	7	2.06%
एमआईपी-96(II)	406	402	4	0.99%
एमआईपी-96(III)	857	837	20	2.33%
एमआईपी-96(IV)	5446	5264	182	3.34%
एमआईपी-97	1069	1051	18	1.68%
एमआईपी-97(II)	2060	2031	29	1.41%
एमआईपी-97(III)	2183	2124	59	2.70%
एमआईपी-97(IV)	1006	977	29	2.88%
एमआईपी-97(V)	484	478	6	1.24%
एमआईपी-98	2587	2547	40	1.55%
एमआईपी-98(II)	2878	2824	54	1.88%
एमआईपी-98(III)	3913	3724	189	4.83%
एमआईपी-98(IV)	1630	1600	30	1.84%
एमआईपी-98(V)	2744	2446	298	10.86%
एमआईपी-99(I)	172	134	38	22.09%
एमआईएस-बी-93	1866	1858	8	0.43%
एमआईएसजी-90(I)	1553	1531	22	1.42%
एमआईएसजी-90(II)	2959	2935	24	0.81%
एमआईएसजी-91	5147	5113	34	0.66%
एन.आर.आई. फंड	258	252	6	2.33%
ओमनी-प्लान	45	45	0	0.00%
प्राइमरी इक्विटी फंड	551	551	0	0.00%
राजलक्ष्मी	2744	2731	13	0.47%
सेवानिवृत्ति लाभ प्लान	656	635	21	3.20%
वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान	699	697	2	0.29%
यूजीएस-10000	868	851	17	1.96%

यूजीएस-2000	3098	2989	109	3.52%
यूजीएस-5000	2157	2122	35	1.62%
यूलिप	11394	11057	337	2.96%
यूएस -64	58878	57452	1426	2.42%
यूएस -92	1235	1235	0	0.00%
यूटीआई बॉन्ड फंड	287	287	0	0.00%
कुल	257233	253118	4115	1.60%

### शिकायतें लंबित रहने के कारण :

- (i) संग्रहणकर्ता बैंकों से आवेदन पत्र/निधियों का प्राप्त न होना।
- (ii) आवेदन पत्र में निवेशक के पते, नाम और हस्ताक्षर सहित अपूर्ण विवरण
- (iii) निवेशक के पते में हुए परिवर्तन को सूचित नहीं किया जाना/अद्यतन नहीं किया जाना।
- (iv) मार्ग में ही खो जाना।
- (v) डाक सेवा में विलंब
- (vi) अंतरण/मृत्यु दावों/पुनर्खरीद के मामलों में अपेक्षित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना।
- (vii) शिकायतें भेजते समय अपूर्ण ब्यौरा
- (viii) कमीशन प्राप्त न होना/विलंब से प्राप्त होना
- (ix) पत्रों/दस्तावेजों को गलत कार्यालय/रजिस्ट्रार को भेजा जाना।

### XX. जुर्माना, लंबित मुकदमा, निरीक्षणों/जांच-पड़तालों के महत्वपूर्ण निष्कर्ष

1. भारतीय यूनिट ट्रस्ट/न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों में से किसी (विशिष्टतः निधि प्रबंधक) के प्रति सेबी अधिनियम या उसकी कोई विनियमों के अंतर्गत सेबी द्वारा जहां यूटीआई की योजना की यूनिटें सूचीबद्ध हैं या किसी स्टॉक एक्सचेंज जुर्माना लगाने का कोई मामला नहीं है।
2. न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों सहित भारतीय यूनिट ट्रस्ट के व्यापार से संबंधित कोई महत्वपूर्ण मुकदमे की कार्यवाही लंबित नहीं है। भारतीय यूनिट ट्रस्ट, न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों के प्रति कोई अपराधिक मामला लंबित नहीं है।
3. न तो सेबी और न ही किसी अन्य नियामक एजेंसी ने भारतीय यूनिट ट्रस्ट के परिचालनों या सिस्टम्स में किसी कमी को पेशकश दस्तावेज में दर्शाया जाने की विशेष रूप से सलाह दी है।

4. भारतीय यूनिट ट्रस्ट, न्यासी मंडल/न्यासी या मुख्य कर्मों के प्रति सेबी अधिनियम और उसके अंतर्गत बने विनियमों के अधीन कोई पूछताछ/अधिनिर्णय की कार्यवाही नहीं है।

### XXI. ट्रस्ट में वाई2के के अनुपालन की स्थिति

1. ट्रस्ट ने क्रिटिकल अप्लिकेशन के संदर्भ में संस्थावार वाई2के अनुपालन की स्थिति प्राप्त की ली है। इसके सभी कार्यालयों में सभी हार्डवेयर, सिस्टम सॉफ्टवेयर एवं अप्लिकेशन सॉफ्टवेयर वाई2के अनुपालक हैं।
2. विभिन्न योजनाओं के निवेशकों को सेवाएं प्रदान करनेवाले रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंटों ने भी वाई2के अनुपालन की स्थिति प्राप्त कर ली है।
3. ट्रस्ट ने वर्ष 2000 में बाजार परिचालन, निवेशक सेवाएं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलापों का निर्बाध रूप से चलना सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत आकस्मिकता प्लान भी तैयार किया है।
4. इस समय ट्रस्ट तीसरे पक्ष से वाई2के की तैयारी के संदर्भ में प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।
5. वर्ष 2000 में ट्रस्ट के साथ लेनदेन करने वाले सभी निवेशकों तथा अन्य व्यावसायिक तत्वों को निर्बाध सेवा प्रदान करने हेतु ट्रस्ट आश्वस्त है।

### XXII. संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रारंभ की गई सभी योजनाओं हेतु वर्ष 1996-97, 1997-98 एवं 1998-99 के लिए संक्षिप्त वित्तीय जानकारी संलग्न है।

कृते भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
ह/-  
(बी.जी. डागा)  
कार्यपालक निवेशक  
व्यवसाय विकास एवं विपणन  
स्थान : मुंबई  
दिनांक : 24-05-1999

संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

(3) पूर्णकालीन प्रतिपुष्टि अंकजो

विवरण (आयोजना की विधि)	एचएचएचएच (23.04.97) @			एचएचएचएच (24.04.97)			सीएचएचएच (25.04.97)			एचएचएचएचएचएचएच (26.04.97)			एचएचएचएच (27.04.97)			एचएचएचएच (28.04.97)		
	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99
1. वॉर के अंतर्गत में एचएचएच	100.00	100.17	111.25	100.00	111.00	*113.30	100.00	111.52	@113.00	100.00	111.00	100.00	100.00	100.70	*112.00	100.00	112.00	9.70
						*110.11			\$111.40						*9.45			
2. युद्ध आयाजि वृद्धि	0.14	0.74	0.70	0.90	1.44	1.32	1.10	1.40	1.40	1.00	1.42	1.50	0.67	1.30	1.30	0.31	0.71	-1.00
3. आयाजिआयः (75) आया	-	-	-	15.00	101.00	101.75	15.00	15.00	@101.85	100.00	100.00	100.00	15.00	101.00	101.75	-	-	-
									\$101.85									
4. आयाजिओं में आयाजि (वॉर के अंतर्गत में)	-	0.70	0.70	-0.00	0.37	0.32	0.75	1.17	1.00	0.05	-0.10	0.15	0.00	0.77	0.52	-	0.32	-1.07
5. वॉर के अंतर्गत में एचएचएच	100.17	111.25	102.47	111.00	*113.30	*115.00	111.52	@9.25	@101.20	110.00	100.00	100.00	100.71	*112.00	*114.00	112.00	9.70	11.60
					*110.11	*9.90		\$112.00	\$113.40					*113.40	*9.60			
6. वॉर के अंतर्गत में आयाजि (75)	9.17	100.00	100.00	200.00	*100.00	*100.00	300.00	@100.00	@100.00	300.00	100.00	100.00	200.00	*100.00	*100.00	300.00	-2.30	27.00
					*100.00	*100.00		\$100.00	\$100.00					*100.00	*100.00			
7. वॉर के अंतर्गत में युद्ध आयाजि (वॉर के अंतर्गत में)	37.90	100.00	300.00	400.00	400.00	400.00	200.00	200.00	200.00	200.00	170.00	170.00	100.00	100.00	100.00	100.00	71.14	85.50
8. युद्ध आयाजिओं में वॉर के अंतर्गत में आयाजि (75)	0.00	0.00	0.11	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00

\* संक्षिप्त वित्तियन \* आयाजिओं में वित्तियन \* आयाजिओं में वित्तियन \* वॉर के अंतर्गत में वित्तियन \* वॉर के अंतर्गत में वित्तियन  
 @ 31.00.97 तक 1997: 99 31.00.97 तक 1997: @ 31.00.97 तक 1997: 31.00.97 तक 1997:

विवरण (आयोजना की विधि)	एचएचएचएच (29.04.97)			एचएचएचएच (30.04.97)			एचएचएचएचएचएचएच (31.04.97)			एचएचएचएच (01.05.97)			एचएचएचएच (02.05.97)			एचएचएचएच (03.05.97)		
	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99
1. वॉर के अंतर्गत में एचएचएच	100.00	100.32	*9.30	100.00	100.00	*9.30	100.00	100.14	9.40	100.00	100.00	9.30		*9.70				*9.90
			*9.00			*9.25								*9.30				*9.50
2. युद्ध आयाजि वृद्धि	0.25	1.00	0.50	0.11	1.00	0.50	0.12	1.00	1.00	0.00	0.10	1.10	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. आयाजिआयः (75) आया	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	15.00	15.00	15.00	-	-	-	15.00	15.00	15.00	15.00	15.00	15.00
4. आयाजिओं में आयाजि (वॉर के अंतर्गत में)	-0.00	-0.25	-0.00	0.00	-0.00	-0.25	-	-0.00	-0.25	-	0.10	1.00	-0.20	-0.10	0.00	-0.30	-0.30	-0.30
5. वॉर के अंतर्गत में एचएचएच	100.32	*9.30	*9.17	100.00	*9.30	*9.50	100.14	9.40	9.40	100.00	9.30	100.00	*9.30	*9.90	*9.20	*9.30	*9.30	*9.30
		*9.00	*9.00		*9.25	*9.25							*9.30	*9.40	*9.40	*9.40	*9.40	*9.40
6. वॉर के अंतर्गत में आयाजि (75)	30.00	*5.00	*9.70	-	*5.50	*10.00	-	9.40	13.00	-	-0.30	30.00	*5.50	*10.00	*9.40	*10.00	*10.00	*10.00
		*5.00	*9.30		*10.00	*10.00							*9.50	*10.00	*9.40	*10.00	*10.00	*10.00
7. वॉर के अंतर्गत में युद्ध आयाजि (वॉर के अंतर्गत में)	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70	1100.70
8. युद्ध आयाजिओं में वॉर के अंतर्गत में आयाजि (75)	0.00	0.00	1.10	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.10	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00

\* संक्षिप्त वित्तियन \* आयाजिओं में वित्तियन

[illegible]

\* संशोधनिकार्य \* प्रशिक्षणिकार्य \* प्रशासनिकार्य \* आदर्शिकार्य आकाशवाणी केन्द्रों के लिए सुझावों की तालिका दी गई है।



योजना (आबंटन की तिथि)	एसआईएफ (08.07.98)	एमआईपी 98 (IV) (01.12.98)	आईआईएसएफयूएस 98 (II) (01.01.99)	एमआईपी 99 (V) (01.02.99)	एमआईपी 99 (31.03.99)
1. वर्ष के आरंभ में एनएवी	9.89	--	--	--	--
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	1.31	0.90	0.92	--	0.47
3. आय वितरण : (%) प्र.व.	--	12.50	14	--	--
4. प्रारक्षितों में अंतरण (यदि कोई हो).	1.34	0.28	-0.02	--	0.47
5. वर्ष के अंत में एनएवी	11.33	*10.83 ^10.41 \$\$11.26	10.3	*10.33 ^9.96 \$\$10.53	11.26
6. वार्षिकीकृत आय (%)	13.62	*27.86 ^19.35 \$\$20.80	20.95	--	--
7. अवधि के अंत में शुद्ध आस्तियां (रु. करोड़ में)	0.25	948.89	1158.06	882.07	3.91
8. शुद्ध आस्तियों में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	1.90	0.78	0.30	0.59	1.09

ii) ट्रस्ट की योजनाओं द्वारा उधार लेने की कोई घटना नहीं है।

## मासिक आय प्लान 1999 (II)

पूर्ववर्ती आंकड़े प्रति यूनिट

योजनाएं	31.08.99 को एनएवी	वार्षिकीकृत आय
यूबीएफ	11.684	12.45%
एसआईएफ	12.34	22.98%
आईआईएसएफयूएस-96	11.34	19.13%
आईआईएसएफयूएस-97	10.48	16.01%
आईआईएसएफयूएस-97(II)	10.78	16.01%
आईआईएसएफयूएस-98	10.93	19.20%
आईआईएसएफयूएस-98(II)		
- संघयी विकल्प	10.78	20.95%
- आय विकल्प	10.75	20.56%
यूएनएफ		
- संघयी विकल्प	11.10	8.12%
- वार्षिक विकल्प	10.39	13.05%
एमएमएमएफ #	12.7121	10.68%
एमईपी-97*	13.35	59.31%
एमईपी-98*	12.11	49.88%
एमईपी-99*	12.65	
यूजीएस-1000(i)*	16.30	51.21%
आईईएफ*	17.35	71.61%
एमवीयूपी*	17.97	79.70%
एमआईएफ*	15.33	69.39%
एमआईपी-96(III)		
- असंघयी विकल्प	10.35	15.88%
- संघयी विकल्प	15.96	17.38%
एमआईपी-96(IV)		
- असंघयी विकल्प	9.77	13.80%
- संघयी विकल्प	14.62	15.31%
एमआईपी-97		
- असंघयी विकल्प	9.03	10.79%
- संघयी विकल्प	9.84	11.35%
एमआईपी-97(II)		
- असंघयी विकल्प	9.23	11.37%
- संघयी विकल्प	10.02	12.07%
एमआईपी-97(III)		
- असंघयी विकल्प	9.83	12.95%
- संघयी विकल्प	10.59	14.11%

योजनाएं	31.08.99 को एनएवी	वार्षिकीकृत आय
एमआईपी-97(IV)		
- असंघयी विकल्प	9.93	12.87%
- संघयी विकल्प	10.85	15.22%
एमआईपी-97(V)		
- मासिक विकल्प	10.19	13.56%
- संघयी विकल्प	10.83	13.92%
- वार्षिक विकल्प	11.06	13.85%
एमआईपी-98		
- मासिक विकल्प	10.21	14.74%
- संघयी विकल्प	11.08	17.34%
- वार्षिक विकल्प	10.94	16.04%
एमआईपी-98(II)		
- मासिक विकल्प	9.90	16.06%
- संघयी विकल्प	10.67	17.87%
- वार्षिक विकल्प	11.72	16.56%
एमआईपी-98(III)		
- मासिक विकल्प	10.21	17.80%
- संघयी विकल्प	11.11	22.98%
- वार्षिक विकल्प	11.96	20.45%
एमआईपी-98(IV)		
- मासिक विकल्प	10.65	22.63%
- संघयी विकल्प	11.34	24.67%
- वार्षिक विकल्प	11.80	30.19%
एमआईपी-98(V)		
- मासिक विकल्प	10.17	16.51%
- संघयी विकल्प	10.75	17.28%
- वार्षिक विकल्प	10.97	28.27%
डीआईपी-95		
- आस्थगित विकल्प	11.25	14.58%
- संघयी विकल्प	18.18	16.48%
डीआईपी-91		
- तिमाही आय विकल्प	10.82	16.62%
- आस्थगित विकल्प	13.23	18.15%
- वृद्धि विकल्प	16.58	19.22%

\* 1.09.99 को एनएवी

# 15.09.99 को एनएवी

**XXIII. उन योजनाओं का विवरण जिनके प्रतिफल की गारंटी यथा 31/08/99 डीआरएफ द्वारा दी गई है**

योजना का नाम	अवधि		सुद्ध आय	आय वितरण ^	निवेश योग्य निधि @	आश्वासित प्रतिफल की दर	31.08.99 को प्रारम्भित निधि
	से	तक					
एमआईपी-97	01.05.97	30.06.97	28.95	35.37	1049.2	14%	- 136.04
	01.07.97	30.06.98	124.49	153.57			
	01.07.98	30.06.99	66.55	159.10			
	01.07.99	31.08.99	36.26	18.28			
एमआईपी-97(II)	*	30.06.97	15.29	19.54	1511.67	14%	- 125.54
	01.07.97	30.06.98	170.34	184.33			
	01.07.98	30.06.99	116.33	200.71			
	01.07.99	31.08.99	38.18	20.23			
आईआईएसएफयूएस-97	*	30.06.97	7.91	14.77	755.24	15%	- 36.13
	01.07.97	30.06.98	72.57	98.89			
	01.07.98	30.06.99	95.88	113.89			
	01.07.99	31.08.99	14.7334				
एमआईपी-97(III)	*	30.06.97	0.00	0.21	841.68	13%	- 50.14
	01.07.97	30.06.98	73.40	96.86			
	01.07.98	30.06.99	92.48	108.55			
	01.07.99	31.08.99	16.17	14.55			
एमआईपी-97(IV)	01.11.97	30.06.98	76.69	75.57	861.62	12.50%	- 27.15
	01.07.98	30.06.99	88.62	111.72			
	01.07.99	31.08.99	19.17	13.13			
एमआईपी-97(V)	01.01.98	30.06.98	33.33	20.53	448.48	11.75%	- 3.35
	01.07.98	30.06.99	31.93	47.94			
	01.07.99	31.08.99	16.16	5.07			
आईआईएसएफयूएस-97(II)	01.02.98	30.06.98	40.68	45.58	654.84	12.75%	- 16.56
	01.07.98	30.06.99	67.52	96.04			
	01.07.99	31.08.99	14.9602				
एमआईपी-98	01.04.98	30.06.98	30.02	31.59	904.20	12.50%	- 2.89
	01.07.98	30.06.99	110.7	111.79			
	01.07.99	31.08.99	21.23	12.05			
आईआईएसएफयूएस-98	01.06.98	30.06.98	8.16	25.85	1001.79	13.50%	- 19.4585
	01.07.98	30.06.99	123.95	147.51			
	01.07.99	31.08.99	20.2605				

योजना का नाम	अवधि		शुद्ध आय	आय वितरण ^	निवेश योग्य निधि @	आशवासित प्रतिफल की दर	31.08.99 को प्रारक्षित निधि
	से	तक					
एनआरआई फंड	01.06.98	30.06.98	0.25	0.65	66.83	13.50%	- 0.1671
	01.07.98	30.06.99	8.30	8.81			
	01.07.99	31.08.99	1.29				
एमआईपी - 98(II)	*	30.06.98	2.42	8.19	779.90	12.50%	- 24.32
	01.07.98	30.06.99	85.04	109.96			
	01.07.99	31.08.99	14.59	8.68			
एमआईपी - 98(III)	01.09.98	30.06.99	147.41	113.07	1385.96	12.50%	0.49
	01.07.99	31.08.99	26.3	60.16			
एमआईपी-98(IV)	01.12.98	30.06.99	79.70	55.28	832.15	12.50%	32.93
	01.07.99	31.08.99	17.82	9.32			
आईआईएसएफयूएस-98(II)	01.01.99	30.06.99	103.88	106.57	1051.73	14%	18.9415
	01.07.99	31.08.99	21.6315				
एमआईपी-98(V)	01.02.99	30.06.99	29.48	29.65	800.59	12.50%	9.24
	01.07.99	31.08.99	16.34	6.94			
सीजीजीएफ	01.07.98	30.06.99	210.77	502.33	2952.09	14%	-240.7
	01.07.99	31.08.99	38.15	--			
आरयूपी	01.07.98	30.06.99	31.63	--	521.34	रु. 1500/- 20 वर्षों में रु. 21000/- हो जाते हैं।	115.44
	01.07.99	31.08.99	6.68	--			
एमआईपी-99	01.06.99	30.06.99	23.59	30.52	1758.44	10.75%	2.68
	01.07.99	31.08.99	26.97	17.37			
सीजीजीएफ 86 (पुनःआरंभ)	01.07.98	30.06.99	- 2.63	1.31	35.52	12%	- 4.25
	01.07.99	31.08.99	0.18				
आरयूपी 99 (पुनःआरंभ)	01.07.98	30.06.99	- 1.91	--	22.31	रु. 1500/- 20 वर्षों में रु. 15000/- हो जाते हैं।	- 2.43
	01.07.99	31.08.99	0.10	--			
कुल					18235.58		-364.0127

@ 30.06.99 को \* प्रारंभिक बिक्री अवधि : ^ आय वितरण पर विचार किया जाता है जो देय हैं।

**प्रबंधन दृष्टिकोण :** उपरोक्त योजनाएं वर्ष 2002 से 2004 तक विभिन्न तिथियों पर परिपक्व होंगी। बाजार की परिस्थितियों में सुधार होने के साथ अंतरनिहित स्क्रिप्ट मांकेतिक हास को उलटते हुए अपने उचित मूल्य को प्राप्त कर लेंगे, ऐसी संभावना है। इसके अतिरिक्त, योजना प्रतिदाय होने से पहले ऋण एवं इक्विटी में सक्रिय लेन-देन से मूल्य में वृद्धि होने की संभावना है।



## भारतीय यूनिट ट्रस्ट

### कापरेट कार्यालय

13, संर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग (न्यू मरीन लाईन्स), मुंबई-400 020. टेलि : 206 8468.

### आंचलिक कार्यालय

● पश्चिमी अंचल : 'जीएन' ब्लाक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई-400 051. टेलि : 6520850. ● पूर्वी अंचल : 4, फेयरली प्लेस, पहली मंजिल, पोस्ट बैग नं. 60, कलकत्ता-700 001. टेलि : 220 9371. ● दक्षिणी अंचल : यूटीआई हाउस, 29, राजाजी सलई, चेन्नई-600 001. टेलि : 521 0335. ● उत्तरी अंचल : जीवन भारती, 13वीं मंजिल, टावर II, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110 001. टेलि : 332 1597.

### पश्चिमी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

अहमदाबाद : बी जे हाऊस, 2री, 3री और 4थी मंजिल, आश्रम मार्ग, अहमदाबाद-380009. टेलि : 6583043. • बड़ौदा : मेघधनुष, चौथी और पांचवीं मंजिल, ट्रान्स्पेक सर्कल, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा-390015. टेलि : 336962. • भोपाल : पहली मंजिल, गंगाजमुना कमर्शियल काम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 202, महाराणा प्रताप नगर, अंचल-1, भोपाल-462001. टेलि : 558 308. • इन्दौर : सिटी सेंटर, दूसरी मंजिल, 570, एम जी रोड, इन्दौर-452001. टेलि : 535607. • मुंबई : (1) यूनिट सं. 2, ब्लाक 'बी' गुलमोहर क्रॉस रोड नं. 9, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई - 400049. टेलि : 6201995. • मुंबई : (2) पर्सेपोलिस बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, आंध्र बैंक के ऊपर, सेक्टर 17, वाशी, नवी मुंबई - 400703. टेलि : 7892126. • मुंबई : (3) लोटस कोर्ट बिल्डिंग, 196, जमशेदजी टाटा रोड, बैंकवे रिकलमेशन, मुंबई-400020. टेलि : 2850821. • मुंबई : (4) श्रद्धा शॉपिंग आर्केड, पहली मंजिल, एस वी रोड, बोरिवली (पश्चिम), मुंबई-400092. टेलि : 8980521. • मुंबई : (5) सागर बोनाज़ा, पहली मंजिल, खोत लेन, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई-400086. टेलि : 5162256. • कोल्हापुर : अयोध्या टावर्स, सी एस नं. 511, केएच-1/2, 'ई' वार्ड, वाबोलकर कार्नेर, स्टेशन रोड, कोल्हापुर-416001. टेलि : 657315. • नागपुर : श्री मोहिनी काम्प्लेक्स, तीसरी मंजिल, 345, सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, नागपुर-440001. टेलि : 536893. • नासिक : सारवा संकुल, दूसरी मंजिल, एम.जी. रोड, नासिक-422001. टेलि : 572166. • पणजी : ई.डी.सी. हाऊस, भूतल. डॉ. ए बी मार्ग, पणजी, गोवा-403001. टेलि : 222472. • पुणे : सवाशिव विलास, तीसरी मंजिल, 1183 फर्ग्युसन कालेज रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411005. टेलि : 5535954. • राजकोट : लल्लूभाई सेन्टर, तीसरी मंजिल, लखाजी राज रोड, राजकोट-360001. टेलि : 235112. • सूरत : सैफी बिल्डिंग, डब रोड, ननपुरा, सूरत-395001. टेलि : 474550. • ठाणे : यूटीआई हाउस, स्टेशन रोड, ठाणे (प.) -400601. टेलि : 5400905.

### पूर्वी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

भुवनेश्वर : 1ली एवं 2री मंजिल, ओसीएचसी बिल्डिंग, 24, जनपथ खारवेला नगर, राम मंदिर के समीप, भुवनेश्वर - 751001. टेलि : 410995. • कलकत्ता : 29, नेताजी सुभाष चंद्र रोड, कलकत्ता 700001. टेलि : 2434581. • दुर्गापुर : तीसरी एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण, सिटी सेन्टर, दुर्गापुर 713216. टेलि : 546831. • गुवाहाटी : हिंदुस्तान बिल्डिंग, 1ली मंजिल, एम एल नेहरू रोड, पानबाजार, गुवाहाटी 781001. टेलि : 543131. • जमशेदपुर : 1-ए, राम मंदिर परिसर, भूतल और दूसरी मंजिल, बिस्तपुर, जमशेदपुर 831001. टेलि : 425508. • पटना : जीवन दीप बिल्डिंग, भूतल और पांचवीं मंजिल, एक्जिबिशन रोड, पटना 800001. टेलि : 235001. • सिलीगुड़ी : जीवन दीप, भूतल, गुरु नानक सारनी, सिलीगुड़ी - 734401. टेलि : 535199.

**दक्षिणी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय**

**बंगलोर :** रहेजा टॉवर्स, 26-27, 12वीं मंजिल, पश्चिमी स्कंध, एम जी मार्ग, बंगलोर 560001. टेलि. : 5595691. • **कोचीन :** जीवन प्रकाश, पांचवीं मंजिल, एम जी रोड, एर्नाकुलम - 682011. टेलि. : 362354. • **कोयंबटूर :** चेरन टावर्स, तीसरी मंजिल, 6/25, आर्ट्स कॉलेज रोड, कोयंबटूर 641018. टेलि. : 214973. • **हुबली :** कालवर्गी मेशन, 4 वीं मंजिल, लेमिंगटन रोड, हुबली 580020. टेलि. : 363963. • **हैदराबाद :** पहली मंजिल, सुरभि आर्केड, 5-1-664, 665, 669, बैंक स्ट्रीट, कोटी, हैदराबाद 500001. टेलि. : 461 1095. • **चेन्नई :** यू.टी.आई. हाउस, 29, राजाजी साली, चेन्नई 600001. टेलि. : 5210357. • **मदुराई :** तमिलनाडु सर्वोच्च संघ बिल्डिंग, 108, तिरुधरनकुन्डम रोड, मदुराई 625001. टेलि. : 738186. • **मंगलूर :** सिद्धार्थ बिल्डिंग, पहली मंजिल, बाल-मसा रोड, मंगलूर-575001. टेलि. : 426290. • **तिरुअनंतपुरम :** स्वस्तिक सेन्टर, तीसरी मंजिल, एम. जी. रोड तिरुअनंतपुरम 695001. टेलि. : 331415. • **त्रिची :** 104, सलाई रोड, बोरियूर, तिरुचिरापल्ली 620003. टेलि. : 760060. • **त्रिचूर :** 28/700, वेस्ट पल्लिथामम बिल्डिंग, करुणाकरण नंदिथार रोड, राउंड नॉर्थ, त्रिचूर 680020. टेलि. : 331259. • **विजयवाड़ा :** 27-37-156, बन्वर रोड, मनोरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा 520002. टेलि. : 571134. • **विशाखापट्टनम् :** रत्ना आर्केड, तीसरी मंजिल, 47/15/6, स्टेशन रोड, द्वारका नगर, विशाखापट्टनम् 530016. टेलि. : 548121.

**उत्तरी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय**

**आगरा :** भूतल, जीवन प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी रोड, आगरा - 282002. टेलि. : 358046. • **इलाहाबाद :** यूनाइटेड टावर्स, तीसरी मंजिल, 53, लीडर रोड, इलाहाबाद 211003. टेलि. : 400521. • **अमृतसर :** श्री द्वारकाधीश काम्प्लेक्स, दूसरी मंजिल, क्विन्स रोड, अमृतसर-143001. टेलि. : 64388. • **बंड़ीगढ़ :** जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, बंड़ीगढ़-160017. टेलि. : 703683. • **बेहराबून :** दूसरी मंजिल, 59/3, राजपुर रोड, बेहराबून 248001. टेलि. : 746720. • **करीबाबाद :** बी-614-617, नेहरू ब्रांडेड, एनआईटी, करीबाबाद -121001. टेलि. : 219156. • **गजियाबाद :** 41, नवधुग मार्केड, गजियाबाद - 201001. टेलि. : 790366. • **जयपुर :** आनंद भवन, तीसरी मंजिल, संसार चन्द्र रोड, जयपुर 302001. टेलि. : 365212. • **जोधपुर :** मिर्बा सिनेमा, पहली मंजिल, स्टेशन रोड, जोधपुर 342 001, टेलि. : 645229. • **कानपुर :** 16/79इ, सिविल लाईन्स, कानपुर 208001. टेलि. : 317278. • **लखनऊ :** रिजेन्सी प्लाजा बिल्डिंग, 5, पार्क रोड, लखनऊ 226001. टेलि. : 238502. • **लुधियाना :** सूर्यकिरण, '92, व माल, लुधियाना 141001. टेलि. : 441264. • **नई दिल्ली :** तीसरी और चौथी मंजिल, डेली तेज, 8वीं बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002. टेलि. : 3318638. • **शिमला :** फ्लैट नं. 401, 402, 403, 405 मुकेश अपार्टमेंट्स, फिंगास्क एस्टेट, होटल शील के समीप, शिमला - 171 002. टेलि. : 257803. • **वाराणसी :** पहली मंजिल, डी-58/2ए-1, भवानी मार्केड रथवाड़ा, वाराणसी 221001. टेलि. : 358306.

**यूटीआई एनआरआई शाखा :**

28 वीं मंजिल, कामर्स सेंटर -1, विश्व व्यापार केंद्र, कंक पारेड, मुंबई-400 005. • टेलि. : 218 4184 • फैक्स : 218 2322 • ईमेल : यूटीआई एनआरआई@जीआईएसबीएम01.बीएसएमएस.एनईटी.आईएम

**हुबई प्रतिनिधि कार्यालय**

पोस्ट बॉक्स नं. - 29288, 17, अल-मस्काब, कराचा, हुबई - यू.ए.ई. • टेलि. : 00971 4 356656 • फैक्स : 356636

**यूटीआई लंदन शाखा :**

यूटीआई (जर्मनी लि.) श्री प्रदीप कुमार, स्ट्रेट बैंक हाऊस, 1, मिलक स्ट्रीट, लंदन ईसी2पी 2 जेपी • टेलि. : 0044171 454 0415 • फैक्स : 0044171 454 0416.

**ओमम आंतर्राष्ट्रीय बैंक की नामित शाखाएं**

**एनआरआई केंद्र :** पोस्ट बॉक्स 1216, पोस्टल कोड 112, रुबी शाखा. **सलमान ऑफ ओमाम :** अल कुवीर, पोस्ट बॉक्स 1216, रुबी-112. **बुरैमी :** पोस्ट बॉक्स 358, बुरैमी -512. **फाहुव :** पोस्ट बॉक्स 54, मीना-अल-फहल-116. **मारमुल :** पोस्ट बॉक्स 54, मीना-अल-फहल-116. **मीना अल फहल :** पोस्ट बॉक्स 54, मीना-अल-फहल-116. **मस्कर अल मुतफा :** पोस्ट बॉक्स 559, सीपीओ सीज 111. **मुज्राह :** पोस्ट बॉक्स 117, मुज्राह 114. **मिद्रवा :** पोस्ट बॉक्स 71, मिद्रवा-611. **कोरम :** पोस्ट बॉक्स 43, मीना-अल-फहल-116. **सलालाह :** पोस्ट बॉक्स 1453, सलालाह-211. **सिमफ :** पोस्ट बॉक्स 11, इप्री 511. **सुर :** पोस्ट बॉक्स 651, सुर - 411.

**SECRETARIAT OF COUNCIL OF  
INDIAN INSTITUTES OF TECHNOLOGY**

New Delhi, the 30th December 1999

No. 15-4/99-TS.I.—In pursuance of Sub-rule (d) of rule 5 of the Institutes of Technology Rules, 1962, the Council modifies the set up of Standing Committee on Executive Matters and amends the notification No. 15-1/95-TS.I dated 18th March, 1997 published in the Gazette of India dated April 5, 1997 in Part-III, Section 4 as follows, namely :—

In the said notification, after item (viii) and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

“(ix) Special Secretary Department of Secondary Education and Higher Education, Ministry of Human Resource Development, Member, ex-officio”.

DR. S. D. AWALE  
Secy. Council of IITs

Mhow, the 13th January 2000

Cantonment Board Mhow : Revision of Tax of Entry of Vehicles in Mhow Cantonment ..... 2000.

SRO, Whereas the draft of revision of Vehicle Entry Tax for the information of all persons was published vide Cantonment Board's Notice No. 7551/VET/813, dated 9th July 1999 as required by section 61 of the Cantonment Act 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions till 08-08-1999;

And whereas the said notice was put on the Cantonment Notice Board on the 9th day of July 1999;

And whereas no objections or suggestions were received from the public by Cantonment Board before the aforesaid date;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft of the revision of Vehicle entry tax as required by section 60 of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 60 of the said Act, and in supersession of the notification SRO dated 19-12-1979 published in the Gazette of India, Part III Section 4 dated 12-1-1980 and with the previous sanction of the Central Government, the Cantonment Board, Mhow hereby imposes the revised tax on the entry of vehicles carrying goods and/or passengers only in the limits of Cantonment of Mhow, payable by the owner/carrier/driver of the vehicles or the person incharge of the same at the rates specified in the Schedule annexed hereto :

**SCHEDULE**

Sr. No., Category of Vehicles & Rate per entry

1. Small commercial vehicles carrying goods i.e. Tractor with Trailor. All three wheeled goods carriers, All four wheeled goods carriers like Matador, Tata 402, Tata 407 or any vehicle of similar size  
— Rs. 2/-
2. All other vehicles carrying goods having maximum six wheels  
— Rs. 5/-
3. Any other vehicles carrying goods/liquids having more than six wheels i.e. Trailors/tankers etc.  
— Rs. 10/-

Provided that the tax specified in this Schedule shall not be payable in respect of the following categories of the vehicles, namely :—

- (a) Vehicles belonging to the Central Government and Government of Madhya Pradesh;
- (b) Vehicles belonging to the Cantonment Board;
- (c) Vehicles for carrying solely funeral parties;

10—429 GI/99

(d) Vehicles for carrying students from their residence to the school/college/university;

(e) Private cars.

(f) Vehicles engaged in election of Lok Sabha and Madhya Pradesh Legislative Assembly.

AJAY KUMAR SHARMA  
Cantonment Executive Officer:  
MHOW  
(F. No. 7551/VET)

**EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION**

New Delhi, the 6th December 1999

No. U-16/53/98-Med. II (Guj).—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation Under regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorised Dr. K. H. Sindhi, PTMR to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms for a period of one year i.e. from 1-12-99 to 30-11-2000 for Saraspur centre, Ahmedabad for areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (North West Zone) Ahmedabad for the purpose of medical examination of the Insured Persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH  
Medical Commissioner

New Delhi, the 21st December 1999

No. N-15/13/13/1/86-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st January, 2000 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Uttar Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Uttar Pradesh namely.

“Revenue Village of Kamrauli and Palpur in Pargana Jagdishpur and U'elwa in Pargana and Tehsil Musafir-khana, District Sultanpur”.

G. L. KAPOOR  
Director (P&D)

No. N-15/13/14/9/96-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st November, 2000 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely.

“The areas within the Revenue Villages of Melapalayam and Kulavanigarpuram of Palayamkottai Taluk in Tirunelveli District”.

G. L. KAPOOR  
Director (P&D)

No. N-15/13/6/2/96-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st November, 1999 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1957, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State Kerala namely.

"The areas within the Revenue Village of Mudakkal in Chirayinkeezhu Taluk of Thiruvananthapuram District".

G. L. KAPOOR  
Director (P&D)

#### REGIONAL OFFICE

#### EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION PANCHDEEP BHAWAN, SECTOR-19A

Chandigarh, the 14th December 1999

No. 14.V.34/13/1/86/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, H. P. has constituted the Local Committee consisting of the following members for the Solan area (where Chapter IV and V of the ESI Act, 1948 are already in force) wef the date of Notification.

#### CHAIRMAN

Under Regulation 10-A (1)(a)

1. Sub Divisional Magistrate,  
Solan (H.P.).

#### MEMBERS

Under Regulation 10-A (1)(b)

2. Labour Inspector,  
Solan (H.P.).

Under Regulation 10-A (1)(c)

3. Chief Medical Officer,  
Solan (H.P.).

Under Regulation 10-A (1)(d)

4. Sh. D. P. Gupta, Vice President,  
Himachal Futrusic Communication  
Wire Line Ltd.,  
Chambaghat, Solan (H.P.).

5. Sh. P. S. Gupta,  
Near Employment,  
Solan (H.P.).

Under Regulation 10-A (1)(e)

6. Sh. Balwant Guleria,  
HFCL, Wire Line Chambaghat,  
Distt. Solan (H.P.).
7. Sh. Sita Ram,  
Himachal Agzicom,  
Solan (H.P.).
8. Sh. Jagdish Chander,  
Sapron, Solan (H.P.).

#### MEMBER SECRETARY

Under Regulation 10-A (1)(f)

9. Local Office Manager,  
ESI Corporation,  
Parwanoo.

By Order  
B. C. BHARDWAJ  
Regional Director

No. 14.V.34/13/1/96/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, H. P. has constituted the Local Committee consisting of the following members for the Baritiwala Baddo areas (where Chapter IV and V of the ESI Act, 1948 are already in force) wef the date of Notification.

#### CHAIRMAN

Under Regulation 10-A (1)(a)

1. Sub Divisional Magistrate,  
Nalagarh, Distt. Solan.

#### MEMBERS

Under Regulation 10-A (1)(b)

2. Labour Inspector,  
Nalagarh, Distt. Solan.

Under Regulation 10-A (1)(c)

3. Medical Officer Incharge  
ESI Dispensary, Nalagarh/Barotiwalla,  
Solan (H.P.).

Under Regulation 10-A (1) (d)

4. Sh. P. K. Riware,  
Auro Spinning Mills,  
Sai Road, Baddi, Solan (H.P.).
5. Sh. Sharma, Manager Jai Mata Glass Ltd.,  
Barotiwalla (Solan) H.P.
6. Sh. K. K. Kolra, Himachal Fibers Ltd.,  
Barotiwalla (Solan), H. P.

Under Regulation 10-A (1) (e)

7. Sh. Mela Ram Chandel,  
Winsom Textile Mills Ltd.,  
Baddi (Solan) H.P.
8. Sh. Satvir Singh,  
M/s. Pamwi Tiesue Paper Mills,  
Jhadamajari, Nalagarh (Solan) H.P.
9. Sh. Barhma Nand,  
Himachal Fibers Ltd.,  
Barotiwalla (Solan), H.P.

#### MEMBER SECRETARY

Under Regulation 10-A (1)(f)

Local Office Manager,  
ESI Corporation,  
Barotiwalla.

By Order  
B. C. BHARDWAJ  
Regional Director

No. 14.V.34/13/1/86/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, H. P. has reconstituted the Local Committee consisting of the following members for the Parwanoo areas (where Chapter IV and V of the ESI Act, 1948 are already in force) wef the date of Notification.

#### CHAIRMAN

Under Regulation 10-A (1)(a)

1. Assistant Commissioner,  
Parwanoo, Distt. Solan (H.P.).

#### MEMBERS

Under Regulation 10-A (1)(b)

2. Labour Inspector,  
Parwanoo (H.P.).

Under Regulation 10-A (1)(c)

3. Medical Officer Incharge,  
ESI Hospital, Parwanoo.

Under Regulation 10-A (1)(d)

4. Sh. Vijay Pruthy,  
Manager Morepen Laboratories,  
Parwanoo (Solan), H.P.

5. Smt. Gita Sachdev,  
Manager Purolators India Ltd.,  
Parwanoo (Solan), H.P.

6. Sh. Surender Thakur,  
Manager Associated Ancillaries,  
Sector II, Parwanoo (Solan) H.P.

Under Regulation 10-A (1)(e)



7. Sh. Surender Thakur, B.M.S.  
Quarier, US Club, Shimla.
8. Sh. Satish Bhanot, Working Member,  
B.M.S., Nalagarh, Dis't. Solan (H.P.).
9. Sh. Tara Chand, Morepen Laboratories Ltd.,  
Masulkhana, Parwanoo (Solan) H.P.

Under Regulation 10-A (1)(f)

**MEMBER SECRETARY**

Local Office Manager,  
ESI Corporation,  
Parwanoo.

By Order  
B. C. BHARDWAJ  
Regional Director

**MINISTRY OF LABOUR**

**EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION**

HEAD OFFICE, BHAVISHYA NIDHI BHAWAN

14-BHIKAJI CAMA PLACE

New Delhi-110066, the 29th December 1999

S.O. No. File No. FP-I(121) 91/BHEL/KN/92371.—Whereas M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd., Bangalore (Karnataka) Code No. (KN/6682), has forwarded an application of its employ Shri B. Madhusudan Sarma, for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under Section 17 (1-C) of Employees' Provident Fund & Misc. Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, I, Ajai Singh, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of India Pension Rules (C.C.S. pension Rules) applicable to this individual employee of the said establishment are more favourable than the benefit provided under the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1-C) of Section 17 of the said Act, I, Ajai Singh, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt, the above said individual employee of the said establishment who was under the employment of the Central Government before absorption in the above establishment and was governed by C.C.S. Pension Rules, from the operation of all provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 with effect from the date of issue of the Notification or from the last date of service of those who retired after exercising option from 22-01-90 to 21-07-90 in terms of Government Orders dated 22-01-90 on the following terms and conditions :

1. The employee will not be entitled to or claim any benefit(s) under the Employees' Family Pension Scheme, 1971 from the date of exemption.
2. Option once exercised for the grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme 1971 will be irrevocable.
3. The employer in relation to the said employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, maintain such accounts and

provide such facilities for inspection as Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

AJAI SINGH

Central Provident Fund Commissioner

**SCHEDULE-1**

Establishment Name :

M/s. State Trading Corporation of India Ltd.

Address :

Bharat Heavy Electricals Ltd.  
Mysore Road,  
Bangalore-560026.  
Karnataka.

Estt. Code No. :

KN/6682

Sl. No., Name & Permanent Address

1. Shri B. Madhusudan Sarma—Senior Accountant Gr.-1 BHEL, Industrial Systems Group, 25/1, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560 001.

V. P. RAMAIAH

Regional Provident Fund Commissioner  
(H.Q.)

**UNIT TRUST OF INDIA**

Mumbai, the 30th December 1999

No. UT/DBDM/R-224/SPD-71-Z/99-2000.—The offer document of the Monthly Income Plan 1999(II) formulated under section 19(1)(8)(c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1999(II) made under section 21 of the said Act, approved in the Executive Committee Meeting held on 11-5-99 and by circulation on 3-08-99 is published herebelow.

S. CHATTERJI

Dy. General Manager  
Business Development & Marketing

**MONTHLY INCOME PLAN 1999 (II)  
OFFER DOCUMENT**

Offer open from September 27, 1999 to October 30, 1999

The Monthly Income Plan 1999 (II) has been formulated under section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963) in relation of the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1999 (II) made under section 21 of the said Act by the Board of Trustees of UTI. This offer document sets forth concisely the information about the scheme that a prospective investor ought to know before investing. The offer document should be retained for future reference.

The scheme particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, as amended till date, and filed with SEBI, and the units offered for public subscription have not been approved or disapproved by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the Offer Document.

**OBJECTIVE OF THE SCHEME**

This is an income oriented plan. The plan aims at meeting the needs of investors by providing regular income on a monthly/annual basis or cumulation of income over a period of 5 years.

**HIGHLIGHTS**

- ☐ A five year close end income plan.
- ☐ The plan offers three options : (1) Monthly Income Option (2) Annual Income Option & (3) Cumulative Option.
- ☐ The face value of an unit is Rs. 10/- and units will be sold at par.

- ☐ Declaration of income distribution and despatch of income distribution warrants/cumulation of income distribution under the three options will be as follows :

Option	Period applicable	Rate of Income distribution	Warrant(s) despatch/ Cumulation of income
Monthly Income	November 99– March 2000	10.50% p.a.	With the membership advice
	April 2000– October 2000	10.50% p.a.	April 2000
	November 2000–March 2001	To be announced in March 2000	April 2000
	Each Sub sequent April— March period till 2004	To be announced in March each year	April 2001 and so on
	April 2004– October 2004	To be announced in March 2004	April 2004
Annual Income	November 99 – October 2000	11.00% p.a.	October 2000
	November 2000 –March 2001	To be announced in March 2000	March 2001
	Each subsequent April— March period till 2004	To be announced in March each year	March 2002 and so on
	April 2004–October 2004	To be announced in March 2004	With redemption proceeds.
Cumulative (income will be cumulated)	November 99– October 2000	11.00% p.a.	October 2000
	November 2000– March 2001	To be announced in March 2000	March 2001
	Each subsequent April— March period till 2004	To be announced in March each year	March 2002 and so on
	April 2004–October 2004	To be announced in March 2004	With redemption proceeds

For the period from the date of acceptance of an application, investors under all the three options will be paid income distribution @ 10.50% p.a. upto 31st October 99. However for the period from 1st November 1999 the income distribution under annual/cumulative options will be at 11% p.a. for the first year as per the above table.

- ☐ Repurchase under all the three options can be made from 1st November 2002 at NAV based repurchase price.
- ☐ Units of the scheme to be listed on the Wholesale Debt Segment of the NSE within six months from the date of closure of subscription.
- ☐ The capital invested in the scheme will be protected on maturity i.e. units will be redeemed at NAV or par value, whichever is higher. The Development Reserve Fund (DRF) of the Trust, will guarantee this capital protection. There will be no such guarantee for repurchases made between 1st Nov. 2002 to 31st October 2004 and repurchase price in such cases will be based on the prevailing NAV.
- ☐ Income distribution and Repurchase/Redemption proceeds for NRIs and OCBs are fully repatriable, if the investment is made by remittances from abroad or by debit to the NRE account or by cheque/draft issued from proceeds of FCNR deposits and the investor continues to be a NRI.
- ☐ Currently income distribution received in the hands of all the categories of tax-payers including companies and partnership firms is totally free from payment of income tax under section 10(33) of the Income Tax Act, 1961.
- ☐ Under the current tax laws there is no deduction of tax at source by UTI, for all investors irrespective of the amount of income received by an investor from the scheme. The plan, however, will be required to pay an income distribution tax currently at 11% (including surcharge) under Section 115 R of Income Tax Act, 1961 on the amount of income distributed by it.
- ☐ Value of investment in units under the scheme is totally free from the levy of wealth tax.

- ☐ The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of gifts made on or after 1st October, 1998. Thus, gifts of units of UTI will not attract any levy of Gift Tax.

- ☐ Capital gains arising from capital appreciation, if any, subject to tax benefits under sections 48 & 112 of Income Tax Act, 1961.

- ☐ Eligible investment for availing of capital gains tax exemption under section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability to repurchase/transfer/pledge of units only after lock in period of three years from the date of acceptance of the application.

## II. DUE DILIGENCE CERTIFICATE

Due Diligence Certificate submitted to SEBI for MIP99(II)

It is confirmed that :

I. the draft offer document forwarded to Securities and Exchange Board of India is in accordance with the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 and the guidelines and directives issued by SEBI from time to time;

II. all legal requirements connected with the launching of the scheme as also the guidelines, instructions, etc. issued by the Govt. and any other competent authority in this behalf, have been duly complied with;

III. the disclosures made in the offer document are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision regarding investment in the proposed scheme;

IV. all the intermediaries named in the offer document are registered with SEBI and till date such registration is valid.

Date : 17-05-99

Place : Mumbai

Signature

Name : B. S. PANDIT  
Compliance Officer  
With seal :

### III. DEFINITIONS

In the scheme and plan made thereunder unless the context otherwise requires:

- (a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that the application is in order, accepts the same;
- (b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963).
- (c) "Alternate applicant" in case of a minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of the minor.
- (d) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the scheme and plan made thereunder who is not a minor and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person and makes an application under Clause IV of the plan.
- (e) "Date of Commencement" of the five year term of the scheme/plan is 1st November 1999.
- (f) "Eligible institution" means an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations, 1964.
- (g) Firm, partner and partnership have the meanings assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression partner shall also include any person who being a minor is admitted to the benefits of the partnership.
- (h) Listed means the listing of units for the purpose of trading on the Wholesale Debt Market Segment of the NSE or any other stock exchange/segment as may be decided with the approval of SEBI.
- (i) "Member" used as an expression under the scheme and plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the scheme.
- (j) "Mentally handicapped person" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life.
- (k) "Non Resident Indian (NRI)", means Non Residents of Indian nationality/origin. A person shall be deemed to be "person of Indian origin" if he/she or either of his parents or any of the grandparents, howsoever high in degree or ascent, whether of paternal side or maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- (l) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (m) Overseas Corporate Bodies (OCBs), include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned, directly or indirectly, to the extent of at least 60% by individuals of Indian nationality or origin resident outside India as also overseas trust in which at least 60% of the beneficial interest is irrevocably held by such persons.
- (n) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- (o) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrar and Transfer Agents under the scheme, from time to time.
- (p) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act.
- (q) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).
- (r) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- (s) Trading means the dealing in by buying or selling units through a stock exchange after the first allotment of units.
- (t) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (u) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- (v) "Unit Trust" or "Trust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (w) All other expressions not defined herein but defined in the Act/ Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/ Regulations.

- (x) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa.

#### IV. RISK FACTORS

- ☐ Mutual Funds and securities investments are subject to market risks. There is no guarantee of protection of capital for repurchases between 1st November 2002 to 31st October 2004 as the repurchase price in such cases will be based on the prevailing NAV.
- ☐ As with any investment in securities, the NAV of the units issued under the scheme can go up or down depending on the factors and forces affecting the capital markets.
- ☐ Performance of previous schemes/plans is not necessarily an indication of future results.
- ☐ Monthly Income Plan 1999(II) is only the name of the plan and does not in any manner indicate the quality of the plan.
- ☐ Like in all close end schemes there is a risk of infrequent trading and possibility of market price of units being at a discount to NAV.
- ☐ Derivatives: Trading in derivative securities like options & futures is a highly specialised activity and entails greater than ordinary investment risks. Even though the plan intends to use the activity of investing in derivatives only for portfolio hedging purposes, the overall market in these segments could be highly speculative due to the actions of the other participants in this market. The success of dealing in derivatives depends upon the ability of the fund manager in predicting the future movement of the market and if the fund manager is incorrect in their prediction the performance of the fund could diminish compared to what it would have been if this investment strategy had not been used.
- ☐ Investment in overseas market: The success of investment in overseas market depends upon the ability of the fund manager in understanding of those market conditions and analysing the information which could be different from Indian markets. As this would involve operations in foreign markets there could be exchange rate fluctuations risk besides market risk.
- ☐ Stock Lending: It is one of the means of earning additional income for the plan with least risk. The

risk could be in the form of non-availability of ready stock for sale during the period the stocks remain lent.

- ☐ The Trust has been following the practice of paying returns under the MIP, out of the unit capital and members who repurchase units before maturity may get a lower NAV on account of this practice. Therefore, during the period of the scheme, the return may be paid out of capital and to that extent NAV will be lower.
- ☐ The assurance of returns under this scheme is given on the basis of guarantee provided by the Development Reserve Fund (DRF) of the Trust. The size of the DRF as on 31.08.99 was Rs. 838.48 crores as against investible funds of Rs. 18235.58 crores as on 30.06.99 under 20 schemes that have assured returns with the guarantee of DRF. About 61 % of the assets of DRF are in equities, around 38 % of the assets are in money market instruments and the balance in the debt instruments.

#### V. UNITS & OFFER

1. This scheme shall be called the Monthly Income Scheme 1999(II) [MIS'99(II)] and the plan formulated under this scheme shall be called Monthly Income Plan 1999(II).
2. The scheme shall be for a period of five years i.e. from 1st November 1999 to 31st October 2004.
3. Units will be on sale from 27th September 1999 to 30th October 1999 for 34 days. The Trust reserves the right to extend the initial offer subject to the condition that the initial offer shall not be kept open for more than 45 days. Provided, however the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust/ Chairman may suspend the sale of units under the scheme at any time in circumstances like war, disruption of trading in Stock Exchanges and other socio-economic factors after giving 7 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.
4. The face value of each unit issued under the scheme shall be ten rupees.
5. Application for units:  
Application for units may be made by residents and also by NRIs.  
(i) resident individual(s)/or NRI/s either singly or

Jointly with another or upto two other individuals.

- (ii) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident or a NRI minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- (iii) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing.
- (iv) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (v) a society as defined under the scheme.
- (vi) a registered co-operative society.
- (vii) other bodies corporate including companies formed under the Companies Act, 1956 and Banks.
- (viii) a Hindu Undivided Family both resident and non-resident.
- (ix) an Army/Navy/Air Force/Paramilitary Fund.
- (x) a partnership firm.

An application by a partnership firm shall be made by not more than three members of the firm and the first named person shall be recognised by the Trust for all practical purposes as the member.

- (xi) an Overseas Corporate Body owned by NRIs to the extent of atleast 60%.

#### 6. Minimum amount of Investment

Application shall be made for a minimum of Rs. 10,000/- under the monthly and annual income options and for a minimum of Rs. 5000/- under the cumulative option. There will be no maximum limit. For investments not in multiple of Rs. 10/-, units will be allotted in fractions upto three places after the decimal. In case of investment of Rs. 50,000/- and above, the resident or a NRI investing out of non-resident ordinary account is advised to furnish Income Tax P.A.N./ G.I.R. number and I T Circle address if he/ she is having so.

#### 7. Target amount of the Issue

Amount of Rs. 100 crore is targeted to be raised under the scheme.

If the targeted amount is not subscribed, the Trust shall refund the entire amount collected under the scheme by an account payee cheque/refund order not later than six weeks from the date of closure of the sale of units under the scheme. In such an event the

Investors will not be entitled to get the income distribution of 10.50% p.a. for the period from the date of acceptance to the date of closure of the scheme. In the event of failure to refund the amounts within the above period, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @ 15% per annum from the 43rd day of the date of closure of sale of units till the date of refund.

#### 8. Listing

The units issued under the scheme shall be listed on the Wholesale Debt Segment of the NSE or any other stock exchange/segment as may be decided with the approval of SEBI within six months from the date of closure of subscription. An application for listing shall be made to the stock exchange immediately on receipt of the approval of the scheme from SEBI as per Regulation 32 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. The marketable lot is 100 units of face value of Rs. 10/- each.

#### 9. Membership Advice

The Trust shall send a membership advice within 6 weeks from the date of closure of sale of units under the plan. The member desirous of selling units through stock exchange or transfer the units may write to the Registrar for exchange of the membership advice with unit certificate/s indicating whether the unit certificate/s are required in marketable lots or a single certificate. The unit certificate/s will be issued within 7 days from the date of receipt of such request by the Registrar.

An NRI applicant may choose any one of the following options to receive the membership advice or unit certificate/s in exchange of the membership advice:

- (i) At his Indian/Foreign address

OR

- (ii) At his relative's address in India.

OR

- (iii) At his banker in India for safe custody.

#### 10. Transfer/Pledge/Assignment of Units:

A membership advice is not transferable/pledgeable/assignable. The member desirous of selling units through stock exchange or intending to transfer the units may write to the Registrar for exchange of the membership advice with unit certificate/s as mentioned in paragraph 9 above. The unit certificate/s so issued will be transferable/pledgeable/assignable

subject to the following terms:

- (i) The transfer is in favour of categories of investors as mentioned under paragraph V (5) above.
- (ii) Transfer is effected only by and between transferor and transferee who are capable of holding units. The Trust shall not be bound to recognise any other transfer.
- (iii) Duly stamped prescribed transfer deed with the relative unit certificate and unencashed income distribution warrants subsequent to and inclusive of the month of transfer. (In case of monthly income option) and accompanied by such fee as may be prescribed from time to time by the Trust is to be lodged with the Registrar of the scheme. Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrar.
- (iv) Every instrument of transfer is signed by the transferor (all the transferors in case of joint holding) and the transferee (all the transferees in case of joint purchase) and the transferor shall be deemed to hold units until the name of the transferee is entered in the register of members by the Registrar.
- (v) The Registrar may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (vi) The Registrar may subject to compliance with such requirements as they deem necessary dispense with the production of the original unit certificate, should it be lost, stolen or destroyed.
- (vii) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the unit certificate may be retained by the Registrar.
- (viii) The Registrar recognising and registering a transfer may issue the original or fresh unit certificate and income distribution warrants, if any, (In case of monthly income option) to the transferee upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer and issue a certificate and warrants.
- (ix) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a scheduled bank upon enforcement of a pledge, then the Registrars shall, subject to the production of such evidence which in their opinion is sufficient, proceed to effect the transfer if the

intended transferee is otherwise eligible to hold units.

- (x) Under special circumstances, holding of units by a company or other body corporate with another company or body corporate or an individual/ individuals, none of whom is a minor, will be considered by the Trust.
- (xi) Subject to the provisions contained hereinabove, the Trust shall register the transfer and return the unit certificate alongwith income distribution warrants, if any, to the transferee within 30 days from the date of lodgement of the unit certificate together with the relevant instrument of transfer. In case of joint transferees, the unit certificate will be sent to and all payments in respect of the unit certificate will be made only in the name of the first member.

#### 11. Termination/roll over/winding up of the scheme and plan made thereunder

- (i) The scheme shall stand terminated on 31/10/2004, the outstanding units of the members shall be redeemed and the members shall be paid the value of their units at the redemption price to be fixed by the Trust. The redemption will be at NAV or Rs. 10/-, whichever is higher. The DRF will guarantee this capital protection. There will be no such guarantee for repurchases made between 1st November 2002 to 31st October 2004 and repurchase price in such cases will be based on the prevailing NAV. Besides receiving the repurchase/redemption price determined as above, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase/redemption price or by way of income for any subsequent period to repurchase/ redemption date shall accrue to the members.
- (ii) However, the Trust, with the prior approval of SEBI reserves the right to extend the scheme beyond 5 years. In such an event the member shall be given an option to either repurchase the units or to continue in the scheme. The Trust may also give the investor an option to convert the redemption proceeds into any other scheme launched by it or in operation at that time.

The extension of the period of the scheme beyond 5 years shall be in conformity with Sub-regulation 4 of Regulation 33 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. The provisions of the sub regulation are:

"A closed ended scheme shall be fully redeemed at the end of the maturity period.

Provided that a close ended scheme may be allowed to be rolled over if the purpose, period and other terms of the roll over and other material details of the scheme including the likely composition of assets immediately before the roll over, the net assets and net asset value of the scheme, are disclosed to the unitholders and a copy of the same has been filed with SEBI.

Provided further that such roll over will be permitted only in case of those unitholders who express their consent in writing and the unitholders who do not opt for the roll over or have not given written consent shall be allowed to redeem their holdings in full at net asset value based price."

(iii) The Trust may wind up the scheme and the plan made thereunder under the following circumstances:

(a) on the expiry of five years of the scheme i.e. on 31st October, 2004 or on the expiry of such date beyond five years as may be decided by the Trust.

(b) on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the scheme and the plan made thereunder to be wound up, or

(c) if 75% of the members of the plan pass a resolution that the scheme be wound up; or

(d) if the SEBI so directs in the interest of the members of the plan.

(iv) Where the scheme is wound up in pursuance of items (b), (c) and (d) of sub-clause (iii) above, the Trust shall give notice giving circumstances leading to the winding up of the scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.

(v) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall -

(a) cease to carry on any business activities in respect of the scheme.

(b) cease to create and cancel units in the scheme.

(c) cease to issue and redeem units in the scheme.

(vi) The Board of Trustees shall call a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the scheme.

Provided that a meeting shall not be necessary if the scheme is wound up at the end of the maturity period of the scheme.

(vii) (a) The Board of Trustees or the person authorised under sub-clause (vi) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the scheme.

(b) The proceeds of sale made in pursuance of sub-clause (vii) (a) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the scheme as on the date when the decision for winding up was taken.

(viii) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.

(ix) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half yearly reports and annual report shall continue until winding up is completed or the scheme ceases to exist.

(x) After the receipt of the report referred to in item (viii) above, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed, the scheme shall cease to exist.

(xi) The Trust shall pay the repurchase value as early as possible after the membership advice along with the request letter for repurchase/unit certificate duly discharged has been received by it and other procedural and operational formalities

are complied with. The membership advice/unit certificate, the request letter for repurchase and other forms, if any, shall be retained by the Trust for cancellation.

(xii) In case of non-resident investors, repurchase/redemption proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:

- a. Where units have been purchased out of remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the member's FCNR deposits or from funds held in member's Non-Resident External (NRE) Account with a bank in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency or credited to NRE or Non-Resident Ordinary (NRO) account or paid to his relative in India.
- b. Where units have been purchased while the applicant was a resident in India or out of funds held in the member's NRO Account, the maturity proceeds will be sent either to the investors/bankers in India for credit to his NRO account or to a relative of the investor in India.

## VI. EXPENSES

- 1) (i) Initial issue expenses of the scheme are estimated to be as under:

Items	% of funds raised under the scheme
Printing & Postage	1.50
Publicity, Marketing and Sales Promotion	3.25
Registrars Charges	0.50
Bank Charges	0.25
Stamp Duty	0.50
Total	6.00

The total initial issue expenses would be within the limit of 6% of the funds collected in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. Thus for every Rupee invested by an investor, not less than 94 paise will be invested in the scheme.

- (ii) Initial issue expenses for the schemes launched during the last financial year are as follows:

Scheme	Expenses (% of funds collected)
MIP 98 (III)	2.81
MIP 98 (IV)	2.95
IISFUS 98 (II)	0.14
MIP 98 (V)	3.06
MEP 99	34.08
CGGF (re-launch)	7.82
RUP (re-launch)	9.40
MIP-99	2.38
GSF Brand Value	5.55
GSF Pharma	4.84
GSF Software	4.83
GSF Petro	4.85
GSF Service	4.89

- (iii) The expenses borne by the Trust (by charge to DRF) in respect of schemes launched during the last financial year are:

Scheme	Expenses (% of funds collected)
MEP 99	28.08

- 2) (i) Recurring expenses: The following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimated annual recurring expenses are as under:

Items	As % of average weekly NAV
Administrative Expenses	0.90
Custodial Fees	0.50
Contribution to DRF	0.25
Staff Welfare Fund	0.10
Registrars Fees	0.50
Total	2.25

- (ii) The above are estimates and are subject to change inter se as per actual expenses incurred.
- (iii) The total annual recurring expenses of the scheme excluding amortisation of initial issue expenses and redemption expenses but including administrative expenses, contribution to DRF and Staff Welfare Fund shall be subject to the



following limits:

- (a) On the first Rs. 100 crores of the average weekly net assets of the scheme – 2.25%
  - (b) On the next Rs. 300 crores of the average weekly net assets of the scheme – 2.00%
  - (c) On the next Rs. 300 crores of the average weekly net assets of the scheme – 1.75%
  - (d) On the balance of the assets of the scheme – 1.50%
- (iv) Administrative expenses, contribution to DRF and contribution to Staff Welfare Fund will not exceed the limits specified under clause 2 of regulation 52 of SEBI (MFs) Regulations, 1996, namely:
- (a) One and quarter of one percent of the weekly average net assets outstanding in each accounting year for the scheme as long as the net assets do not exceed Rs. 100 crores, and
  - (b) One percent of the excess amount over Rs. 100 crores, where net assets so calculated exceed Rs. 100 crores.

(3) While UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 it will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

**(4) Development Reserve Fund (DRF) contribution**

- (i) 0.25% p.a. of the weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust. DRF contribution will be part of the recurring expenses.
- (ii) The Trust instituted this fund in the year 1983-84 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new schemes, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and also various other productional & developmental work not related to or linked with any particular scheme itself. The Fund is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate Image building efforts that are not connected to any specific scheme,

Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust as well as the issue expenses for no-load schemes.

**5) Staff Welfare Fund Contribution**

0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

**VII. SALE OF UNITS**

**1. Sale contract/issuance of Membership Advice**

(a) The sale price of units during the period of offer shall be at par. The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible, issue to the applicant a membership advice. The membership advice issued by the Trust to the eligible institution, firm or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/firm/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the Membership Advice so sent.

(b) Non-individual applications alongwith required documents will be accepted only at UTI offices.

(c) The Trust shall send the membership advice not later than 6 weeks from the date of closure of sale of units under the plan.

**2. Mode of Payment**

(a) The payment for units by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Where applications are submitted at UTI branch offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UTI branch office, at which the application is tendered, is situated.

Provided, however, individual investors who apply from a place other than where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office may do so by sending the application to the branch office of the Trust along with a bank draft after deducting therefrom

bank charges for purchasing a bank draft upto Rs. 25/- or the actual amount incurred by him, whichever is lower. Bank draft commission charges paid by the individual investor in excess of Rs. 25/- as stated above will have to be borne by the investor. The collection centre/franchise office/agency bank are authorised to accept applications along with a cheque payable locally or a demand draft payable at places of the concerned branch office of UTI in which case an individual applicant may deduct bank commission charges to the extent of Rs. 25/- or the actual amount incurred by him whichever is lower. The draft commission charges will form a part of the initial issue expenses of the plan.

(b) Where payment is made by a bank draft, by a non individual applicant the commission charges for purchasing a draft will have to be borne by the applicant.

(c) However, in case of applications received along with local bank draft where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office/ agency bank, bank draft commission will have to be borne by the investors.

(d) If the payment is made by a cheque/draft, the date of receipt of the application will, subject to such cheque/draft being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

(e) If the application amount is less than the minimum investment under the plan, the entire amount shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(f) NRIs/QCBs should submit their applications preferably at the NRI Branch, Mumbai or at any of the Branches of UTI alongwith NR(E)/NR(O) cheque or a rupee draft payable at the place where the application is submitted.

### **3) Mode of payment for investment with repatriation benefits**

The investments by NRIs/QCBs shall carry the right of repatriation of capital invested and income earned thereon and capital appreciation (if any), so long as the investor continues to be resident outside India. Investment in these cases can be made through one of the following modes:

(a) By a draft in rupees issued in favour of UTI by a bank/exchange house operating outside India drawn on their Indian correspondent banks.

(b) By a cheque drawn on the investor's NRE account maintained with a bank in India.

(c) By a cheque/draft issued from the proceeds of FCNR deposits of the investor.

(d) Payment in Nepalese and Bhutanese currencies are not accepted

### **4) Mode of payment for investment without repatriation benefits**

(a) Where funds held in NRO accounts are utilised for purchase of units, the funds so invested and capital appreciation (if any), will not qualify for repatriation out of India. Similarly, investments in units purchased in rupees while the investor was a resident of India and becomes non-resident subsequently will not qualify for repatriation of sale proceeds of units.

(b) As per RBI circular A.D.(M.A.Series) No.18 dated August 19, 1994 the entire income distribution earned thereon during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation. In such cases UTI will make payment in Rupees for credit to NRO A/C. Investors are advised to contact their banks/ tax consultants if they desire remittance abroad of the income distribution on units.

### **5. Application by and registration as a member of the Plan of eligible institutions, minors, an applicant for the benefit of a mentally handicapped person etc.:**

(i) Eligible institutions, body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as members.

(ii) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and articles of association, Bye-laws etc, an authorised copy of the resolution by the managing body etc, authorising investment in units and a copy of the requisite Power of Attorney.

(iii) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and his capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The

Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

- (iv) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be a good discharge to the Trust.
- (v) A firm shall be registered as a member and the membership advice/unit certificate shall be made in the name of the firm.

#### **6. Right of the Trust to accept or reject application:**

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or to reject an application for issue of units under the scheme and the plan made thereunder. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances:

- (i) The application is received with less than the minimum investment of Rs. 10,000/- or Rs. 5,000/-, as the case may be.
- (ii) The application has not been signed by the first applicant
- (iii) The applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme and the plan made thereunder shall be final.
- (iv) In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection without incurring any liability, whatsoever, for interest or other sum.
- (v) Any application without the first applicants bank particulars will be liable to be not accepted.

Refund in such rejected cases will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities without incurring any liability whatsoever for interest or other sum.

#### **7. Applicant to comply with requirements under the scheme before being issued units**

(a) Persons applying for units under the scheme and the plan made thereunder on behalf of a minor/mentally handicapped person shall satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements as laid down by the Trust such as submission of the Birth Certificate in case of minor/Oculist or Psychiatrist Certificate in case of Mentally Handicapped.

(b) Applications for units on behalf of bodies like Partnership Firms/Co-operative Societies/Bodies Corporate/Companies shall be accompanied by certified copy of Partnership Deed/Bye-Laws of the Society/Statute governing the Body Corporate/Memorandum and Articles of Association of the Company together with Resolution of the governing Body authorising investment in the scheme. At the time of repurchase of the units, resolution of the governing body authorising repurchase and authorisation of the concerned official(s) of the Body to comply with the formalities and collect the repurchase cheque will have to be submitted.

(c) Person who holds units under a false declaration/certificate shall be liable to have the membership cancelled and the name deleted from the register of members.

(d) In aforesaid cases, Trust shall have the right to repurchase the units at par or NAV whichever is lower and deduct therefrom 25% as penalty or at such price as may be decided by the Trust and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

#### **8. Nomination by members**

- (i) Nomination facility is available to individuals applying on their own behalf i.e. singly or jointly upto two.
- (ii) Only one person can be nominated.
- (iii) Minors including NRIs can be nominated.
- (iv) Nomination of NRIs is subject to requirements of the RBI prescribed from time to time.
- (v) Nomination can be changed at any time during the

currency of the plan.

- (vi) Member being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, HUF, partnership firms and an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.
- (vii) Other provisions will be to the extent provided in the Regulations.
- (viii) The facility of the statutory nomination is available to a member under Section 39A of the Unit Trust of India Act, 1963. Accordingly, where a nomination in respect of any unit has been made in accordance with the UTI General Regulations, 1964, the amount payable to the member in respect of the said unit shall on the death of the member vest in, and be payable to the nominee in any case subject to any right, title, claim or other interest of any other person to or in respect of the said units as provided in such regulations and subject to any charge or encumbrance over the said units. Payment made by the Trust as aforesaid shall be a full discharge to the Trust from all liability in respect of the said units.
- (ii) Partial repurchase shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 10000/- (face value).
- (iii) The member while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unencashed Income Distribution Warrants remaining outstanding subsequent to and inclusive of the month of repurchase to the Trust.
- (iv) A member to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A member who holds units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.
- (v) In the event of repurchase in full the Trust shall not, on accepting the membership advice along with the request letter for repurchase/unit certificate duly discharged, be bound to pay any Income Distribution on the units for the month of acceptance or future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds.
- (vi) All the documents and the unencashed Income Distribution Warrants, if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.
- (vii) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses, the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the member to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase proceeds such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the member. On acceptance of the membership advice and the request letter for repurchase/unit certificate duly discharged by the Trust, and in the event of full repurchase, the members' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount represented by such outstanding Income Distribution.
- (viii) In the event of partial repurchase, depending on the number of units retained by him, the member shall be issued a fresh membership advice/unit certificate and a fresh set of income distribution

## VIII. REPURCHASE OF UNITS

1. Repurchase of units under the plan will commence after three years from the date of commencement of the plan i.e. from 1st November, 2002 under all the three options. There shall be no repurchase during the first three years of the scheme and plan made thereunder except for settlement of death claim cases. The repurchase price will be based on the NAV of units (on historic basis) and shall be issued to the press for publication six months from the date of commencement of the plan i.e. on 01.05.2000 and on a weekly basis thereafter. The repurchase price valid for a week (Monday to Sunday) will be based on the NAV of the Wednesday of the preceding week. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit.

### 2. Monthly Income Option

- (i) Repurchase will be effected on receipt of the membership advice alongwith a request letter on a plain paper duly signed by all the holders and duly witnessed by another person giving his name, occupation and address/unit certificate duly discharged.

warrants for the remaining period including the month of acceptance. No interest shall be payable on the re purchase proceeds.

- (ix) In the event of the death of the member/s and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the membership advice/unit certificate, togetherwith a request letter for repurchase of the units outstanding to the credit of the deceased member and the unencashed Income Distribution Warrants outstanding to the deceased member, the Trust shall on compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub clause (iv) and (vii) hereinabove in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of settlement of the claim.

### (3) Annual & Cumulative Options

Partial repurchase will be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 10,000/- (face value) under the annual income option and Rs. 5000/- (face value) under the cumulative option.

(4) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the membership advice alongwith the request letter for repurchase/ unit certificate duly discharged and unencashed Income Distribution Warrants, if any, at the centre where the repurchase requests are processed.

No interest shall, on any account, be payable on the amount of repurchase due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

(5) In case of NRI/OCB investors, repurchase proceeds will be remitted depending upon the source of investment as mentioned in paragraph V (11) (xii) above.

### (6) Restrictions on repurchase of units:

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme and the plan made thereunder, the Trust shall not be under any obligation to repurchase units:

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period (as notified by the Trust) when the register of members remains closed for any purpose as notified by the Trust.

**Explanation:** For the purpose of this scheme and the plan made thereunder the term "working day" shall mean a day which has not been either

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or
- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will remain closed.

## IX. INCOME DISTRIBUTION

(a) A member shall have the right to exercise an option to participate in:

- 1) Monthly Income Option OR
- 2) Annual Income Option OR
- 3) Cumulative Option.

This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final. In case no option is exercised for investment of Rs. 10,000/- and more, it will be deemed to be under Monthly Income Option. If the application is for Rs. 5,000/- or more but less than Rs. 10,000 it will be deemed to be under the cumulative option and processed accordingly.

### 1) Monthly Income Option

- (i) Declaration of income distribution and despatch of income warrants under the monthly income option will be as follows:

Period applicable	Rate of Income distribution	Warrant(s) despatch
November 99-March 2000	10.50% p.a.	With Membership Advice
April 2000 - October 2000	10.50% p.a.	April 2000
November 2000 - March-2001	To be announced in March 2000	April 2000

Each subsequent April - March period till 2004	To be announced in March each year	April 2001 and so on
April 2004 - October 2004	To be announced in March 2004	April 2004

Based on the investment objectives and policies of the plan as also prevailing and likely yields from the instruments in which funds of the scheme will be invested, the scheme is expected to generate sufficient returns to pay assured income @ 10.50% p.a. payable monthly for the first year of the plan.

- (ii) The income distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust by means of Income Distribution Warrants or by ECS or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify under prepayment arrangements with the banks.
- (iii) One Income Distribution Warrant for the period from the date of acceptance to 31st January, 2000 (dated 1st December '99) and further 2 postdated warrants for the period February 2000 to March 2000 will be sent alongwith the membership advice. The Income Distribution Warrant for the month of March will be dated 31st March every year.
- (iv) Subject to the provisions of sub-clause (iii), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the member in advance. The warrants will be so dated that the member shall encash one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months.
- (v) The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.
- (vi) In the event of repurchase, the member upon non-surrender of unencashed warrants, the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds and in that event the member shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the members on the dates of maturity

of warrants.

(vii) In the event of the death of the member if the nominee/legal heir is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the nominee/legal heir shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary change in his favour. However, such a nominee/legal heir desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased member to those in favour of the newly admitted member.

(viii) In the event of death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

## 2. Annual Income Option

Declaration of income distribution and despatch of income warrants under the annual income option will be as follows:

Period applicable	Rate of income distribution	Warrant (s) despatch
November 99- October 2000	11.00% p.a.	October 2000
November 2000 - March-2001	To be announced in March 2000	March 2001
Each subsequent April - March period till 2004	To be announced in March each year	March 2002 and so on
April 2004 - October 2004	To be announced in March 2004	With redemption proceeds

## 3. Cumulative Option

No income will be distributed under this option. Declaration of income distribution and cumulation of income under the Cumulative option will be as follows:

Period applicable	Rate of Income distribution	Cumulation of Income
November 99-October 2000	11.00% p.a.	October 2000
November 2000 - March-2001	To be announced in March 2000	March 2001
Each subsequent April - March period till 2004	To be announced in March each year	March 2002 and so on
April 2004 - October 2004	To be announced in March 2004	With redemption proceeds

Under the annual and cumulative options, the investor will be paid income distribution @ 10.50% p.a. from the date of acceptance of the application to 31st October 99, by means of cheque which will be sent alongwith the membership advice under all the three options. However, for the period from 1st November 1999 the income distribution under annual/cumulative options will be @ 11% p.a. for the first year.

#### Justification of the return of 10.50% p.a. under the plan

Assuming a collection of Rs. 100 crores and initial issue expenses are 3% to be written off over a period of 5 years. The investible funds available for the first year would be Rs. 97 crores.

Further assuming that the scheme will be investing 70% in debt instrument with risk profile low to medium at a YTM in the range of 13% to 14.50%, investment will earn the weighted average yield of 13.68%.

The annualised return on the 30% amount to be invested in equity by way of dividend and taking into account, appreciation/depreciation in the value of equity portfolio and profits booked would be around 15%.

In the above example the scheme is expected to earn a return of 13.65% in the first year as shown below:

Instruments	% of Portfolio	Investible Funds	Return (%)
Debentures	70	67.90	13.68
Equity	30	29.10	15.00

$$\text{Weighted Avg. Yield on Portfolio} = \frac{67.90 \times 13.68 + 29.10 \times 15}{100.00} = 13.65\%$$

Taking annual expenses and provisions at 1.25%, the income available for distribution would be 12.40%. This would be sufficient to pay income @ 10.50 %p.a. under monthly option and 11% p.a. under annual and cumulation option after tax payment of 11% p.a. on the income distribution for the first year of the plan under all options.

The above is illustrative and is based on market conditions at the time of launch of the plan with the following assumptions:

- i) There would be enough opportunities to deploy the entire funds mobilised in the shortest possible time say 1 month.
- ii) The equity portfolio will consist of liquid scrips and adopt a reasonably active trading strategy.

#### 4. Bank particulars of investors:

##### *Electronic Clearing Service:*

(a) Under the Electronic Clearing Services (ECS) introduced by Reserve Bank of India currently a facility is being made available to investors from Mumbai/Calcutta/Chennai/New Delhi/Ahmedabad for direct credit to their bank accounts at the respective centres and where the amount of single instrument does not exceed Rs. 5,00,000/-.

(b) The bank branch of the investor will credit the members account and indicate the credit entry with ECS in the passbook/statement of bank account. The applicant who desires to avail of this facility is requested to fill up the particulars of name and address of his bank, nature and number of account, 9 digit Bank and branch MICR code no. etc. in the application form.

(c) In case the response to this facility is not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may pay the income by issue of income warrants instead of paying income through ECS.

In order to avoid fraudulent encashment of Income Distribution Warrants/Repurchase cheques/ Redemption cheques, due to loss/misplacement, SEBI has made it mandatory for investors, in their own interest to give bank particulars at the appropriate place in the application form. Applications without Bank particulars will not be accepted. Accordingly

applicants in the five cities who do not avail of the above facility as also those residing outside the cities viz. Calcutta, Chennai, Mumbai, New Delhi and Ahmedabad are required to furnish full particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of bank) at the appropriate space in the application form as well as on the acknowledgement receipt portion. Income Distribution Warrants/repurchase/redemption cheques will then be made out in the name of the investor with the bank particulars for crediting the members' account so specified and sent to them.

#### **Income Distribution to Non Resident Indian investor**

Income under the plan shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows:

- i) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member, as the case may be.

OR

- ii) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for being credited to his account.

### **X. INVESTMENT OBJECTIVES, POLICIES, STOCK LENDING & DERIVATIVES**

#### **1. Investment Objective:**

- (i) Investment objectives of the scheme is to primarily provide regular income to members and also to endeavour providing capital appreciation on maturity of the scheme. Funds collected under the scheme after meeting all initial issue expenses generally be invested as follows:
  - (a) Not less than 70% of debt instruments of low to medium, risk profile.
  - (b) Not more than 30% of the funds in equities and equity related instruments. The risk profile of equity investments could be high.
- (ii) Minimum and maximum asset allocation:  
Debt - Minimum 70% Maximum 100%  
Equity - Maximum 30%
- (iii) No fixed allocation will normally be made for money market instruments. Investment in money

market instruments will be kept to the minimum so as to be able to meet the liquidity needs of the plan. However, pending deployment of funds of the scheme in securities in accordance with its investment objective, as stated above, the Trust may invest in money market instruments.

- (iv) The Trust retains the option to alter the asset allocation for a short term period on defensive consideration.

#### **2. Fundamental Attributes**

- (a) "Fundamental attributes" mean the following.

- (i) Type of scheme: Monthly Income Plan 1999(II) is a close end income fund.
- (ii) Investment objective: as provided under clause X of this offer document.
- (iii) Terms of issue: provisions in this offer document in respect of listing, repurchase/ redemption of units and expenses.

- (b) Any change in the fundamental attributes of the scheme will be carried out only with the consent of not less than three-fourths of the members. Further, in the event of a change in the fundamental attributes those who do not give their consent will be allowed to redeem their unitholdings in the scheme.

- (c) The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and the plan made thereunder and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette as required in terms of section 21(4) of the UTI Act 1963.

- (d) Any change/amendment/modification of the fundamental attributes of the scheme will be made with the prior approval of the SEBI. In respect of other changes/amendments/modifications not being of fundamental nature and not affecting the interest of the investor adversely, SEBI will be kept informed.

#### **3. Investment Policies**

- (i) All debt instruments in which investments are made by the scheme should have been rated as investment grade by a credit rating agency which may be recognised from time to time: Provided that if the debt instrument is not rated, the specific approval of the Board of Trustees of the Trust shall be taken for investment.
- (ii) No term loans will be advanced by the scheme.
- (iii) The Trust shall buy and sell securities on the basis



of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction or engage in badla finance.

(iv) The Trust shall get the securities purchased by it transferred in its name.

(v) Subject to requisite authorisations, UTI, in appropriate circumstances, may use techniques and instruments, such as futures and options and other derivatives subject to applicable regulations and counter-party risk assessment, as and when they become permissible in the Indian market, for the purposes of achieving the investment policy of the plan or hedging or minimising the risk.

(vi) The scheme may, from time to time, give on loan securities in which it has invested, for a temporary period in accordance with the securities lending scheme of SEBI. If mutual funds and UTI are permitted to borrow stocks the scheme may in appropriate circumstances borrow stocks in accordance with SEBI guidelines in that regard.

(vii) The scheme may invest in securities issued by overseas/foreign companies and listed abroad or securities issued by Indian Corporates to foreign/overseas investors and listed on foreign stock exchange directly by subscribing to such issues or purchasing them on the foreign stock exchanges in accordance with the SEBI/RBI guidelines issued in that regard from time to time.

(viii) The scheme shall not make any investment in;

- a) any unlisted security of an associate or group company of the Trust; or
- b) any security issued by way of private placement by an associate or group company of the Trust; or
- c) the listed securities of group companies of the Trust which is in excess of 25% of the net assets of all the schemes of the Trust.

(ix) The services of UTI Securities Exchange Limited (UTI SEL) a stock-broking firm and wholly owned by UTI may be utilised for securities transactions of the plan as per the policies and subject to the limits laid down by the Board of Trustees of the Trust. UTI SEL was set up in 1994, with registered office at Mumbai.

(x) Investment in non publicly offered debt: Depending upon the available yield the scheme would be investing in non-publicly offered debt securities.

(xi) Based upon the liquidity needs, the scheme may invest in Government of India/State Government Securities without any restriction on the extent to which such investment can be made.

#### 4. Corporate Investment in the Trust's Schemes and the Trust's Investments in these companies

(i) List of schemes wherein companies have invested more than 5% of the net asset value of a scheme as on 30/06/99.

Sr. No.	Scheme Name	Name of Company holding > 5% of scheme assets
1	IISFUS ' 97	Hindustan Lever Ltd HDFC
2	UTI-MMF	The Ahmedabad Electricity Co. Ltd. SHCIL UTI Bank Ltd
3	UTI-IEF	ICICI IDBI
4	MIP 97 (IV)	Oriental Bank of Commerce
5	IISFUS 97(II)	The Peerless General Finance & Investment Co. Ltd. State Bank of India
6	IISFUS 98	State Bank of India Union Bank of India
7	IISFUS98(II)	National Housing Bank
8	UTI Bond Fund	IDBI ITC Ltd. Bennet Coleman Co. Ltd.
9	Master Value Unit Plan	State Bank of India IDBI
10	Master Index Fund	Bank of Baroda Oriental Bank of Commerce State Bank of India IDBI
11	Growth Sector Fund(Brand Value)	State Bank of Hyderabad

12	Growth Sector Fund (Petro)	The Sukhjit Starch & Chemicals Ltd. UTI Bank Ltd.
13	Growth Sector Fund(Pharma)	State Bank of Hyderabad
14	Growth Sector Fund (Services)	State Bank of Indore
	Growth Sector Fund (Services)	Anyanya Sahayakari Mandali co-operative Bank Ltd.
15	Growth Sector Fund (Software)	State Bank of Hyderabad

(ii) Investments made by the above schemes or any other scheme of UTI in the above companies or their subsidiaries on an aggregate basis as on 30/06/99.

Rs. crore

Company Name	Equity (Cost)	Debt (Cost)	Term Loan	Deposits	Total
The Ahmedabad Electricity Co. Ltd.	9.87	2.16	2.96	0.00	14.99
Anyanya Sahayakari Mandali Co-operative Bank Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Bennett Coleman Co. Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Bank of Baroda	23.65	4.15	0.00	0.00	71.31
HDFC	296.00	58.13	0.00	0.00	354.13
Hindustan Lever Ltd.	1506.63	0.00	0.44	0.00	1506.97
Hind Lever Chemicals Ltd. (HLL subsidiary)	13.14	0.00	0.00	0.00	13.14
HP State Co-op. Bank Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ICICI	214.72	1511.56	597.60	0.00	2323.88
ICICI Banking Corp. Ltd. (ICICI Subsidiary)	46.28	10.03	0.00	0.00	56.31
ICICI Securities & Finance Company Ltd. (ICICI Subsidiary)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ICRA	2.92	0.00	0.00	0.00	2.92
IDBI	355.71	1955.88	0.00	0.00	2311.59

Company Name	Equity (Cost)	Debt (Cost)	Term Loan	Deposits	Total
IDBI Bank Ltd (IDBI subsidiary)	1.66	0.00	0.00	0.00	1.66
ITC Ltd.	2739.12	74.32	0.00	0.00	2813.44
ITC Hotels (ITC Subsidiary)	33.84	0.03	0.00	0.00	33.87
Lakme Ltd (HLL subsidiary)	5.56	0.00	0.00	0.00	5.56
National Housing Bank	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Oriental Bank of Commerce	30.12	0.00	0.00	0.00	30.12
SHCIL	7.33	0.00	0.00	0.00	7.33
SIDBI (IDBI Subsidiary)	0.00	75.93	0.00	0.00	75.93
State Bank of India	763.96	55.12	0.00	0.00	819.08
SBI Capital Markets Ltd (SBI subsidiary)	0.00	30.37	0.00	0.00	30.37
State Bank of Hyderabad	0.00	0.76	0.00	0.00	0.76
State Bank of Indore	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
The Sukhjit Starch & Chemicals Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
The Peerless General Finance & Investment Co. Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Union Bank of India	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
UTI Bank Ltd.	89.12	0.00	0.00	0.00	89.12
TOTAL	6040.54	3819.81	597.64	0.00	10458.29

These investments were made by UTI in the normal course of its business activities.

## XI. INTER-SCHEME TRANSFERS

Transfer of investments from /to this scheme to/from other schemes/plans of the Trust shall be done only if-

- a) such transfers are on spot basis and are at the prevailing market price for quoted instruments

*Explanation:* "spot basis" shall have the same meaning as specified by the stock exchanges for spot transactions.

- b) the securities transferred are in conformity with the investment objective of the schemes/plans to which such transfers are made; and

- c) transfer of unlisted or unquoted investments from/to the plan to/from other schemes/plans of the Trust are as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust.

## **XII. ASSOCIATE TRANSACTIONS & BORROWINGS**

1. The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or income to the members. Provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months.

2. As per section 20 of the Unit Trust of India Act 1963 the Trust has the following borrowing powers:

- (i) The Trust may borrow, whether in India or outside India from any authority or person, not being Government or the Reserve Bank, against such security and on such terms and conditions as may be agreed upon.
- (ii) The Trust may borrow money from the Reserve Bank-
  - (a) repayable on demand or on the expiry of a fixed period not exceeding ninety days from the date on which the money is so borrowed, against stocks, funds and securities (other than immovable property) in which a trustee is authorised to invest trust money by any law for the time being in force in India;
  - (b) repayable on demand or within a period of eighteen months from the date on which the money is so borrowed, against the security of the bonds which the Trust may issue with the approval of the Central Government;
  - (c) on such terms and conditions and against the security of such other property of the Trust as may be specified in this behalf by the Reserve Bank for the purposes of any scheme other than the first unit scheme:

Provided that any amount borrowed under this clause and outstanding at any one time shall not exceed-

- (a) five crores of rupees in respect of each such scheme; and
- (b) ten crores of rupees in respect of all such

schemes in the aggregate.

- (iii) The bonds issued by the Trust under sub-section (ii) of section 20 shall be guaranteed by the Central Government as to the repayment of principal and the payment of interest at such rate as may be fixed by the Central Government at the time the bonds are issued.

## **XIII. NAV DETERMINATION & VALUATION OF ASSETS**

### **1. Computation and disclosure of NAV:**

The Net Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into consideration the accruals and provisions. The NAV per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date. The NAV of the scheme shall be determined separately for the Monthly Income Option, Annual Income Option and the Cumulative Option. The NAVs (on historic basis) shall be issued to the press for publication within six months from the closure of subscription and on a weekly basis (applicable from next Monday to Sunday with valuation date being the previous Wednesday) thereafter.

### **2. Valuation of assets pertaining to this scheme**

- (a) Quoted investments including those under lock-in period, if any, but except government securities are valued at the closing market rates on the valuation date and in its absence, at the latest available quote within a period of sixty days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of sixty days prior to the valuation date, the same is treated as unquoted investment.
- (b) Quoted government securities are valued at closing NSE market rates on the valuation date and in its absence the latest available quote within a period of seven days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of seven days prior to the valuation date the same are treated as unquoted government securities.
- (c) In case of quoted debentures and bonds, the market rate, being cum-interest, the same is adjusted for the interest element, if any.
- (d) Right entitlements for shares are valued at market

rates, discounted for dividend element, wherever applicable.

- (e) Unquoted preference shares/cumulative convertible preference shares are taken at cost.
- (f) Unquoted equity shares are valued on fair valuation basis as determined by the Board of Trustees from time to time.
- (g) Unquoted debentures, bonds and transferable notes are valued at yield to maturity, linked to the yield on GOI Securities (yield curve) along with a mark up approved by the Board of Trustees.
- (h) Unquoted warrants are valued at the market rate of the underlying equity shares discounted for dividend element, if any, and reduced by the exercise price payable. In cases where the exercise price payable is higher than the value so derived, the value of warrants is taken as nil.
- (i) Unquoted Government Securities are valued at yield to maturity based on the prevailing interest rates.
- (j) Convertible debentures and bonds where composite market quotations are not available, the convertible portion is valued at the market rate relevant to equity shares, discounted for dividend element, if any. The non-convertible portion if any, of such debentures and bonds is valued as in (f) above. Where terms of conversion are not specified in respect of the convertible portion, the same is taken at cost.
- (k) Capital indexed bonds are valued on cost basis.
- (l) Valuation policies for Money Market Instruments:-
  - (i) Money market instruments and other investments are taken at book value.
  - (ii) The money invested in inter bank call market is taken at cost.
  - (iii) The money invested in discount/interest earning instruments is valued at the yield at which the instrument was last traded. For this purpose the latest available quote within a period of two working days, prior to the valuation date is considered. When there are no quotes available in the last two working days, the instrument is valued at cost plus the difference between the face value and the cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.
  - (iv) Other money market instruments, including

unquoted debentures are valued at cost plus the difference between the face value and cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.

**Notwithstanding anything contained in respect of clauses X (3), XIII (1) and XIII (2) the valuation of assets, computation of NAV, fixation of repurchase price and frequency of their disclosure would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations/Guidelines/Directives issued by SEBI from time to time.**

## **XIV. ACCOUNTING POLICIES**

### **1. Income recognition**

- (a) Dividend Income on listed equity shares is accrued on the ex-dividend date. Dividend income on unlisted equity shares and preference shares is accounted on receipt basis.
- (b) Interest on investments and commitment charges is accounted for on accrual basis.
- (c) Profit or loss on sale of investments is recognised on the trade dates on the basis of weighted average cost.
- (d) Profit or loss and premium on redemption of debenture/bonds are recognised on the due date.
- (e) Underwriting commission is recognised as revenue on receipt basis when there is no devolvement. In case of devolvement, the full underwriting commission is reduced from the cost of such investments.
- (f) Front-end fee on investments in shares and debentures is reduced from the cost of such investments.
- (g) The difference between purchase price and the maturity value in respect of zero coupon bonds, deep discount bonds and other long term discounted instruments is treated as income over the remaining life of the instrument on YTM basis.
- (h) Other income is accounted for on receipt basis.

### **2. Expenses**

- a. Expenses are accounted for on accrual basis.
- b. Certain common expenses incurred through Unit Scheme 1964, are allocated to the other schemes as per the provisions of Sec 25 (4) of UTI Act 1963.

- c. Unit Scheme 1964 which owns the fixed assets, recovers lease rent, on an approved basis, from other schemes for their usage of the said assets.

### 3. Deferred revenue expenditure

In accordance with the provisions of Section 25 (3) of the Unit Trust of India Act, 1963, certain expenses are deferred as under:

- (i) The initial issue expenses including commission paid to agents, incurred by the close ended schemes are written off equally over the tenure of the schemes.
- (ii) When units are repurchased/bought back, the deferred revenue expenses to be charged in that year, as also for the unexpired period, is suitably adjusted.

### 4. Investments

- a. Investments are stated at cost or written down cost.
- b. In case of secondary market transactions investments are recognised on trade dates.
- c. Subscription to primary market issues is accounted as investments, on allotment.
- d. Bonus/right entitlements are recognised on ex-bonus/ex-right dates.
- e. Investment viz., debenture and bonds are transferred to current assets on the redemption/due date.
- f. The cost of investments include brokerage and service tax but does not include stamp fees which is charged to revenue.

### 5. Provisions and Depreciation:

#### (A) Provisions against the income considered doubtful:

Provision is made in respect of interest income remaining past due for two quarters or more. Provision is made in respect of dividend at the year end, where it remains outstanding for more than one year from the ex-dividend date.

#### (B) Depreciation in the value of investments

- (i) The aggregate value of investments as computed in accordance with clause XIII(2) above is compared to the aggregate cost of such investments and the resultant depreciation, if any, is charged to General Reserve/Unit Premium

Reserve In case such aggregate value exceeds the aggregate cost or the aggregate value as at the end of the previous year, the appreciation is added to Unit Premium Reserve/ General Reserve to the extent depreciation was previously adjusted.

- (ii) In cases where unquoted equity or preference shares, were written off in the earlier years, the cost of such investment is written back to its cost, as and when a quote or fair value is available.
- (iii) Assets where interest is remaining past due for two quarters or more are classified as non performing assets. Provision for such assets is made individually (as stated in the table below). Such provisions are not made for other performing assets of the same company.

Period for which asset remains non-performing	Percentage of Provision	
	Secured Asset	Unsecured Asset
Upto two years	10%	10%
Exceeding two years but upto three years	20%	100%
Exceeding three years but upto five years	30%	100%
Exceeding five years	50%	100%

- (iv) Where principal repayment remains outstanding (i) for two quarters beyond the past due period in respect of the debt instruments with a balance maturity of not more than 3 years and (ii) for one year beyond the past due period in respect of debt instruments with a balance maturity of more than 3 years, provision is made for such outstanding instalments. The overall provision for such assets is limited to the percentage mentioned in the above table (upto 50% for secured and 100% for unsecured assets) or the amount in default whichever is higher.

Any subsequent instalments in such cases where the original default continues, are provided after 30 days from the respective due dates.

- (v) In case of funding of interest by way of capitalisation of outstanding interest dues, the same is provided irrespective of the period of default.
- (vi) Provisions for non performing assets are charged to Unit Premium Reserve/General Reserve/ Revenue Account as the case may be.

- (vii) Provisions made under paragraph 5(A) and 5(B) (iv) are written back on receipt or on restructuring of the assets. Provisions under 5(B) (v) are written back on receipt basis.

#### 6. Buy-back of units:

The units of schemes, listed on stock exchanges which are bought back for redemption through open market operations are accounted for on trade dates. The difference between the acquisition cost and the face value is charged to the Revenue Appropriation Account.

#### 7. Income Distribution:

(a) In respect of application money pending capitalisation, provision for income distribution is made for schemes where units are sold at face value and for other schemes no such provision is made. The income distribution is charged to revenue appropriation account in the year of capitalisation.

(b) Provision for income distribution is made on unit capital at rates approved by the Board of Trustees.

(c) In respect of monthly income plans launched after 1st January 1997, where the income distribution is assured, the liability pertaining to cumulative option is provided for the period from April to March each year in the books of accounts.

#### 8. Publication of Financial Results:

The unaudited financial results as on 31st December will be published within 2 months and audited annual results as on 30th June will be published within six months of finalisation of accounts in one English daily and one Marathi daily.

### XV. TAX TREATMENT OF INVESTMENTS

#### 1. Tax Treatment

##### (A) Residents

- (i) Taxation of income and capital appreciation under the plan will be subject to prevalent tax laws.
- (ii) As per the Finance Act 1999 income received by all categories of investors under all schemes/plans of the Trust is totally free from tax under section 10 (33) of the Income Tax Act, 1961. Also the plan is required to pay an income distribution tax at the rate of 11% (including surcharge) under Section 115 R of Income Tax Act, 1961 on the amount of income distributed by it.
- (iii) Any long term capital gains arising on capital

appreciation of investment in the plan will be subject to treatment indicated under sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961. At present the investor is required to pay tax @ 20% on long term capital gains after factoring the benefit of the Cost Inflation Index.

- (iv) Value of investment in units under the plan is completely exempt from wealth tax.
- (v) The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of Gifts made on or after 1st October 1998. Thus, Gifts of Units of the plan are fully exempt from levy of Gift Tax.

##### (B) Non-Residents

- (i) Taxation of income and capital appreciation under the scheme will be subject to prevalent tax laws in India.
- (ii) As per the Finance Act 1999 income received by all categories of investors under all schemes/plans of the Trust is totally free from tax under Section 10(33) of Income Tax Act, 1961 irrespective of the source of investment.
- (iii) Any long term capital gains arising out of the investment in the scheme through NRO Account, will be subject to treatment indicated under Sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961.
- (iv) Value of investment in units under the scheme is exempted from wealth tax.
- (v) The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of Gifts made on or after 1st October 1998. Thus, Gifts of Units of the plan are fully exempt from levy of Gift Tax.

#### 2. Eligibility for Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA

Investment of entire or part of net consideration arising out of transfer of long term capital assets in MIP-99 (II) will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability of repurchase/transfer/pledge of units only after three years from the date of acceptance of the application.

#### 3. For Eligible Trusts

Units are approved securities under section 11 (2) (b) of the Income Tax Act 1961. Eligible Trusts investing in units will therefore, qualify for tax exemption in respect of income and corpus under sections 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

**XVI. INVESTORS RIGHTS & SERVICES**

1. Members under the plan have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of the plan and to the income declared by the plan.
2. The members have a right to ask the Trustees about any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the members.
3. The members have the right to have the membership advices issued to them not later than 6 weeks from the date of closure of sales under the plan/unit certificates within 7 days from the date of receipt of request for issue of unit certificate in lieu of membership advice.
4. The members have the right to have the repurchase/redemption proceeds despatched to them within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the application at the office where the repurchase requests are processed.
5. An abridged annual report in respect of the Monthly Income Plan 1999 (II) shall be mailed to all members not later than six months from the date of closure of the relevant accounting year and made available for inspection at the Central Investors Relation Cell and a copy shall also be made available to the members on request on payment of nominal fee, if any.
6. Any change in the fundamental attributes of the plan will be carried out only with the consent of not less than three-fourths of the members of the plan. Further, in the event of a change in the fundamental attributes, those who do not give their consent will be allowed to repurchase their holdings in the plan.
7. Under specified circumstances the approval of members will be sought by a Postal Ballot.
8. The members have the right to inspect the following documents at the Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India, SNTD Women's University Basement, Door No.1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai 400020.
  - The UTI Act
  - The General Regulations
  - The agreements with the custodians, registrars and collecting banks.
  - Copy of Offer Document of MIP99(II).

**XVII. CONSTITUTION & MANAGEMENT OF UNIT TRUST OF INDIA****Constitution of UTI**

Unit Trust of India was set up as a statutory body under Unit Trust of India Act, 1963, with a view to encouraging saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July, 1964.

**Management of UTI**

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India.

Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

**Board of Trustees\***

- |                            |   |
|----------------------------|---|
| 1. Shri P S Subramanyam    | Chairman, Unit Trust of India                       |
| 2. Dr. P J Nayak           | Executive Trustee, Unit Trust of India              |
| 3. Shri G P Muniappan      | Executive Director, RBI                             |
| 4. Shri G P Gupta          | Chairman & Managing Director, IDBI                  |
| 5. Shri N.S. Sekhsaria     | Managing Director, Gujarat Ambuja Cements Ltd.      |
| 6. Shri Rajendra P Chitale | Chartered Accountant                                |
| 7. Dr. Vishvanath V Desai  | Economist   |
| 8. Shri G Krishnamurthy    | Chairman, L.I.C.                                    |
| 9. Shri G G Vaidya         | Chairman, S.B.I.                                    |
| 10. Shri K C Chowdhary     | Chairman & Managing Director, Central Bank Of India |

\* The other current directorships of the Trustees are as follows:

1. Shri P S Subramanyam (i) Chairman & Director - The India Fund, (ii) Chairman & Director - India Growth Fund, (iii) Chairman & Director - India Access Ltd. (iv) Chairman & Director - The India Public Sector Fund Ltd. (v) Chairman of Governing Council - UTI-Institute of Capital Markets, (vi) Chairman & Director - UTI Investment Advisory Services Ltd. (vii) Chairman

& Director - UTI Investor Services Ltd (viii) Chairman - UTI-Securities Exchange Ltd., (ix) Director- UTI Bank Ltd. (x) Chairman & Director - Over-The-Counter Exchange of India (xi) Member - Life Insurance Corporation of India. (xii) Director - Discount & Finance House of India Ltd. (xiii) Director - Securities Trading Corpn. of India Ltd.

2. **Dr. P J Nayak** - (i) Member Governing Council - UTI- Institute of Capital Markets (ii) Director - Unit Trust of India Investor Services Ltd., (iii) Director - Unit Trust of India Investment Advisory Services Ltd., (iv) Director -Association of Mutual Funds in India (v) Director - National Securities Depository Ltd (vi) Chairman & Director - UTI- International Ltd (vii) Director - India Debt Fund Limited, (viii) Director - India IT Fund Limited.

3. **Shri G P Gupta**- (i) Chairman- Small Industries Development Bank of India, (ii) Director- The India Fund (iii) Director- India Growth Fund, (iv) Director - Discount and Finance House of India Ltd. (v) Director- Export-Import Bank of India, (vi) Director- Securities Trading Corpn. of India, (vii) Director- Infrastructure Development Finance Co. of India., (viii) Director- Indian Airlines Ltd. (ix) Director- IDBI Bank Ltd. (x) Director- National Stock Exchange of India Ltd. (x) Member- Life Insurance Corpn. of India, (xi) Member- General Insurance Corpn. of India (xii) Director- South Asia Regional Fund, (xiii) Chairman - South Asia Development Fund, (xiv) Council Member- Indian Institute of Bankers, (xv) Member- Bankers Training College (RBI), (xvi) Member- Association of Development Financing Institutions in Asia and the Pacific (xvii) Member- Institute of Banking Personnel Selection (xviii) Member- The Institute of Company Secretaries of India

4. **Shri N S Sekhsaria** - (i) Director - Gruh Finance Ltd. (ii) Director- Radha Madhav Investments Ltd. (iii) Director - Home Trust Housing Finance Co. Ltd. (iv) Director- Ambuja Cement foundation (v) Director- Ambuja Educational Institute

5. **Shri Rajendra P Chitale** - (i) Director - Small Industries Development Bank of India, (ii) Director- National Securities Clearing Corporation Ltd (iii) Director - J M Capital Management Ltd. (iv) Director - Zurich Asset Management Company (India) Ltd. (v) Director- India Index Services and Products Ltd. (vi) Director- Association of Leasing and Financial Services Companies. (vii) Member - Executive Committee (Governing Board) of National Stock Exchange. (viii) Member - India Advisory Board of Bank of America NT & SA (ix) Member - Investment Committee, Life Insurance Corporation of India.

6. **Shri V V Desai** - Advisor - ICICI Limited.

7. **Shri G Krishnamurthy** - (i) Chairman - Life Insurance Corporation of India (ii) Chairman - LIC (International) EC, Bahrain (iii) Chairman - LIC Housing Finance Ltd. (iv) Director - General Insurance Corporation of India (v) Director- Poysha Industrial Co. Ltd. (vi) Chairman, Governing Board- National Insurance Academy (vii) Director- National Housing Bank (viii) Director- UTI Bank Ltd. (ix) Director - Discount & Finance House of India (x) Director- Kenindia Assurance Co. Ltd., Kenya (xi) Director- Industrial Credit and Investment Corpn. of India (xii) Chairman- Governing Body of Insurance Council

8. **Shri G G Valdyia**- (i) Chairman - SBI Capital Markets Ltd., (ii) Chairman- SBI Funds Management Ltd., (iii) Chairman - SBI Gilts Ltd., (iv) Chairman - SBI Securities Ltd., (v) Chairman - SBI Factors & Commercial Services Ltd., (vi) Chairman - SBI European Bank Ltd., (vii) Chairman - State Bank of Indore, (viii) Chairman - State Bank of Saurashtra, (ix) Chairman - State Bank of Patiala, (x) Chairman - State Bank of Bikaner & Jaipur, (xi) Chairman - State Bank of Hyderabad, (xii) Chairman - State Bank of Mysore, (xiii) Chairman - State Bank of Travancore, (xiv) Chairman - State Bank of India (California), (xv) Chairman - State Bank of India (Canada), (xvi) Vice President of the Governing Council - Indian Institute of Bankers, (xvii) Director- National Bank for Agriculture and Rural Development, (xviii) Director - Export- Import Bank of India, (xix) Director- General Insurance Corporation, (xx) Member of the Governing Board & Chairman of Finance Committee- National Institute of Bank Management, (xxi) Member of the Governing Board, Chairman of the Finance Committee & Office Premises Committee & Committee of Administrators of IBPS Employees Pro. Fund, - Institute of Banking Personnel Selection (xxii) Member- Institute for Developing & Research in Banking Technology, (xxiii) Director- Infrastructure Development Finance Corporation, (xxiv) Director- Infrastructure Leasing & Financial Services Ltd., (xxv) Director- Export Credit Guarantee Corporation,

9. **Shri K C Chowdhary** - (i) Chairman - Small Group on Bank Audit, Indian Banks Association (ii) Chairman- Banking Operations, Indian Banks Association, (iii) Chairman - Small Group on Credit Related Matters, Indian Banks Association (iv) Chairman - IBA Working Group for Interaction with Trade Bodies/Associations, (v) President - Indian Banks Association, (vi) Member - Managing Committee, Indian Banks Association, (vii) Chairman - Centbank Home Finance Ltd., (viii) Chairman - Centbank Financial & Custodial Services Ltd., (ix) Director - Agricultural Finance Corpn. of India,



- (x) Director - Mastercard Asia/Pacific Board,  
 (xi) Director - The New India Assurance Co. Ltd.,  
 (xii) Member - Task Force, Indian Banks Association.

#### Management of the Fund:-

**Shri Ashish Ranawade, Assistant General Manager will be the fund manager.**

**Qualifications: BE, MMS**

**Experience and Background:** Presently with the Department of Funds Management of the Trust which is responsible for the management of domestic income oriented schemes. The work experience prior to the current position is as under:

DESIG-NATION	DEPART-MENT	PERIOD	RESPONSIBILITIES
Manager	Credit Rating Cell	October '94 to April '99	Industry Analysis, Risk Evaluation, Structuring of Instruments and assigning Ratings (as a member of the Rating Committee)
Assistant General Manager	Credit Rating Cell	May '99	Industry Analysis, Risk Evaluation, Structuring of Instruments and assigning Ratings (as a member of the Rating Committee)

**Also worked as an engineer in product design and production management with a manufacturing firm from 1991 to 1992.**

### XVIII. OTHER SERVICE PROVIDERS FOR THE SCHEME

#### 1. Custodians

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B-Wing, Nariman Point, Mumbai 400 021, have been functioning as custodian for all our schemes and plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securities belonging to schemes/funds/plans of the Trust and hold them in its custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the Trust and on receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non-discretionary and procedural details for discharge of normal custodial functions in connection with the sale, purchase, transfer of and other dealings in the securities, other assets held by them as an agent except as may otherwise be directed by the Trust.

Custodians shall provide all information, reports or any explanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of securities belonging to the schemes/ funds/ plans of the Trust.

The SEBI registration number of SHCIL is IN/CUS/011

Tariff structure of SHCIL is as under:

	Electronic	Physical
Dematerialisation	Rs. 5 per certificate	-
Purchase	5.5 basis points	Rs.100 per DIP
Sale	5.5 basis points	Rs.100 per DIS
Custody	1.5 basis points calculated on daily basis	8 basis points calculated on weekly basis
Off market purchases	3.5 basis points	-
Off market Sales	3.5 basis points	-
Rematerialisation	Rs. 15 per certificate	-

#### 2. Auditors

M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accountants, 60, Bentik Street, Calcutta 700 069 and M/s Batliboi & Purohit, Chartered Accountants, National Insurance Building, 204, D N Road, Fort, Mumbai 400 001. The auditors of the scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.

#### 3. Registrar and transfer agent:

M/s MCS Ltd. SEBI Registration no. INR000000056 have been appointed as the Registrars.

It has been ascertained that the Registrars have adequate capacity to discharge its responsibilities with regard to processing of applications, and repurchase requests, despatch of membership advices/unit certificates and income distribution warrants within the prescribed time frame and also handle investor complaints.

Processing of applications and after sales services will be handled from the following branches of the Registrar:

**Western Zone (excluding the state of Gujarat):**  
Shri Padmavathy Bhavan, Plot No. 93, Road No.16,  
MIDC Area, Andheri (East), Mumbai 400 093. Tel Nos:  
820 1785, 836 8681.

**For the state of Gujarat only:** 101, Shatdal Complex,  
1st Floor, Opp. Bata Show Room, Ashram Road,  
Ahmedabad 380 009. Tel No: 658 2878

**East Zone:** Sri Venkatesh Mangalam, 24/26 Hemanta  
Basu Sarani, Calcutta 700 001. Tel Nos: 210 2805,  
210 2806, 210 2807.

**South Zone:** Shri Venkatesh Bhavan, 225, Thambu  
Chetty Street, Chennai 600 001. Tel: 524 0116, 524  
0120.

**North Zone:** Shri Venkatesh Bhavan, 212-A,  
Shahpurjat, New Delhi 110 049. Tel: 649 4830, 649  
1784.

#### **4. Collecting and Paying Bankers:**

State Bank of India will act as collecting and paying  
bankers on all India basis. UTI Bank has been  
appointed for collection and local payments as well as  
for At par payments at restricted places. In addition to  
these Canara Bank will also act as collecting and  
paying banker in South Zone.

Applications will also be accepted by UTI Branch  
Offices, CR Collection Centres, Franchise Offices.  
Addresses of UTI branch offices are given on the last  
page. The selected branches of Oman International  
Bank in the Sultanate Of Oman have been appointed  
for collection of applications from Non-Resident  
Indians. All Non-residents applications will be handled  
and processed centrally by MCS's Mumbai office.

#### **Principal Business Addresses of the Banks:**

##### **State Bank of India**

**S.A.O.G.**

(Development & Personal Banking)  
Local Head Office, Madam Cama Road,  
P.B. No.10003,  
Mumbai 400 021

##### **Oman International Bank**

1-A, Mittal Court,  
Nariman Point, Mumbai 400 021

##### **Canara Bank**

Tambuchetty Street,  
Chennai 600 001.

##### **UTI- Bank Ltd.**

Central Office, Maker Tower-F,  
13th Floor, Cuffe Parade,  
Colaba, Mumbai 400 005.

### **XIX. INVESTORS GRIEVANCE REDRESSAL**

1. All investors could refer their grievances giving full  
particulars of investment to concerned Investors'  
Relation Cell at the following addresses:

#### **WESTERN ZONE:**

Ms. Tanvi Upadhye/Shri.Prakash Sahasrabudhe  
Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
Gn Block, Bandra - Kurla Complex,  
Bandra (East),  
Mumbai 400 051  
Tel: 652 0850

#### **EASTERN ZONE:**

Shri S L Chakrabarti  
Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
29, N. S. Road,  
Calcutta 700 001  
Tel: 221 0533

#### **SOUTHERN ZONE**

Ms. Shirin Ramprasad/Ms.Hari Priya S.  
Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
UTI-House, 29, Rajaji Salai,  
Chennai 600 001  
Tel: 5260146

#### **NORTHERN ZONE**

Ms. Anju Krishnan  
Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
Herald House, 11nd floor,  
5A, Bahadur Shah Zafar Marg,  
New Delhi 110 002.  
Tel.: 332 1801/3315574

#### **2. Investor Complaints redressal record**

Complaints received, redressed and pending for the  
last three years are:

Period	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
01-7-95 to 30-04-96	685997	651813	34184	4.98%
01-04-96 to 31-03-97	470169	447495	22675	4.82%
01-04-97 to 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%
01-04-97 to 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%

Schemewise details of complaints received, redressed and pending for the period 01/08/95 to 31/07/99 are given below:

SCHEME	NO OF COMPLAINTS			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
CCOF	702	698	4	0.5%
CGGF	4680	4615	65	1.39%
CGS-83	22	22	0	0.00%
CGUS-91	615	615	0	0.00%
CRTS	94	93	1	1.06%
DIP-91	1218	1202	16	1.31%
DIUP-93	4534	4500	34	0.75%
DIUP-95	530	525	5	0.94%
DIUS-90	238	238	0	0.00%
DIUS-91	201	200	1	0.50%
DIUS-92	303	302	1	0.33%
E.O.F	40	38	2	5.00%
GCGI	722	659	63	8.73%
GIUS-99(II)	36	36	0	0.00%
GMIS-91	748	734	14	1.87%
GMIS-92(I)	420	419	1	0.24%
GMIS-92(II)	472	472	0	0.00%
GMIS-B-92	1330	1314	16	1.20%
GMIS-B-92(II)	533	533	0	0.00%
GRANDMASTER-93	815	800	15	1.84%
GRIHALAXMI UNIT PLAN	698	697	1	0.11%
HOUSING UNIT SCHEME	111	111	0	0.00%
IEF-97	88	88	0	0.00%
IIFUS-95,96,97	10	10	0	0.00%
MASTER INDEX FUND	170	170	0	0.00%
MASTER VALUE UNIT PLAN	3	3	0	0.00%
MASTERGAIN-98	29718	29715	3	0.01%
MASTERGROWTH-98	2964	2269	75	2.17%

SCHEME	NO OF COMPLAINTS			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
MASTERPLUS-91	31471	31452	19	0.06%
MASTERSHARE-86	18270	18266	4	0.02%
MEP-91	1540	1484	56	3.64%
MEP-92	9093	8853	240	2.64%
MEP-93	6107	6022	85	1.39%
MEP-94	4497	4431	66	1.47%
MEP-95	7797	7715	82	1.05%
MEP-96	1128	1074	54	4.79%
MEP-97	103	99	4	3.88%
MEP-98	394	394	0	0.00%
MIP-93	3488	3450	38	1.09%
MIP-94(I)	764	752	12	1.57%
MIP-94(II)	1828	1813	15	0.82%
MIP-94(III)	1441	1407	34	2.36%
MIP-95	583	568	15	2.57%
MIP-95(II)	679	669	10	1.47%
MIP-95(III)	266	259	7	2.63%
MIP-96	339	332	7	2.06%
MIP-96(II)	408	402	6	0.99%
MIP-96(III)	857	837	20	2.33%
MIP-96(IV)	5446	5264	182	3.34%
MIP-97	1069	1051	18	1.68%
MIP-97(II)	2080	2031	49	2.35%
MIP-97(III)	2183	2124	59	2.70%
MIP-97(IV)	1006	977	29	2.88%
MIP-97(V)	484	478	6	1.24%
MIP-98	2587	2547	40	1.55%
MIP-98(II)	2678	2624	54	1.98%
MIP-98(III)	3913	3724	189	4.83%
MIP-98(IV)	1630	1600	30	1.84%
MIP-98(V)	2744	2446	298	10.86%
MIP-99 (I)	172	134	38	22.09%
MIS-B-93	1886	1858	28	0.43%
MISQ-90(I)	1853	1831	22	1.42%
MISQ-90(II)	2959	2935	24	0.81%
MISQ-91	5147	5113	34	0.66%
N.R.I FUND	258	252	6	2.33%
OMNI-PLAN	48	48	0	0.00%
PRIMARY EQUITY FUND	551	551	0	0.00%
RAJLAKSHMI UNIT PLAN	2744	2731	13	0.47%
RETIREMENT BENEFIT PLAN	656	635	21	3.20%

SCHEME	NO OF COMPLAINTS			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
SENIOR CITIZEN UNIT PLAN	699	697	2	0.29%
UGS-10000	868	851	17	1.96%
UGS-2000	3098	2989	109	3.52%
UGS-5000	2157	2122	35	1.62%
ULIP	11394	11057	337	2.96%
US-84	58878	57452	1426	2.42%
US-92	1235	1235	0	0.00%
UTI BOND FUND	287	287	0	0.00%
TOTAL	257233	253118	4115	1.60%

Reasons for pending complaints are:

- (i) Non-receipt of application/funds from the collecting banks.
- (ii) Incomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- (iii) Change of address of investor not informed/not updated.
- (iv) Loss in transit.
- (v) Postal delay.
- (vi) Non compliance of required documents in case of transfer/death claims/Repurchase.
- (vii) Incomplete details while forwarding the complaints.
- (viii) Non-receipt/ Delayed receipt of commission.
- (ix) Letters/Documents sent to the wrong office/Registrars.

## XX. PENALTIES, PENDING LITIGATIONS, MATERIAL FINDINGS OF INSPECTIONS/ INVESTIGATIONS

1. There are no cases relating to penalties awarded by SEBI under the SEBI Act or any of its regulations or by any Stock Exchanges (where the units of the schemes of UTI are listed) against the Unit Trust of India/Board of Trustees, or any of the Trustees or key personnel (specifically the fund managers).
2. There are no pending material litigation proceedings incidental to the business of the Unit Trust of India including the Board of Trustees or any of the trustees or key personnel. There are no

pending criminal cases against the Unit Trust of India, Board of Trustees or any of the Trustees or key personnel.

3. Neither SEBI nor any other Regulatory Agency has specifically advised that any deficiency in the systems and operations of the Unit Trust of India be disclosed in the offer document.
4. There are no enquiry/adjudication proceedings under the SEBI Act and the Regulations made thereunder, against Unit Trust of India, Board of Trustees/Trustee or key personnel.

## XXI. Y2K COMPLIANCE STATUS OF THE TRUST

1. The Trust has achieved organisation wide Year 2000 (Y2K) compliance with regard to its mission critical applications. All the hardware, system software and application software at all its offices are Y2K compliant.
2. The Registrar and Transfer agents servicing investors across various schemes have also attained Y2K compliance.
3. The Trust has also formulated a detailed contingency plan to ensure uninterrupted market operations, investor services and other important activities in the year 2000.
4. The Trust is currently in the process of obtaining third party certification with regard to its Y2K preparedness.
5. The Trust is confident of providing uninterrupted services to its family of investors and other business entities dealing with the Trust in the year 2000.

## XXII. CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

The condensed financial information for the years 1996-97, 1997-98 and 1998-99 for all schemes launched during the last three years is annexed.

For and on behalf of the Board of Trustees of the Unit Trust of India

Sd/-

(B.G. DAGA)

Executive Director

Business Development & Mktg.

Place: Mumbai

Date: 24-05-1999

## CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

## (i) HISTORICAL PER UNIT STATISTICS

Scheme (Date of Allotment)	MMMF (23.04.97) @ @			MIP-96 (III) (01.10.96)			DIP-91 (15.10.96)			IISFUS-96 (01.01.97)			MIP-96 (IV) (01.01.97)			MEP-97 (31.03.97)		
	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99
1. NAV At The Beginning Of The Year	10.00	10.17	11.23	10.00	11.04	*13.30 ^10.13	10.00	11.52	@10.60 \$11.42 &11.38	10.00	11.09	10.60	10.00	10.71	*12.01 ^9.45	10.00	12.09	9.70
2. Net Income Per Unit	0.14	0.74	0.70	0.90	1.44	1.32	1.18	1.41	1.45	1.01	1.42	1.59	0.67	1.31	1.34	0.11	0.71	-1.88
3. Income Distribution (%) p.a.	—	—	—	15.00	#13.00	\$10.75	15.00	15.00	@10.85 \$28.00	16.00	16.00	14.00	15.00	##13.00	\$10.75	—	—	—
4. Transfer to Reserves (if any)	—	0.79	0.70	-0.08	0.37	0.39	0.75	1.17	1.00	0.05	-0.16	0.15	0.02	0.27	0.52	—	0.82	-1.87
5. NAV At The End Of The Year	10.17	11.2316	12.47	11.04	*13.30 ^10.13	*15.05 ^9.97	11.52	@9.23 \$12.65 &13.17	@10.24 \$13.43 &15.77	11.09	10.60	10.85	10.71	*12.01 ^13.46	*14.06 ^9.66	12.09	9.70	11.67
6. Annualised Return (%)	9.17	10.41	10.55	29.06	*18.91 ^17.36	*16.39 ^15.18	36.57	@12.12 \$15.53 &18.57	@15.59 \$19.75 &18.33	38.25	19.42	18.59	29.61	*9.45 ^13.23	*14.65 ^13.53	83.99	-2.37	22.84
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	37.99	105.39	302.29	416.50	413.56	429.10	241.41	254.44	291.70	206.50	174.06	178.07	891.29	841.61	888.93	88.69	71.14	85.55
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.001	0.002	0.11	0.008	0.010	1.04	0.007	0.009	0.82	0.003	0.003	0.29	0.007	0.011	1.06	0.006	0.011	0.95

\*Cumulative Option ^Non Cumulative Option \$Deferred Income Option @Dividend Option & Capital Growth Option  
 #15% upto 31.03.98 ##15% upto 31.03.98 @ @13% upto 31.03.99 \$\$13% upto 31.03.99

Scheme (Date of Allotment)	MIP-97 (01.05.97)			MIP-97 (II) (01.07.97)			IISFUS-97 (01.07.97)			IEF (01.08.97)			MIP-97 (III) (01.09.97)		MIP-97 (IV) (01.11.97)	
	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99
1. NAV At The Beginning Of The Year	10.00	10.32	*9.31 ^9.06	10.00	10.09	*9.50 ^9.25	10.00	10.14	9.48	10.00	10.00	9.33		*9.70 ^9.38		*9.99 ^9.53
2. Net Income Per Unit	0.25	1.02	0.51	0.11	1.08	0.69	0.12	1.07	1.40	0.00	0.00	1.14	0.84	1.02	0.81	0.89
3. Income Distribution (%) p.a.	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	15.00	15.00	15.00	—	—	—	13.00	13.00	12.50	12.50
4. Transfer to Reserves (if any)	-0.06	-0.29	-0.86	0.03	-0.08	-0.75	—	-0.49	-0.25	—	0.10	1.15	-0.26	-0.31	0.01	-0.34
5. NAV At The End Of The Year	10.32	*9.31 ^9.06	*9.17 ^8.59	10.09	*9.50 ^9.25	*9.50 ^8.73	10.14	9.48	9.47	10.00	9.33	14.94	*9.70 ^9.38	*9.98 ^9.40	*9.20 ^10.40	*10.36 ^9.67
6. Annualised Return (%)	33.44	*5.09 ^8.96	*8.71 ^8.33	—	*5.52 ^10.03	*10.20 ^8.45	—	9.83	13.80	—	-07.30	59.93	*5.54 ^9.52	*11.85 ^10.51	*7.45 ^6.66	*13.72 ^11.27
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	1195.73	1118.75	1145.98	1462.16	1478.46	1545.74	685.15	640.48	666.05	31.28	30.91	49.48	829.79	873.84	924.40	997.61
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.006	0.012	1.13	0.001	0.011	1.05	0.000	0.005	0.43	0.001	0.017	1.13	0.011	1.04	0.007	0.74

\*Cumulative Option ^Non Cumulative Option

Scheme (Date of Allotment)	MIP-97 (V) (01.02.98)		MEP-98 (31.03.98)		ISFUS-97 (II) (01.02.98)		MIP-98 (01.04.98)		MIP-98 (II) (01.06.98)		MIP-98 (III) (01.09.98)	NPI FUND (01.06.98)		ISFUS 98 (01.06.98)		UGS 10000 (30.05.98)		JMF (18.06.98)		MVALP (01.06.98)	MIF (01.06.98)
	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1997-98	1998-99	1998-99	1998-99
1. NAV At The Beginning Of The Year	—	*9.98 *8.71 \$10.27	—	8.35	—	9.74	—	*9.81 *9.48 \$9.74	0.83	—	—	—	9.94	—	9.64	—	9.57	—	9.93	10.88	9.88
2. Net Income Per Unit	0.70	0.65	0.23	-1.16	0.60	1.00	0.31	1.11	12.50	0.97	1.10	0.04	1.19	0.08	1.26	-0.41	1.29	-0.07	0.74	0.76	0.69
3. Income Distribution	11.75	11.75	—	—	12.75	12.75	12.50	12.50	-0.07	12.50	12.50	13.50	13.50	13.50	13.50	—	—	—	—	—	—
4. Transfer to Reserves (if any)	0.27	-0.55	0.23	-1.13	-0.07	-0.39	-0.02	-0.11	9.75	-0.28	0.26	-0.06	-0.15	-0.18	-0.22	-0.41	1.28	-0.07	0.76	0.76	0.17
5. NAV At The End Of The Year	*9.98 \$10.27 *9.71	*10.08 *9.64 \$10.29	8.35	11.58	9.74	10.14	*9.95 \$9.89 *9.30	*10.41 *10.09 \$10.33	—	*10.53 *10.21 \$10.06	*10.00 *10.21 \$11.63	9.97	*10.94 \$10.92	9.64	10.23	9.57	14.06	9.93	11.58	14.34	12.75
6. Annualised Return (%)	*5.56 \$35.47 *11.96	*10.22 *9.98 \$10.40	-66.95	28.81	5.14	13.47	*-2.03 \$-4.46 *-3.04	*14.11 *14.03 \$13.39	770.12	*15.65 *15.51 \$13.89	*19.77 *16.07 \$14.22	—	*20.43 \$20.25	—	15.75	—	—	—	13.53	—	—
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	475.12	490.53	18.06	25.12	656.31	688.35	928.05	1019.42	0.00	901.65	1439.45	63.45	75.97	944.49	1067.21	67.40	131.80	136.39	690.50	143.59	198.81
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.008	1.02	0.012	2.63	0.004	0.41	0.01	1.03	—	1.03	0.98	0.01	0.91	0.00	0.41	0.05	2.08	0.01	1.10	1.19	2.14

\*Cumulative Option ^ Non Cumulative Option \$\$ Annual option + Provisional @ @ For open ended schemes date of launch is given

Scheme (Date of Allotment)	SIF (08.07.98)	MIP 98 (IV) (01.12.98)	ISFUS 98 (II) (01.01.99)	MIP 99 (V) (01.02.99)	MEP 99 (31.03.99)
1. NAV At The Beginning Of The Year	9.89	—	—	—	—
2. Net Income Per Unit	1.31	0.90	0.92	—	0.47
3. Income Distribution	—	12.50	14	—	—
4. Transfer to Reserves (if any)	1.34	0.28	-0.02	—	0.47
5. NAV At The End Of The Year	11.33	*10.83 *10.41 \$11.26	10.3	*10.33 *9.96 \$10.53	11.26
6. Annualised Return (%)	13.62	*27.86 *19.35 \$20.80	20.95	—	—
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	0.25	948.89	1158.06	882.07	3.91
8. Ratio of recurring Exp. to Net Assets (%)	1.90	0.78	0.30	0.59	1.09

(ii) There are no instances of borrowing by schemes of the Trust.

**HISTORICAL PER UNIT STATISTICS**

Schemes	Nav as on 31.08.99	Annualised Yield
UBF	11.634	12.45%
SIF	12.34	22.98%
IISFUS-96	11.34	19.13%
IISFUS-97	10.48	16.01%
ISSFUS-97(II)	10.78	16.01%
IISFUS-98	10.93	19.20%
IISFUS-98(II)		
-Cum Option	10.78	20.95%
-Income Option	10.75	20.56%
UNF		
-Cum Option	11.10	8.12%
-Annual Option	10.39	13.05%
MMMF #	12.7121	10.68%
MEP-97*	13.35	59.31%
MEP-98*	12.11	49.88%
MEP-99*	12.65	
UGS-10000*	16.30	51.21%
IEF*	17.35	71.61%
MVUP*	17.97	79.70%
MIF*	15.33	69.39%
MIP-96(III)		
-Non Cum Option	10.35	15.88%
-Cum Option	15.96	17.38%
MIP-96(IV)		
-Non Cum Option	9.77	13.80%
-Cum Option	14.62	15.31%
MIP-97		
-Non Cum Option	9.03	10.79%
-Cum Option	9.84	11.35%
MIP-97(II)		
-Non Cum Option	9.23	11.37%
-Cum Option	10.02	12.07%
MIP-97(III)		
-Non Cum Option	9.83	12.95%
-Cum Option	10.59	14.11%

Schemes	Nav as on 31.08.99	Annualised Yield
MIP-97(IV)		
-Non Cum Option	9.93	12.87%
-Cum Option	10.85	15.22%
MIP-97(V)		
-Monthly Option	10.19	13.56%
-Cum Option	10.83	13.92%
-Annual Option	11.06	13.85%
MIP-98		
-Monthly Option	10.21	14.74%
-Cum Option	11.08	17.34%
-Annual Option	10.94	16.04%
MIP-98(II)		
-Monthly Option	9.90	16.06%
-Cum Option	10.67	17.87%
-Annual Option	11.72	16.56%
MIP-98(III)		
-Monthly Option	10.21	17.80%
-Cum Option	11.11	22.98%
-Annual Option	11.96	20.45%
MIP-98(IV)		
-Monthly Option	10.65	22.63%
-Cum Option	11.34	24.67%
-Annual Option	11.80	30.19%
MIP-98(V)		
-Monthly Option	10.17	16.51%
-Cum Option	10.75	17.28%
-Annual Option	10.97	28.27%
DIP-95		
-Defr Option	11.25	14.58%
-Cum Option	18.18	16.48%
DIP-91		
-Qtr Inc Option	10.82	16.62%
-Defr Option	13.23	18.15%
-Growth Option	16.58	19.22%

\* NAV as on 1.09.99 # NAV as on 15.09.99

## XXIII. DETAILS REGARDING SCHEMES WHEREIN RETURNS ARE ASSURED UNDER DRF AS ON 31.08.99

Name of Scheme	Period		Net Income	Income Distribution ^	Investible Funds @	Returns Assured	Reserves as of 31.08.99
	From	To					
MIP 97	01.05.97	30.06.97	28.95	35.37	1049.2	14%	-136.04
	01.07.97	30.06.98	124.49	153.57			
	01.07.98	30.06.99	66.55	159.10			
	01.07.99	31.08.99	36.26	18.28			
MIP 97 (II)	*	30.06.97	15.29	19.54	1511.67	14%	-125.54
	01.07.97	30.06.98	170.34	184.33			
	01.07.98	30.06.99	116.33	200.71			
	01.07.99	31.08.99	38.18	20.23			
IISFUS 97	*	30.06.97	7.91	14.77	755.24	15%	-36.13
	01.07.97	30.06.98	72.57	98.89			
	01.07.98	30.06.99	95.88	113.89			
	01.07.99	31.08.99	14.7334				
MIP 97 (III)	*	30.06.97	0.00	0.21	841.68	13%	-50.14
	01.07.97	30.06.98	73.40	96.86			
	01.07.98	30.06.99	92.48	108.55			
	01.07.99	31.08.99	16.17	14.55			
MIP 97(IV)	01.11.97	30.06.98	10.00	75.57	861.62	12.50%	-27.15
	01.07.98	30.06.99	88.62	111.72			
	01.07.99	31.08.99	19.17	13.13			
MIP 97(V)	01.01.98	30.06.98	33.33	20.53	448.48	11.75%	-3.35
	01.07.98	30.06.99	31.93	47.94			
	01.07.99	31.08.99	16.16	5.07			
IISFUS 97 (II)	01.02.98	30.06.98	40.68	45.58	654.84	12.75%	-16.56
	01.07.98	30.06.99	67.52	96.04			
	01.07.99	31.08.99	14.9602				
MIP 98	01.04.98	30.06.98	30.02	31.59	904.20	12.50%	-2.89
	01.07.98	30.06.99	110.7	111.79			
	01.07.99	31.08.99	21.23	12.05			
IISFUS 98	01.06.98	30.06.98	8.16	25.85	1001.79	13.50%	-19.4585
	01.07.98	30.06.99	123.95	147.51			
	01.07.99	31.08.99	20.2605				



Name of Scheme	Period		Net Income	Income Distribution <sup>A</sup>	Investible Funds @	Returns Assured	Reserves as of 31.08.99
	From	To					
NRI FUND	01.06.98	30.06.98	0.25	0.65	66.83	13.50%	-0.1671
	01.07.98	30.06.99	8.30	8.81			
	01.07.99	31.08.99	1.29				
MIP 98 (II)	*	30.06.98	2.42	8.19	779.90	12.50%	-24.32
	01.07.98	30.06.99	85.04	109.96			
	01.07.99	31.08.99	14.59	8.68			
MIP 98 (III)	01.09.98	30.06.99	147.41	113.07	1385.96	12.50%	0.49
	01.07.99	31.08.99	26.3	60.16			
MIP 98 (IV)	01.12.98	30.06.99	79.70	55.28	832.15	12.50%	32.93
	01.07.99	31.08.99	17.82	9.32			
IISFUS 98 (II)	01.01.99	30.06.99	103.88	106.57	1051.73	14%	18.9415
	01.07.99	31.08.99	21.6315				
MIP 98 (V)	01.02.99	30.06.99	29.48	29.65	800.59	12.50%	9.24
	01.07.99	31.08.99	16.34	6.94			
CGGF	01.07.98	30.06.99	210.77	502.33	2952.09	14%	-240.7
	01.07.99	31.08.99	38.15	—			
RUP	01.07.98	30.06.99	31.63	—	521.34	Rs.1500/- becomes Rs. 21000/- in 20 yrs.	115.44
	01.07.99	31.08.99	6.68	—			
MIP99	01.06.99	30.06.99	23.59	30.52	1758.44	10.75%	2.68
	01.07.99	31.08.99	26.97	17.37			
CGGF 86 (RE LAUNCH)	01.07.98	30.06.99	-2.63	1.31	, 35.52	12%	-4.25
	01.07.99	31.08.99	0.18				
RUP 99 (RE LAUNCH)	01.07.98	30.06.99	-1.91	—	22.31	Rs.1500/- becomes Rs. 15,000/- in 20 yrs.	-2.43
	01.07.99	31.08.99	0.10	—			
TOTAL					18235.58		-364.0127

@ AS OF 30.06.99 \*From initial sale period <sup>A</sup>Income distribution is considered which is due

Management perception: The above schemes will mature on various dates from the years 2002 to 2004 with improvement in market condition the underlying scrips are expected to discover their fair prices reversing the notional depreciation. Further, active trading in debt and equity is expected to add value before the schemes become due for redemption.



# UNIT TRUST OF INDIA

## CORPORATE OFFICE

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai - 400 020. (208 8468)

## ZONAL OFFICES

**Western Zone:** "Gn" Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400051. Tel : 6520850 • **Eastern Zone:** 4, Fairlie Place, 1st Flr., Post Box No.60, Calcutta - 700 001. Tel : 2209371. • **Southern Zone:** UTI-House, 29, Rajaji Salai, Chennai - 600 001. Tel : 521 0335. • **Northern Zone:** Jeevan Bharati, 13th Flr., Tower II, Connaught Circus, New Delhi - 110 001. Tel : 332 1597.

## BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE

**Ahmedabad :** B.J.House, 2nd, 3rd & 4th Flr., Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. Tel : 5583043. • **Baroda :** 'Meghdhanush', 4th & 5th Flr., Transpek Circle, Race Course Road, Baroda - 390 015. Tel : 336982. • **Bhopal :** 1st Flr., Ganga Jamuna Commercial Complex, Plot No.202, Maharana Pratap Nagar, Zone - 1, Bhopal - 462 011. Tel : 558 308. • **Indore :** City Centre, 2nd Flr., 570, M.G. Road, Indore - 452 001. Tel : 535607. • **Mumbai :** (1) Unit No.2, Block 'B', Gulmohor Cross Marg No.8, Andheri (W), Mumbai - 400 049. Tel : 6201995. • **Mumbai :** (2) Persepolis, 3rd Flr., Above Andhra Bank, Sector - 17, Vashi, Navi Mumbai - 400 703. Tel : 7892126. • **Mumbai :** (3) Lotus Court Bldg., 196, Jamshedji Tata Marg, Backbay Reclamation, Mumbai - 400 020. Tel : 285 0821. • **Mumbai :** (4) Shradddha Shopping Arcade, 1st Flr., S.V. Road, Borivli (W), Mumbai - 400 092. Tel : 898 0521. • **Mumbai :** (5) Sagar Bonanza, 1st Flr., Khot Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 400 086. Tel : 516 2256. • **Kolhapur :** Ayodhya Towers, C.S.No.511, 'KH-1/2 'E' Ward, Dabholkar Corner, Station Road, Kolhapur - 416 001. Tel : 657 315. • **Nagpur :** Shree Mohini Complex, 3rd Flr., 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg, Nagpur - 440 001. Tel : 536 893. • **Nasik :** Sarda Sankul, 2nd Flr., M.G.Marg, Nasik - 422 001. Tel : 572166. • **Panaji :** E.D.C.House, Ground Flr., Dr. A.B.Marg, Panaji, Goa, 403 001. Tel : 222 472. • **Pune :** Sadashiv Vilas, 3rd Flr., 1183, Fergusson College Road, Shivaji Nagar, Pune - 411 006. Tel : 5536954. • **Rajkot :** Lalubhai Centre, 3rd Flr., Lakhaji Raj Road, Rajkot - 360 001. Tel : 235112. • **Surat :** Saifee Bldg., Dutch Road, Nanpura, Surat - 395 001. Tel : 474 550. • **Thane :** UTI House, Station Marg, Thane (W) - 400 601. Tel : 540 0905.

## BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE

**Bhubaneswar :** 1st & 2nd Flr., OCHC Bldg., 24, Janpath, Kharvela Nagar, Nr. Ram Mandir, Bhubaneswar - 751 001. Tel : 410 995. • **Calcutta :** 29, Netaji Subhash chandra Road, Calcutta - 700 001. Tel : 2434881. • **Durgapur :** 3rd Administrative Bldg., 2nd Flr., Ansel Durgapur Dev. Authority, City Centre, Durgapur - 713 216. Tel : 546831. • **Guwahati :** Hindustan Bldg., 1st Flr., M.L.Nehru Road, Pan Bazar, Guwahati - 781 001. Tel : 543131. • **Jamshedpur :** 1-A, Ram Mandir Area, Gr. & 2nd Flr., Bistupur, Jamshedpur - 831 001. Tel : 425 508. • **Patna :** Jeevan Deep Bldg., Gr. & 5th Flr., Exhibition Marg, Patna - 800 001. Tel : 235 001. • **Siliguri :** Jeevan Deep, Ground Flr., Gurunanak Sarani, Siliguri - 734 401. Tel : 535188

## BRANCH OFFICES UNDER SOUTHERN ZONE

**Bangalore :** Raheja Towers, 26-27, 12th Flr., West Wing, M. G. Road, Bangalore - 560 001. Tel : 5595691. • **Cochin :** Jeevan Prakash, 5th Flr., M.G.Road, Ernakulam - 682 011. Tel : 382 354. • **Coimbatore :** Cheran Towers, 3rd Flr., 6/25 Govt. Arts College Marg, Coimbatore - 641 018. Tel : 214 973. • **Hubli :** Kalburgi Mansion, 4th Flr., Lamington Marg, Hubli - 580 020. Tel : 363 863. • **Hyderabad :** 1st Flr., Surabhi Arcade, 5-1-664, 665, 669, Bank Street, Kotli, Hyderabad - 500 001. Tel : 4511 095. • **Chennai :** UTI House, 29, Rajaji Salai, Chennai - 600 001. Tel : 5210357. • **Madurai :** Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 106, Thirupparakundram Road, Madurai - 625 001. Tel : 739186. • **Mangalore :** Siddarth Bldg., 1st Flr., Bai Matta Marg, Mangalore - 575 001. Tel : 426 290. • **Thiruvananthapuram :** Swastik Centre, 3rd Flr., M.G.Road, Thiruvananthapuram - 695 001. Tel : 331415. • **Trichy :** 104, Salai Marg, Woraliyur, Tiruchirappalli - 620 003. Tel : 760060. • **Trichur :** 26/700 West Palilthamam Bldg., Karunakaran Nambiar Marg, Round North, Trichur - 680 020. Tel : 331259. • **Vijayawada :** 27-37-156, Bunder Road, Next to Hotel Manorama, Vijayawada - 820 002. Tel : 571134. • **Visakhapatnam :** Ratna Arcade, 3rd Flr., 47-15-5, Station Road, Dwarakanagar, Visakhapatnam - 530 016. Tel : 546121.

## BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE

**Agra :** Ground Flr., Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra - 282 002. Tel : 358046. • **Allahabad :** United Towers, 3rd Flr., 83, Leader Road, Allahabad - 211 003. Tel : 400821. • **Amritsar :** Shri Dwarakadheesh Complex, 2nd Flr., Queen's Road, Amritsar - 143 001. Tel : 64388. • **Chandigarh :** Jeevan Prakash, LIC Bldg., Sector 17B, Chandigarh - 160 017. Tel : 703683. • **Dehradun :** 2nd Flr., 59/3, Ralpur Marg, Dehradun - 248 001. Tel : 746720. • **Faridabad :** 5-614-617, Nehru Ground, NIT, Faridabad - 121 001. Tel : 219166. • **Ghaziabad :** 41, Navyug Market, Ghaziabad - 201 001. Tel : 790366. • **Jaipur :** Anand Bhawan, 3rd Flr., Bansar Chandra Marg, Jaipur - 302 001. Tel : 365 212. • **Jodhpur :** Minerva Cinema, 1st Floor, Station Road, Jodhpur, 342 001. Tel : 645229. • **Kanpur :** 16/79-B, Civil Lines, Kanpur - 208 001. Tel : 317 278. • **Lucknow :** Regency Plaza Building, 5, Park Marg, Lucknow - 226 001. Tel : 236502. • **Ludhiana :** Surya Kiran, 92, The Mall, Ludhiana - 141 001. Tel : 441264. • **New Delhi :** 3rd & 4th Flr., Delhi Tel. B-5, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi - 110 002. Tel : 331 8638. • **Shimla :** Flat No 401,402,403,405 Mukesh Apts, Fingask Estate, Near Sheel, Shimla - 171 002. Tel : 257603. • **Varanasi :** 1st Flr., D-58/ 2A-1, Bhawani Market Rathayatra, Varanasi - 221 001. Tel : 358306.

## UTI NRI Branch :

26th Floor, Commerce Centre-1, World Trade Centre, Cuffe Parade, Mumbai-400 005. • Tel.: 218 4184 • Fax : 218 2322 • Email : utinri@glasbam01.vsnl.net.in

## Dubai Representative Office :

Post Box No. 29288, 17, Al Maskan Building, Karama, Dubai, U.A.E. • Tel.: 00971 4 358656 • Fax : 358638.

## UTI London Branch :

UTI (Guernsey Ltd.), Shri Pradeep Kumar, State Bank House, 1, Milk Street, London EC2P 2 JP. • Tel.: 0044171 454 0415 • Fax : 0044171 454 0416.

## DESIGNATED BRANCHES OF OMAN INTERNATIONAL BANK

NRI Centre: P. O. Box 1216, Postal Code 118, Ruwi Branch, Sultanate of Oman: Al Khuwlr, P. O. Box 1216, Ruwi-112. Buraimi P.O. Box 388, Buraimi-512. Fahud P.O. Box 54, Mina-Al-Fahal-116. Marmul P.O. Box 54, Mina-Al-Fahal-116. Mina Al Fahal P.O. Box 54, Mina Al Fahal-116. Muskar Al Murtafah P.O. Box 559, GPO Seeb 111. Muttrahi P.O. Box 117, Muttrah-114. Nizwa P.O. Box 71, Nizwa-611. Qurum P.O. Box 43, Mina Al Fahal-116. Salalah P.O. Box 1453, Salalah-211. Soof P.O. Box 11, Ibri 511. Sur P.O. Box 651, Sur-411.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुख्यालय, कटोराबाद द्वारा प्रेषित

एक प्रकाशन नियंत्रण, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2000

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,  
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS DELHI, 2000